अषियां केहरजचलेकवारी चूडोदिसुवंकवा
री आननमयंकपंदपंकवारीपंषियां बोहनम्र
नाजवारीचालगैमराजवारीकेहरीउस्मालवा
रीकिरतकीलषियां कीरवारीप्यारीपर केस्रर
कीषोरवारीमोरवारीवेस्रर मरोरवारीअषियों
१ गीतम्मालोरछोटो॥ आसियेवांकीदस्परोक
लो।कहिउपमाउरल सोपमाकहि।वलेअनहू
पहिये विचार मालोपमउपमेउपमान जुं।धुंधार त्रि
रणरपमोपमग्रा२॥ रंजप्रतीपअनेरूपकसुं।
आजषलैपरणामउलेषा।संप्रतप्रांतपेदेहपमक
सुधा।वरणंहेतेलषडोतंविषेप।२।बेकंपरजे
मतकेतवंविवसुं आरअपकुतवकेप्रकार।
उत्प्रेक्षावैवलरूपकरूप।अकमवलयंवेधउवं

रण। लैदक सो असंगति तिहि लनन। अतिसय
उक्त आत विधएह। विभसा मुंनाभनन उतरद्रढ।
सनाये क्रिपरस्पे अपने ह [illegible] जो गदीपक
माला तिण। दीपक आह तगिण [illegible] य। [illegible]
न माला निरणेसु नल वितरेक [illegible] य प
वनोक्ति द [illegible] करवरणीजे [illegible] स्लेष।
[illegible] काभ्य। अप्रस्तुत परसंसा आंइ। [illegible]
[illegible] अंकेर [illegible]। दु। परयायोक्ति माजनं
पापठ। माजस्कति आटेपद [illegible] वरण वि
रोधाभास विभावन उक्ति विसेष [illegible] असंभोग
। ७। असंगत [illegible] विषमसम। अपरवि
चित्र अधिक अधिकार। अलप अनोन्य लंक
त: ओ पेक्ष्य फेक विमा याद सुधार। कारन

मालाएकावलीक्रमय्रगटेसास्पदापरसायं।पर
अतंसुअतसमुचयवेबा कारकदीपक स्परजक
रायं(सं) ऊवेरमाधसुप्रतनीकहद। कामारथ
पतेदिमलकथ। काम्मलिंगअर्थांतरनासकंचे
लवेजेविं देसुरेअरथा।१०अलिकवेजबलवि
त स्हरह्मेणअवर्तविंबांस्वदेवेलासावरणअ
वपअरपविवबजवेखणंमुसालंकतवाम्प
।।रतअंजितदउणश्रीतझडोरेजे अतद
गुणसंवहिरअतुगुणमीलतसामोनहरस्मउ
नमीसंतासुविशेषअनूप।।२।।उवेसरसुबम
पहितांहगिणयाजोकंतगूटोकतवेव विर
ताकतकविजुगतवबोले लोकोकतिवेको।
कतिलबो।।यथकसुनावउक्तिनावकवच

७ णउपरअतते रूगिण। नन्दकी प्रतिबंध
नीयमध्यं वेष्टितालंकेलवरण।२६।जातअपे
कम्पियअमितजित विपरीतालंकेसैस्त्रत
।स्तुमिथ्यसमाहतजागवसिरोहे।कविताः।अ
प्रकाप्रकृत।४।जुगलाजुगलअजुगलाजुग
लीअमजपकबेकाअनुआंपाक्षितलोरा७२
हस्कवंदनाथकतस्मयवदंमैवाग्रहे।वण
पद्नेगस्त्रपवकोगतिां उकिवंकपदस्रेपड
७ नेगस्वुध्वकोकिकाकंत्राणिजै।प्रतबजिती
पमचौत्रयंग।७।हिहशेतअयपविकलपद
हे।मिथ्यावचलतीजिमान।बहरांतरस्तुजा
नकाबिडंकै ऐकानेकोतरहेओन।१८वय
तयमप्रागतांगतअसतो।अम्कोतरइयकारं

प्रतीत आकृतेस्वी जे वरन मय उपमा। जिनरा।
सांतनि दउ जोत ५ स्य मयकरउन मानके तम्ह
च। सुनउपमान पत्न्य मगाज। अकबर आते अर
थालू नमोहे। येजव अइ१ लक्ष इनमाज। २०।
अकबर और भसुं अलंकार मज। मिले आयके
सावित्तुणे जिनमें स्फट अक्कारां तीनों। येकर आर
थ कार सुणि। २१। श्रीमहाराज जसवंत उपजाया अ
लंकार अतिपान उजाय। बांको दास नाम द
ण विंदसुं। एकल गीत कहे अंनीयाम २२ इति
श्री कवि बांकीदास कृत अलंकार नामि नाम प्रा
नस्य संपूर्ण।। कनदेवी सुम्पैसुपर व कष्ठुर हा।
थिजोन रूप रह चरेलग जप्पे। मागन सम्ब जुग
आन १। हे पत्ताके नोर मफ यचेती मरो अंक

प्रतीपालंकार – जलज –

गोरी तेरे दृगनि पर बिबन ही पानत टेक मैं सुध
संगम रहि नेह रूप जहं तिय स्वांन प्रभा न कट
तजनत उपरत यहत फिरापी छै पि बता नां ग
चातक सुतही सिषावही अनतीरमत लेह
अपने कउ कोय हम्हरम एक मेंघ सों नेह ४
चुगत चकोर अंगार अति जसम करण को
अंगः हि जरत हर सिस्वउं तब देखे गैं वैठ
५ जवराक सोज वाडिया रहे कली लाग सोय
उकलरे ति स्नेग किया कमलाकिस बिछेय
६ कालाइ पविम हेला वि किया में कउ आणि
त मिल रसजन विबडे तिउ स्का लागि न ७।
र जब विरोणे बागकी पावत और बरषात अप
नेक बु विगेरन ही अस हे सुहा न जल ॥८॥

मिरतियमगने बंडे स्कतिय निकसी भाम उ
नकरपैका सिखरी ऊँनमो तिदिसेी वतायउस्मो।
नाहविनभजैनही।रूपँपवेनरोर अंबेमेंपीतर
हिरह(कहोंसिंकरमिजोर १० उहंधउपसुंदर
सुनरा गुनअजनवषबांन लगीसीतजहांउ
गिहे जोबनपोस्पजोन ११ आरसमेंआरस
संसारतनसीसपटाजबगुजरातगरीबलनस्र
धीरपांर कहैपदनाकरसुगंरस्मरिसारपेसं
विधुरेविराजेबारहीरनकेरूपर लागतबनु
जीबिबेहेरबराकेहोस्मोरठउठ आरकेतप
हिस्केधरपर एकपगजेतरसु एक देहुडॉ
धरेंएककरस्केलएककरैंछकंचारपर उ
होरितराजनकी कोमपदरी पाय

नीतो हयोहीलेंव छिपो गम्हूर कालहीकैरैहै
तरतइ कें तरें लेत माजत्तीचं मेली कें जवंपक
रैतेकौ भ्रुर कौ विदषियारै संगसांसनवजाव
तहेतौ जानकें ऐकेवी मोहकें औवल आयौ
सूर एरैएजमीर तोहैनेंक ह्न न आवें पीरपेंव
केकें दैवन तें हियरा करत दूरा ... वरसतपे
हनेंस्नरस्न तफरस्नत ऐग रैजें सें जरतज
वास्यो है कें पेस्नाकरैकलेपीकेंक दमनेंपंम
भुपनको नो आपमहलमें वास्यो है उक्कोएहव
इमजतायदीजो मोहन्कौ व्रजको सुवास्यौ।
नयो जगन अवास्यो है पालकोपपरयाज
जपानकोन प्यास्यो काक्ष पातिन वियोगनकें
प्रानन को प्यास्यो है ७ पोतेजुप दुपावबें

धीदअंकमकर जोगध्यान नहीधरत रटतपीय॥
निरंतर लहलहमीना जमटल निजकंकिहकार।
नइहकोपकिय यम मउलहि उजन लभाहियमें
नमैंन हरत्र बलत्रिय करत किलोल के हुकमें
ऊबनिकन्हैकरमोर मानुसम्फिनिकंपोसहोटु
कयकपारलमोर आदिहिंपरिसंनरंनपर।
सिंघविराजे सिंघउपरेसअपदमपलरगिरवरउ
जे गिरवरउपरकमलकमलपरकोयलवोलै।
कोयलउपरकीरकीरपरमृगहजिनिले मृगउपर
विसहरअैसोसियनागतापररहेकविगदकहे
हरअहरहेसनार एनोसोहैअपतश्रीगुरुदेव
ऊँ पोंचहेपतिहेपरिच्यार तीनमंत्रपियसारयासि
वसुतएकदिगारम जेबइस्यौ। जोकलोसगरे

अपमारगवालननीभुरीजाननपाई हंसकल
निधिसूरअनाहतषेहंनिषंदनकौअधिकार
चेवलैहन्दिनिकोंमुषपदअवलावलपग्नि
कौंसुषदाई। केसवपावस्कालकिधौंअवि
मेघमहिपतिकिवकुराई (नामेसृंगारवै
रवीरउक्षपारध्यमेरकोमनलहियामेकरुनारस
रवपानीयें आनंदमेंहास्य४ रूद्रहूंदमेंविराजे
रूद्रपविभत्सजहांतहां रसोंनमनआनियें दु
चितामेंभयानक७ अथाहतामेंअद्भुतकम
याकीअरुचितामेंसांतरसमानियें ८ एहीनुं
वरसहेएहीनवनाववपुरनकोविचारकरेंसी
रकविजांनीये॥११॥ कवित्त उरजउतंगवारी॥
मोतनकीमेगवारीसुरतनिषंगवारीसंगवें।

गतोबयारकरुंहाहाकरुं पायपरुं पिलंगन
परिछ तर्पे तो स्त्री जै पीया। तमेरस्त्रकीयो चाहे
मेंतोबालेबेजनारकामरस्तहरि ॐ ऐसेक्तक
फेरपीयाचीरमेरोफारस्त्यो आजकी अंधेरी
रणकहोकेऐनरिॐ मानोजुह पारीवातबोम
दीह मारिहाथ्यदीपकडरायें दीपकहो सोसकरि
ॐ ५ मेंगनगयोतो ज्ञाटस्पतनदयावरॐयी
रघ्येनेलायोरी उबेतुकारपोरीया। मितुकक
नामनस्त्रोस्वदनमेंवदनकी उफोषतकरोषेझ
नीपटदेपिछोरीया। उततेंगुरजन लाजरतन

५

जोपेतेरेरस्थ ह्स्को त्रिथ जनयो हे अस्वरव
कहनमांगमेगनलदोरीया। १८ ॥

अपमारग वातन की भूरी ज्ञान न पाइ हितकल
निधि सूर अनाहत पेट लिषदन कौ अधिकार
केवल हृदि निकौ सुष को अवलोवल पस्नि
कै सुषदाई। केसव पावस काल कियें अवि
वेक मह महिपति कि वक्रो राइ ८ ऐसे नाम श्रृंगार वै
र बीर उरु पारस्थ में कौ प्रलहिया निक रुनारस
र वषांनीयें आनंद में हास्य रुद्र हुं में विराजे
रुद्र पविन त्सज होत हैं रसों न मन आनियें जु
चिंता में जयानक अथा हतां में अद्भुत ज्
याकी अरु चिंता में कोंत रस मानियें ८ ए है युं
वरस है ए होत नव भाव रूप इनको विचार करे
रकवि जांनीयें ॥८॥ कवित्त उर जउतंग वारी
मातन की मंग वारी सुरत निषेग वारी संगथार

थिनिनगईफोरमारेतें। आदईजगोरीफोरी
तुलाजअतिपेमस्पचोरीनोरीतोरीदफ
नेकेआफलीकें
कंफोत्कनिहारेतें।पिचकों
तोनीजग्श्योसों
फकंफरताके
जिन्हें
सुकमारज
में क्यानू
पपारे
फजप
मोने
मतिपी

दिसा विदसा नते जान अकेली गरज करावत।
दिषघराहीयजात कटा अरु जोर घरापन ते
रोघरावत। कंकुकरके उबटे स्यजनी निसवास
रते ओंसुरवाय मकावत केसे केरो मन प्यारे विना।
अब जेव परम्व दराह दिषावत॥ ११॥ कवित्त: षंज
न तो षंजकीये कुंजकीये उज मृग पस्ये हें विह
लक हुए लनी विहारी को। यने उपचार कीये
घूमत हे घरी घरी घाय उकयो हे मन मो हनमु
रारी को। सुने हे मयेकहु पौ आज काल घरी
पलला गहे कलंक तो हि कारु देह धरी को
अतुं इ तेरे यह नैनन हंटक आली विलोक
को म्रि षायो कि धुं झोक बो कटारी को १ हंदव
न वंद बेलेफा गअनुराग जस्ये स्८ तिसक।

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

रीसालवारीवसैमेरीअंखीयांनमेंगागनारी
बतारेकोवागोवस्योवाकेहारविराजधराधर
को।सुजदंडकेसंगगजाकोउचागलस्योह
तसिंगारकरंगनकोसुलतानसुध्यारसुस्मानन
कोअरूषांननपांनथहरनकौनरनारीविचारी
देतारी(स्यों)उनहारिनिहारहमेरीवरको।नाग
गलेसिरपागजटनकीरागअलापआसाव
रीगावे।संगअनेगवनूतकहैउरसेंगसुरं
गथहरचगावे।अंबरबोडवधंबरसेछण
तोरणआनकेनादवजावे।देषयबीयह।
गोरीकेउलहवेउथवेवरमाहकेआवे॥
जाकेथनखमनथहरकेपानसापहीयापगजे
लपटायेवेलवचेविषअमृतअरोगनचथ

कहाआयेदिकंबजाए हाथमेवपरमोदवाघं
वरपारवविहसनलाजपताए आगेतोहूपथे
आगरहेतमलागेगी दृष्टवमूलजाएं ॥अ
जरामथणंगथबूतिमकांगउमा असवंगदिगं
लरकी। इगतीनचिमूलगलेपूंडमालविण
वनवाउंचायंवरकी। अलगालवजायनिए
एकेरहरतापहेरेंजमकंकरकी। जगदेवननें
मतएतिकहांगतकीनं हेमिवमकरकी॥४॥
धिणमुखरउमकनकतन पाहनमववपरिवा
रथनचंदनविलियागिरी अतकासाहकसार
॥१॥ चंदीमोहनमैंकलो कोंनहमारेणागस
ववनहरिमोनक्रमेतोकहाकियोमुधलाग
कैहसा॥जादिनतेंपरदेसगयोपिमताहि

नतेंतनबीजतहै तिस्कासुरनोरसुहायन
होइहो आवतआरलीजितहै। अबतरन
कोयत्रपाय हैसे चासूरत विसमेंदीजतहै
उनसीतमकी उनहारसबीनेणदीमुखदेखर
जीजतहै। अथ अष्टलुप्तोपमाकोदाहरण
वचकवरमविधुउपमवदनधर्मसितीरदर
कीर अफनबिंब मितकुंदकेरूपनसोलु
तजथलिस्क एकवितमनोहर: अथ अष्ट
लुप्तोपमामयीयुक्तव्यतिरेक॥ वचकधर
मपरपानयअधार आ पतुघविधुकोपे।
तिसदीह हि बनाजर धतुचीपेंचक्राव
वणीओ तिलकअर। वटेविनघायलकरे
पेंडमराजर कीरवितु वेचनस्वनामपोए

र वस्यकतपायताजाविलंद आगजीतस्कतन
नरलोकइंद्र सिसुवेसबकुलतपबलसजेव
परस्वेदमंद परस्वेदमेदकरहेमपाव ओहदा
यदीयापतसाह आव साहरांजोधजोधसंम
ध कटहेचवण मिलपेकमंध किलमाणमी
रकमनाकीध दरवाणपाणजमदावदीध अ
नमालकोधदेवेअताल महमंदसाहदिय
कतमाल पतककमयदफरांषांनपेल फो।
कीयाथ्याटतुफनारफेल बाजीदलांजिवग
जलावोल नीबटषगढूंटेनारनोल थुडका
आगरोदिलीथाक सेहजोतुरकोथे
साहोधरधोकलकरसंग्राम टेपध
लाधेयनाम बांसीमोडेमहाबाह आवीयो
= रातेप्रेमा —

दालीवोंस्पर्ष्ट्याह हजरीचारपायोदिलीसरै
नदिलापरक्षरीस चउहेलेयाटसफनयण
नदरगाहस्नाहपडीयोदरोजरु लष्कवेथा
जलमीनतास पांहलमवासोअंबषास।
केषांनवीबटेएमहरेततारनगहरतेम
संगपेषिमहाराजरंग उफिगयाबाजतुररा
ग नेजेसताव निजरांतुवाज रोपांलंग
जोहरस्याल गयणगसीसविजलेतेगहु
फिकतेआवीयोवियोसूर गउवांवंवाय
भुगलगाह माव्हूगिदएकलदिलीमाह
जालजागीयोकमधतीर आगीयादवेचू।
लओर अनमालतणस प्रावएहवं
लेनवेह जोकरीवंदगीहयजोड बो

दीया बगसदोजत अरोड इंद्रसींगरावसा
र अंग दलसजेजेणघेरेडरंग घण
तोपंचकंतरफघेर डरंभां काढियोत्राय
र लडि अेणतरहिनागां णलीय दइवांणबंध
नोपेटेदीय जोधारसकेबोहबलसफायवे
तेजदेषमोहलगपाय नीसांणघोपकरि अ
मजनोष जोधांणकरे आणंदजोप करमांण
दिलीपतदीधफेर आवीयासत्रजारण अजे र
सुरतांणमीरवगसेसकाम निजतेणपांन
बोरांसनाम अपरावुमीरलेबल अथाह सां
महोमे लीयोपातसाह जिणकरीसलामां
सजेम आदावबजार दासें अेम हालीयो प
पाकरतणीहाल मिलीयो अपपतसोंबीयो

माल मिलिपातस्याह बोहदीयेमाल महिप
लीपुण छिव अनेमाल ५० उमराव हुजिअ
तिहितकीध देवीहरसाल जूहार दीध अमरमा
लोंसाह वेमिलउ जाण उमरावे सूरजअंत
पाल उमराव देवचडणमें ते जकाय विधय
चवात कविकरवताय मेहमंदसाह सूरजमा
ह सूरजजेवरो अनेसाह अणखवत वबरउ
जरात आय अमलपाती अमल दीघो गय
मरहटां कीयो मिरविलेद मेल जैहमे दावाद
मे कीयो अविल सुलतानसाह पांन फेरसताब नर
ईसबे हाजर नियाब महिपत अमीर अंग
हीलमाल पांन दिसधरैन हकीय पांन तदे
जवान नरसिंघराय अनमाल पांन लीधाव

गाय कुपालमजीसूं वीरषेत सिरबिलंदषांन
साकसमेत कंमधज अरज इसतुणी कांनमे
हमेंदसाहलगे आसमांन आफरीवादकहि
आदाब सिरपावसाहबागे असताब लाषांइ
षतोपांषूंटलार कंजर असवागे लेवणकर
र जसराजहराकेर फतेफूल नपतरीनाज
महराजऊक कहिपातसाहेरमविदाकीध।
डकंसाहबाहसाबासदीध नदहलेविदाकूंय
सूंबतांण जलजेमऊफले समदजांण वंदेवं
ताकीया कटक षर साचवांलीयण धरमहाभू
रगाजीयानगारोगेघणगाज नोमीया अवा।
कोगयानाज गेमरांहूमरांबईगोड तरवरांजी
गरांदीधतोन लोहरा लंगरांछाटलाग अंस

ःवरांकडेआग ६० नैवाम्कहूटगपामग
ह्रूटपागिरदेहैनाजफे टह्टोपानदी।
तास्य शूटपाहवांवोगांनपायउदग
धरतजेआय्य सीधजांदेवडांनण
चालीपकोमैहेजमच जाय जालीय
गेरा
व देवडांनडांमायैदवावसोरैहीउपरवि
वेपार आवुधरभूजेगिरअणर अरिमदत
णजमातईरु मारदा जिमआंलेघणसीय
तांणीयोराजयरवदताय जांणीयोआज।
अरवदृजाय कपमांलगिनिजरसलांम
कांधं नंननेलरावउमेदरीध चंदरवदनत्री
याआंधीनचाहिं मछरीकजीयालावीनमा

हि असिद्धमदेषांनकरीमआय पालणउ
रलेगिपगोणपाय जिणठामआगेजिवीया।
जबाब नगइफिगकरेलडवोनिबाब षग।
तोलेबोलेविजेंदषांन मेंऊलूंपद ताआस
मांन जिबीयाबतधिषीयाचवजअजाब अ
रावकबाकहीं नेगआव विजेंदरांणमजिबी।
यावचन बावीयांधय[illegible]चोलबन धुंधजी
माजधिकनयणथे[illegible]परणदटणनग

वेतालआगलै छलिसिधापजकमिलगिगन
वेह मंडियो ओलेदउरआगनवेह अतिरूयमो.
लारिल अमृत नवल्लपजोलस्टेनबल मल
तलेआवरतनदीमाहि कलकले नीराजिमघृत
कमाहि हटतालपहलबाजारहाट परजेले
महलचंगलकपार आचरागयलवलसूरचो
र कांगरा अमारजलुर जकोट नगध्रांधूंमरोग
उमिरोट धूंमरांउहेंजेडनिहजंघाट बटापेरस्य
राअतबलोह बावनावनणरा लयलेवोहज
गतोपफालअसमोनजाय उरुतासुजंगध
रपडेआप मतीयापवरअसंमतयसाय
जियरहसउ आसीजमाय सुदविटै
लषियोसंयानथि .

मकीयो कोश्रन लबीयो सीह दावानल दरग
लतीन देह विलंदनां अनेतदकर विचार चे
पेदिन लिषियां समाचार जाहरां तेण वृंसूब
जिहांन बुटहड अमीर षिरविलेदषांन लि
षीया बतषिषीया सु जेग बेह तेलिषीया कर
करदीया तेउ चाढीया बालफुय पहलवा हि
सूरतगढ़ तके वां तसाहि औरा कबाक देव
लअथसार पांमणें हुं तसांमी पधार बदिते
पवहादरनह अग्रफित रवार बाहादर रिर
रफि औरांनउतनहोमत अथाह षिरवि
दषांन षिरषांनि पाह सांप होनहाजे यहियार
लोमहितरजा लैषि सनार हुंत जेषांण दिवक
रितेग धरहर बजी तो जतुं धीरउजी मसाह
[illegible]

=नामपहर=

आजणीजीतनं वकउरिउ तेवं
ह्यावनरदीघतोडि मेलैन पावसमहर अफोर
ताहरोवि जेदगिरमेरतोलव ज्ञोग वकडघोग
ठनिवाव हाथीयांवडि ठहबो हिलाव स कि
कोटमोमीभ्याजुयमभजय अमराव लेन्सकि
वितआय पदमणी दिली परऊं णमीत सा
जाप सूराइणमरीत सूरमाजैहेचोहिसेना
कामांथयेपडेपेंविचाल =
रओटचापडेआवयमयेरबोट वरस्तर
रककरिजंगवा ज आप
मोनैमवयलजोहैमुकि तोजकांजेमिरांपो
रुफि नेजहाकरेदरखेयमेनेम पीजैरेज
रतोलपेम जोथाहर लिषीया एजवाव

बीयावाबीयाअबनिबाब करबुटबाण।
विलैकबाण बोलिंयोजहर६ कारबाण
पिंजरैविलंदरै जनापार सारकाजाणनस।
काउसार लागणकमंधराक्यणउाग ज
योजाणप्रितधिंबआग कोपीयाकीयाकुण
कुंतकार दबीयापुंबजिमकालपार नबी
करणपडिपीरनामपैहमंदअलीहजरत
अमोम विलतहकिलेमआनवेबतम्य
सनारकंबोगजपीवआय गहकीयाग्रा
सोलागसूर तहकोमाबेबअराकरस्व
हकीयानहरधरसतेवाक महकीयासम
हरवाजिगक २० धरकरणमांनलोकीव।
ऊंदि नीसरयोकिउकपाटनाबि धरिमहर

तोप बोनाम्रधीर ज्यांपीव ऐरांनी गज जेजी ॥
यक्रितोफ फिरंगी लीयां साथ हयनालिं हव
दवांण हाथ हरवळ पठांणतरीय उहळाय
वीरक्कं त्तण खेदंतु जाय सूरमां खेवखेदन
जमंध बावरीवं गाळी तब जेबंध उजक्की
ऐरांनी गो उआप वगथाबारांरी दळ्वाप
वेहजी मयजर्ग पुषकज उवाम्र रीमी ॥ अथ
हवसी तमयुरम्प मदफरां फोणनीस्फो णमि
न फरहरां फोण अयरोण कोज वीरां णरूपई
ण विध्रवणंय आरां णरूपसन मुष आय
पुष सुरंगरंग हरी समांन पूरी जिम डळहीरई
जान पूंगी मकोमछवि आसमांन शेरीगज
विरते विजदषान जानजी फोजप्रगजी सजो

करद्दिलेमलाइमहरजोर इतले वेतमनु न
अमाव विपन धंरकेर्जा हसवम आर्रल कि
कपिमर्ता उचार पार्सलिकेकर कि पेचार जोर्स
व पेर्डिमाकीडवम जावलीगुमेमेर्या किलव
डुरमांगतांणवर्णा मंत मेरववर चोंणं तोर्ले
त चवचोजमाल विकरावलूंव कलचावलगत
हणवल्कव रेमालनिलरनीवमरकमचीत
वि मारनाहत्वयमम सारकाकेटओतकमतं
त मारकावलहरमुमलमांन पोसाकमिवह
ओरकहूर गिडकंधडाकपोरमगहर औ
बिवेकवांउमूयांण बंध असमांण बिबेरमा
ण अंध वघमदीनोरबेधे वकामउमेतलुर्प
टिवे दे जेकामरी ओण दहरमुणरमारग जा

ल्तेतकेरेणीजीयाजेगपीजायत्रबीरकसुरहपां
न नपजायअरथनैसांभयांन वणजैपजंगरांबेथ
सोफ मदकरांषेथनोबेमरो डकहरीचपजुररांकही
कांक बहरीमुषजुररागही बाज पिरविलेदफजे
उजनारस्मार राकजेदस्माबापरहजार आवां
तांदेषकदवाए२ दमकियापारवांमनजबाह वां
दलोकनकरांगगवार ष्ट्रपरांमेजरांउजबधार
निजेसोगी ताम्ह हस्त्रनोम १८ गुम्हूनोमकरेहेस्रण
म देहजांमणपोदस्तांन पारवांलोगुजआप
मांन चोपुर्णअपउहणावणय ओपीयासोगुणे
जोम्ह आद पुर्धसेह्यगु णावलमिठेजालमनी
लेजकांनुत्रिणमात श्रीकलजेप
अपमांनफिांगोलेअक्षर·

सिणगार ऊपडिपडे जुध किता वार सनरी ऊआय
तां दीध माल नाइ तां कीध कितां निहाल तनवर तैंक
ली कलकत्ते म जुध सीम सतीनाले रजेम सांम
रे कांम एहम्मवीर समरै कांम हत्तुमंत वीर षीव
रां हाथ बाणम्म षाग वेहती कजांणरी कीव नाम
सांतरा इणी धाराकसेल तारा कऊबकबैजांण
ते जा१८७ हूंत राउघाड अंतकपोत सूतरा पुर
डतणी जांत ऊबजैर तावजाडस हेडम धाव
डा आगराव षांक्षेम ताषडा अंज नजीणता
य षोघडा प्रस्सूंन चकबाय अनपतिज
प= तीगोरषजेम तैरस चवारपंपलेम डतकेसर
आनचन्नू तदीध केथान वरंगी स्रिलह कीध ज
फि आनबेधके डीजनाव आवर्झ्सवीरं सजुत

पदमा सुत आसत जोगर र कोधमें अ
जोगमें धुनि विर्धा हजे गउ मु
देव निरमोह भंग वीरां तमि लेथी गवे लंद
सोलफिलदीठा नरेंद्र जोयणं परीरं जोतजग
परीरां भ्रानलाग जुंहलेनरें खटली
जोगेंद्र जीतटीले जमान लोंघी अजाव
धिजहर जेत पांघी बंधस्व दीया वीरखेत धड
कोधपरचंदधूप तुजफंफ अमेत्रलेद दू
ब पेबाया परारु रड
तामस अन्नामन धूपताम रावणउ अ
राम कारणो मेहर अमिआप कीअ
उवजकमदीध जरीया ठांग
तागांउ पाड परलगे जांणउ नीयापहाड ध्यमेल

धरणक्रुणचन्द्रअधार कस्यप्पेकमठरजअंध
कार तिणवार ईहोदजदृगेदोफू अणपारम
रघणसारओप उदिजलांदखांगेलांअनेक
ओलांजिमगेलारीव एक१८० सरहेमरगेमर
नरउसार परस्कंध्रिरनजीजे क्रवे पार केमरां
मरदकवास्कीध इसरोविलेवाणलनदेध
जोधारांनकरीपलकजेज तोपांराबदियां
तिस्रतेज पदियांकरधारांजहरपाय इंद्रर
वज्रकोलीकआय किउकारवीरवाणीक
हाक हउकारबिक्रंवउवाजिहाकधानंष
रंकारनलंकारओह उलकारमारअरण
पारजोह अहंकारअरीअनमलअपं
नषउवारउवीस्रिरविलंदघोन तपधारर

मेंमलियारतेम केअसरमीरंहलियारजेम ति
लवारउजालो मुविती र उहिपागअसर हरांड
मीर घटस लोपारबेवारधाव नजकारके
धिरपिवकारस्याव लुडअसरवेमकबजोज
डंत वोटजांपारउरजोपहेत. हे हरोजवार
रिवगण हस्तेत:वणियोअपार रिणबेस्य
त अछेवार हरेगसूरजेपस्याव तिलवारसु
भणिचक्रताव बांकीयावीरमदअरख
क हे हो नंणंरव जिवंहहाक रंगारहर पि
जंकेराम तिणवारसूर देखेल मास बच
तारगपोते जेकारवाच हतकारकेरवततक
रगाच यंघार कंतअणपारसूर हरह
केरैवरसेनसूर गलकारलिये पलचार

मीध पत्रआरस्नक्रिनरक्रविरपीवसेनारजुडे
सिरदारस्त्रूव जिणवारगजां असवारजुव पेग
जांलीयदेरिवपयाव घणीं अन्नोपीर जांकरे
घाव २०० आपरीवारदपेअपीर बंधवांधी
फोकामहवीररोमायणनारथतेणरंग जा
गीयो अनाश्म विकटजंग गेरजोद अबर
फूजारगेव कदमां अंसउवरमालकंठवी
नरेकरेगलबाहवीर नीकरेस्रविरजिमअ
थणनीर रिणफिरेचांकपैतलरंग ओराकें
ताकगेहलअंग लुडपडे किताम्रिउआ
यजांय पीबर मतवाला फोकपाय वोसवि
अपाडेरंभाय अरधंग सहित श्रिवष।
डान्पाय गायणिजमस्त्रिवाविवयहांणबा

चलोवेनयणबोल कालीदेतालि रहीस
हस्बहरीजोगणतणेहाथ जडउमांझुरह
चडिरीसजाय पडईसमनावेतेणपाय धेरहै
जटाछुलिरोगस्थार मेंमहाखंधिरसुरसुतमंझार
प्रजालेवेगमांझस्पूंपात जमनांजलकाजल
वहेजात उणवारहूवेलीतीरआय नुझारजवे
मिमोषजाय मोहियारिवाधूरंस्समाज रिणथी
यालीयोतीरथराज हउकारगजांपरवीरहक
किरमांस्नूरपबैटकजाक ऊफिवैड्योगराधर
आंण जनमेजआगरानागजोण हाथियांदोक
पगधरहकार मीरदांजेगीहवपांमुंफारधडजेडे
करारीजवनअंपनटजोण किउकिलेचोटनोप
धड्जवनपारगज धिसस्थर आंणीइकजोय

णजजअथार ओपमा तेण आवे न ओर गण ए
तीरमावे जांणगोर २२० वृजिओ लधुपोडा ऽस्सा
वाट घोडा ज ८ डक्के टेउरस घाट लडिपैठे क्रैटेब
कडा कलोह बडिपकडजडे जमद ८ छ ब्को हेज
तीयाल विठे बेग अधार फाट घदियाल फजरग ए
लेकघाट रंगबरां जोस कुय लालरंग बातरा
पोस ऊहे बरंग स्टण बरंम दंगजिम उबृंत लोद
लाक बूत र जिम ठुटंत मेफर काळजा कुंमार पै
जराबेजरां कुवैपार काले रेला लैरजी लब्केक ह
कैरमाकै स्हूर हेक पडबुटै कुटे खब स्मार हर मै
खुटे जूटके ईकेस्हूर धडके ठेषाथ्या तेण अधार मा
यापुष बोलेमार र घिन रर विठ वै रखाड रागे
डपुग लस्सकरे रस्ड बे स्हस्म अबर व रतेल

वार ह्रांवरवरीयापेंचहजार सुषपालचवण
चौजीमग्राउ असवारहाथियांतणाआठचा
वादिलैसनगाधस्वमीर एकसौआरगवाअ
मीरषडबीयामुगजांइसांधार पेदजांहेदलं
नकौंपारसौगो विलंदमरहरूसनगयपोहरने
नाहरफैतेपाय नोबतवजायजालिनरिंद वि
रदावे विलैद रीकोयांदीयेकंमधजोराव सो
सलोंगजांकाबांपसाव सुलफकेरीफवेइस
दिलैस पटकरहुवारमनवारपेयू आहरांन

२८

दरीगेअनमलविकरतोर दलदवणीन
२२८० दीनकंयआमरीवाचदीध

ऊकंम दषणोंण्यारदीआदवाय ऊरसोणथ
टसूणदहलबाय सुरतांण ग्रहणमोवणस्रक
ज दईवांण अन्नकमरयराज जसकरेएमऊ
तियांणजाप मेहरांणजेम गेहरांणमाप दावस
घण वांकाऊरेण जीपसी अङ्गुंरूपघणजेग
गाकलीकेईसुणलकेतयाव, पावलीकेरेल
वांपसाव वेतगीतासमुखिरलोकव्यांत गो
गवेतचतुखिरलोकजांतं इणविधउजास
गुणअपार सूरजप्रकासरो संतसार कोरद
प्रकासमुजराजकाम रूपग्रंथ विरर्च
मारनोम महाराजनिवाजसउचमल क
राजरीजकहियोकरल जपांआसीस
मजोड़ कायम अन्नारुरपगुणांक्रोड ॥२७॥

ऊकम दषणां णथ्यार दीआदवाय उरसांण थ
टयूण दहलबाय सुरतांण ग्रहण मोवणयक
ज दईवांण ॥ अनकमरथराज जसकरेएम
तियांण जाप मेहरांण जेम गेहरांण माप दाव
घण वांकाडरंग जीपसी ॥ अतुंरूपघण जं
गवसीकेई गुणबकंठयाव पावसीकेरला
वांपसाव वेतगी तामस थिरलोक थांत ॥
गवेतचतुथिरलोक जांत इण विधउजास
गुण ॥ अपार सूरज प्रकासरो संतसार कीरत
प्रकास सुजराजकाम रूपग्रंथ विरचीयं
गारनाम महाराजनिवाजसउचमल कवि
राजरीजकहियोकरल जपां ॥ आसीस
म जोड़ कायम ॥ अनुरूप गुणांको ६२

अथ स्वारिका: यथा स्वे

अथस्य गति चित्र: चित्रनव नां उकार

करी रंग हरि क्क इंड दी मृग चिव

र अ बड़ छवि पुरन ज्ञिव तउ तरन

बीजु जः जव प्रेम सरद निस कंव= कुच

वि क र गिर सरि सहज सह वन

ति जंघ लंक पग दन ना व तर

रमन राधा कार्क मिलो पिय कवि एरस

माली यो बमसाहि पोबघले कुमपालीयो जिण
गुण किमजाय अतिघण वृवे ही अजा
सुदेह मनमोहि लागी मुगध निज आज
ह वारव दु किम्बाल्लैरे माहाराज रेक
॥माहाराजदी ओमने कुलमहलभैक्क ॥
उगताजीरोकस्यो

न ३- हुतां वैसा- ४२

दाधिजांणलाषदन कीधेराजाहुउ २ अहारक
रणकुंआसियो बांकीवांकी पग अपडेफुउको
आवषा गजबी एकहाथस ४ चंकक हाबातेंकेहे
उसपगतचितओन मुरूउमोनतजिवलिआषि।
मोनकं प्रयन मोन पुक विरहा।। विद्याजोक ह्वेवे
आरवेदजूके जो नन वारेनाम जोकह्वे तो हरिन
मन हरनारेहे। धाम जोक ह्वे तो कामजेयोजे थ
निरधाज मोनसिं हुनकेयमे दच्पसारेहे। कवि
ताक ह्वे तो आज अपस्योरिझावेकोंनहरबल
रीतमैंसुं लागतक विस्मारेहे गुमोनजूके नेदमें
नसुनियेरुजमेरीतेडलसुपमाजूके अबर सु
मारेहे।।।। तमाकुरेगोिलटो। अनाचप
मिगरीवरोबोलहो मे कपावे स्नाप।।।

॥नागरकनाइपैंबालाचलआइआववातजे
हमारीन्यारीन्यारीचितलाइयें।पानदेरगोद
लेहरनाकनवहिरायमोतीरुपाननकीपातर४
ऊतासपप्यासपाईयेंदा३चैसैफरोषनबैगरिमे
हि७चजोरतवंतनाहरतसेऊजाइयेंणनाहिए
कवारि१ऐसोऊलरसबऊनक्लेस्करहाजोति
हारीलालऊकंतसराइयें।१।होतीपतझारमे
रीहोतरीयंनारआलीकोऊएकआंबनकोमो
रलषपावत्तो।फूल्येंफलदेषकैसेंरूलतोनहं
मेंईसवारिधऊंपारतेंपरेवाजिमधावतो।कोकि
लाम्रमरबोलसहितोनपरायेंदेसकोऊहेक
तोनतोहोरीझकोगावतो।आजकालउनेंदेस
म्रवरेंरुतहेतआलीहोतीवसंततोहमारोकंत
आवतो।१।

॥कालानेंणकरूर औल बिचारा।जाअसना प
लिटकस्थी।२ आजवलोंअजमाउवत १ क
विताः॥सोनाकोसागरकिंधुमदनज्वीनकीने वि
धिनाकेआगेंलुधलागतस्यहउहे देवतस्त्रिया
कोपुषरहतन एकोस्तुधनवलाकीजोवनआ
गिकरबोलहउहे एहोरजरोनिबोउसकोकि
लायिवोनिधनलागआंनीताकेउमप्रहउहे
भावोकरपीवोकरसुगानजुगजीवोकरदेवो
करदस्ययहत्तोधरमकी१हउहे १आंसु स्व
कीनीरकेतेमेंजनसरीरनिल झिलनकीधुनि
नितपावोनिये बैठे।नेंनस्केकसोरेकरपो
भकेंदस्यकीपदरदनकापिउीकंज्बीवम
परेपउे।पोनपोनझोनतानयगणतजोहे।सु

षत्रांन दांन हीय गो निश्रांन आपरे षठे। याग
रकें कत्यो जाय एक दिन ह्तें आय प्रेम की फ
कीरी कीत माफगी री देषले ॥१॥ श्री कृष्णजन वंउ॥
श्री गणेशाय नमः॥ तंनमामि पद परम गुरु कि
सनं कमल दल नैंन। जग कारन करुना रनव
गो कुलजा के अेन ॥१॥ नाम रूप गुन त्रे दजे ते
र प्रगट तसब गोर तिन विन तत्व कछु अंनक
कहि गुं अति वड बोर ॥२॥ उत्कृष्ट स्पिक तन सं
सकृत जाम्यो वाह तन नांम तिन लगि नेह स्तु मति
यथा रच तन नांम की दांम ॥३॥ गूथन नाना नाम कैं
अमर को सके नोंय। मांनवती के मान पर प्रि
ले अर्थ मिलि आय ॥४॥ स्व श्व वक्ष उर पीय के
निरषि आपनी जाय ताते उपज्यो मांन हिय।

वलीचातुर अली आतुरदेषिदयाल॥११॥धामनां
म॥ सदनसद्म आगार गृह गेह विस्मसंकेत लय
न धिष्ण्य पद आसपद आलय निलय निकेत॥१२॥
मंदिर मंडप आयतन वसति निकाय स्थान भुवन
२० नृपभूपन नांन के गई जदपि जीजोन॥१३॥स्वर्णना
म:७। कांचन अर्जुन कार्तस्वर हेम हिरण्य एकवर्न
अष्टापद हाटक सुरस सातकुंभ हरि स्वर्ण॥१४॥जा
तरूप कलधौत भनि चामीकर तपनीय रुक्मं
डरोदन कनक महार जतरमनीय॥१५॥जांबूनाद
२१ कीनीत अरु मानक गविविबदेत जहितहि
नरनारी सब काइ कुकि कुकिलेत॥१६॥रूपानाम:
८ रूप्य रजत उर्वन भनि जाति रूप वजूर ५ रूपै:
कांमेसार तहाँ रूप कुवनतें इदा॥१७॥उज्वलनाम

।६॥ शुक्लं शुभ्रं पांडुर विसद अर्जुन सित अवदात
सेत मल्लतें वी अदा करत घरा आपो वात ।१७। कोना
नाम ॥७॥ नाम्नां जसो नाम ना स्वेघ मध परमा कों ति
।। कुंदन परत बविनोनकी सुरस्तूलत दिविन्नाति
।१८। किरणनाम ।।। अंशु गभस्ति मयूष कर गो
मरीचि वर्तजोति रस्मि उपर ससि सेसिस्तर की जगम
गजगमगा होति ।१९। मोरनाम ।८। नीलकंठ केकी
बर्हि सिषी सिषंडि होई सिव सुत वाहन अहि न
दी मयूर कलापी सोइ ।२०। नाचत मोर ए वो ब्रटा
विवदि अतद्विगिरे अनंद गिन गिन जहरु क पर
हि म्व नीरद नंद नंद ।२१। सिंहनाम ।९। केसरी रवह
रि केसरी कंठरी क हरियक्ष मृगपति द्विपी आघु
मि पंचानन पंचनखो ।२२। सिंह रूपी रहूप नों नकी

॥८॥ शुक्ल शुभ्र पांडुर विसद अर्जुन सित अवदात
धवल लै वकुल ठंवी अरा करत घटा यों वात ९ सोन्ना
नाम॥१०॥ जातरूप नासोनाउना रुकम मापरमा कोति
१॥ कुंदन परत छवि नैनन की सुरभू लत द्विविनांति
१०॥ किरण नाम॥ ११॥ अंशु गभस्ति मयूष कर गो
मरीचि विवस्व जोति रश्मि टपरसि सेसि सूर की जगम
गजगमगा होति॥१२॥ मोर नाम॥१२॥ नीलकंठ केकी
वरहि सिखी सिवंडि होई सिवसुत वाहन अहि न
वी मयूर केलापी सोइ॥१३॥ नाचत मोरा रण अटा।
शिवदि
हि नव नीरद नंदनंद॥१४॥ सिंह नाम॥१५॥ केस
रि केसरी पंचरी कंठिरव हरि मृगपति नखी पीआ पुं
नि पंचानन पलनद॥१६

सहचरि पोहचीजाय अतिसंघट नरटनिको
वाढीनई लजाय २४ अश्वनाम ॥१४॥ वाजिवाहतु
रंगहय सैंधव अर्वके कान तरल तुरंगकी जीर
अति नेकन पैये जान २५ हस्तीनाम ॥१५॥ हस्ती
दंती द्विरद द्विप पद्मी वारन माज कुंजर इभ कुंभी
करी स्तंबेरम दंताउ ॥२६॥ सिंधुर अनेकप नाग हु
रि गज सामज मातंग इतनोंयें द्विप मतवेर रंजतन
नारंग ॥२७॥ अष्टसिद्धि के नाम ॥१६॥ अणिमा महि
मा गरिमा लघिमा प्राप्ति प्राकाम्य वसीकरन अ
ईसिता ॥२८॥ अष्टसिद्धि के नाम ॥१८॥ ये जु अष्टसिद्धि
कष्ट करि सिद्धि लहत संसार तेई सवनों तु कवारि
के दासनु हरनहार ॥२९॥ नवनिधि के नाम ॥१७॥ मह
पद्म औ पद्म कुनि कच्छप मकर मुकुंद शंख खर्व

अरु गीलंदक इक कहियत है किरंदम० एनवनि
भयान गति मैं काहू विरलै दीप सोया बखानराय
[illegible] नजिपारनिनी पारमोद्दातां भए० मुक्ति
अमृत कैन्न त्युति छाउ नर्न वै अपवर्ग निश्रेय
सनिर्वांण पद मल सिधि करि स्वर्ग जिस मुक्ति के अभा
र एकारकी महिपे यत वितुयौ० तेंट्टप नांग की वी
रै हुन्कि पापत पांवर लोग २० राजा तो माट्टप नैरे
सरस्यांनत्त अधिपति महिपति नृप राजा पंज
मत नांन वलि के मना अनूप भौ इंद्र के मं २१
मक शतकतु शचिपति संक्रंदन उक्रकृत
कौ सुनासीर पुरहूत मघवा मातलि सूत ॥२२॥
जिष्णु पुरंदर सुरपति आखंडल हरि पाक २३
सासन० ० ४ नृप नांन तें कोरें इंद्र राक ६

देवतानांम॥२१॥ देव अमर निर्जर विबुध सुर सुम
नस त्रिदिवेस वृंदारक विचांनगति अनिमिष
वृतेका॥२अ दिवषद लिपा बर्हिमुष गीर्वाण आदि
तेय केवल देवता॥ ४ रंजे के हैं तहां वे केवणि
पुरुंदा अमृतनांम॥२२॥ सोम स्वधा पीयूष अमृत
आंदराज सुस्नोग अमीठ तहां कां कर कथा म
तरह सकल लोक प्रथा॥ चाकरनांम॥२३॥ विधकर
किंकर दास सुनि अनुचर अनुग पदाति ॥ दस
फिरत जहां में नेस्से व विवरसी नही जाति ॥ दासी
नांम॥२४॥ चेसा दासी किंकरी उंडुरी सरति जु ये
रूप राजति मनिमय अजिर में कौरवधी कोर संगी
मननांम॥२५॥ स्वांत हृदय मनमथ पिता आत्माभों
नसनां॥ मन इसों कीं चेषि हेरी जीतरि

किहिविधजांतां॥२४॥अंजननांम२९ कनकगांज
पारुलपुणीनामदीपतुनतोर कुंकर्क अंजनै दि
वजी ताछिनिरवि कीयपर२ हिरनांम॥२३॥निसुनांम दे
कउनिंकिउसि हर्णे दिएहिउ छोन सकाचीतिनते
उवेथिजउ नूपनवनैकि मैनल८॥मंगलनांम॥२०॥
कजभेगार की नीमउशि जो हितं अमहीनाजं ८॥३
उमातफलंकेतिनवनि मानकमंगलमानल उन
नांम०२॥उरुनांनाम विक्रमकवि अनुपउरो हित
नांम॥वनेजगजनी तीहुवन मन डंतुकरन्दी उमज
कीतीनांम२०॥३ारिमितानी ती उलंक जननांमीप
सुतनांम पुरा ताउवेदन माजउ विहपेंमुंदरमांम
॥२१॥लंदमीनांम२१॥श्री लक्ष्मी पमाजंयाकमल
नपजीलियं सिंधसुतांमा देहरा विसुवलमांयो

६

४७ जाकी नेंक कटाछ ते सुखी सबै जग भाय।
सो लछमी ब्रजपाल घरि आप बसी है आय ४८
मातृनाम ३२ अंबा माता पित्री प्रसू जनयत्री माता-
म दुजन निंदु राधा कें वरकी बेरी मदन अंगम ५०
नमस्कारनाम ३३ वंदन प्रनति नति अभिवं-
दन करि ताहि सकुच अली आगें चली जहां
ऊर्ध्व स्वर आहि ५१ पैंडीनाम ३४ आरोहन अ-
रोहन उनि निश्रेणी सोपान ४ मनिमय सीढ़ी चढि
सखी लखी न कान्ह ओन ५२ पुत्रीनाम ३५ पुत्री
दुहिता कन्यका तनया तनुजा है सुता दुजहं
वृषभान की तहां गई सखी सोई ५३ सेजनाम ३६ क-
शिपु तल्प जा शयन संवेशन शयनीय ६ उ-
च्च फेन सम पय फेन परि बैठी तिय रमनीय ५४

अथकविनक्रमाक्रमः॥ धिकमंगनविनगुनहिंगुनदिधिकसुनतनरिझे रिझसधिक विनमोज मोजधिकदेतसुबिजेबिजसुधिकविनसाच साचधिकधर्मनमावे धर्मसुधिकविनदयादायाधिकधर्मनेःमोटे अरिक्कआवे अरिधिकजुचितनसानहीं विनधिकजहांनउदारमतमतःधिककेसवज्ञानविन ज्ञानसुधिकविनरहरिनजन॥२॥हरिनारनराको तस्कंधोयंतवबाधांति।नमेस्कंधोचबाधंतेयथाबाधतिबाधते।१ नपुंसकमितिशात्वात्रियायेप्रोषितंमनः यतुतत्रैवरमतेहतं।पाणिनिनांदरी॥१॥

।।कवित्तछप्पै।चवदे विद्या रा नांम॥ब्रह्मग्यानचा
तुरी बांन विद्या हयवाहन।परमधरमउपदेश्रव
कुवलजलअवगाहन।सिधरसायनकरनसा
षिसपतसूरगावन।वरसंगीतग्यांनन्रत्यव
जित्रवजावन।व्याकरणपाठमुखवेदध्वनीजो
तिषचक्रविचारचित्त॥वैदिकविधांनपरवीन
ता।इति विद्या दस्सच्यारमिता।१। छतीसपोनक
थनं।। सीसगरदरजी तंबोली रंगवाल ग्वाल
बाढाई संगतरास तेली धोबी धुंनीया।कंदो
ईकाहर कावी कुलाल कलाल माली कुंदीग
र कागदी किसांनपबुनीया।चितेरा बिधेरा ब
रीलषेरा ठठेरा राज पटुआ छपरबंधताईना
रडुंगीया।सोनार लोहार सिकलीकरहवाई
धिवरचमार एई छतीसपवनीया।१

कुमनानाम२०॥सुमनकुसमप्रसूनउनि पुष्पफ
लपितानाम। फलद्रुगिंभकरलूरलियें अविसों
भिजतिनांम॥५५॥तकीयानांम॥२॥उपवर्हनेउप॥
धांनभुनि गिंडकऔदउबीर मुडलउसीस५७॥
वंगिके वेवीमानऔनीर५८सुषमांम२५ आस्य
ल[illegible]न आननवदन वक्रतंड व विनोन५ सुषवर्ण
इक्षेजातयोज्योंदर्पनसुषपोन॥५७॥केस्यनोम४०
केसमिरोरुहचिकुरसकचकुंतलललरिसुमुलर९
असकौलजितनललाटजन्तु चंदहिमाइदारा५०॥
लकेभाष॥नालललाटस्तु अलिकमथिरवेदीव
वीजराईमतुनागमत्तिलाललंते वाहिरअगरीअ
ई५९रेवईनांम॥५१॥वांनंषकंकं वितकडिदे
दिनीको ६४ निरोरमनक्रभातजतजानपरवंध

सचारतजोरा।८०। चकरीनांम।४७।। दतदानूंकरीं
करिलेनोहसतरकरनालं।२।बङ्कतकालवीतेत
नकूंबोलीबालरसाला।८१।नेत्रनांम।।लोचनअं
बुकंचक्षुहग नेत्रदूप आधीनं कऊंरिसरीते
नयन७जनुजावकजोनेमीन।८२।कर्णनांम।श्रु
तिश्रवण३निशाङ्कसहकोन४बुन्नीबविनीरकंप
उकवीजनुरूपविचक्षणीसखिसुखतीरा।८३।
विनसीनांम४३विद्रिङ्कंजगीमीनहोमस्पाघा
ती४कोम केसरकुंउरकीजुलटमांनूंकविम्हौ।
को।८४।अधरनांम।।६।।विनलै४उगिरल
बहूंअधरमधुरस्च६आरलिषलिषकर्केहा
थकी किलकतषक्केजोई।८५।दंतनांम४।दस
नदंतद्विजरदनरद५योंइहकरैतेगजीजओप

२जनुकमलैमे शीतलविन्दुउवीजै६६छिद्र
६स्यांमनीलमिचकविन्दुक४असित
मतुंरस्यौलेअंबकी पुंहपरि
मेंना६७ा२६स्पतिनांमः५णमिषणसिवं
फिजओगिर्र गिस्मगुराचार्यउर्ध्वजीव७मेघ
६८स्पतिंशशि तेरेंउदितनीबोरीसौव।६८कंव
नोमः५ा।गलनलकंधरग्रीवउति कंठकंपोती।
पोन६पीकलीकजहांकजमलत सवठविकीग्री
ओंन६५हाथनामः५र६स्नबाहुभुजपांनकर५
कबजकंधरतकपोल वस्थ्रथविंदविहायजनु।
योवत६७अनिल७०कचनांमः५२उरजपयोधं
२कुंचजरजोंतुउरमंदन५०विश्रेन कंचनसंघट
देवता सजितपाइमेंन७१आवलीनांमः५४रोली

अवली ओलितति रोमपंक्ति धइ हार
उततिं कलमजत ७१ ७२
टकानाम५५ रस्नाकोचीि
झाल बुहावलि ४ जनुम
ल ७२ तरकस नाम: ५६
धूरनतिषंग
तुरंग ७४ नूपर नाम ५७
कोटिमंजीर नूपुर पम
करत अधीर ७५
कूलपर अंशुक वास
पजनु ८
लस अहिवनिद
नषाति अनपात =

आरसिनामः ८५ प्रतिबिंबी आदरस दिन मुकर २ स
करते लेइ नैननमें पियफल कलपि नारिका रि ८४ न
दई ७ व्यीनानामः ८१ तंत्री वीणा वलिकौ वेकरं वि
पंची ८ आहि जंत्र व जावत मृह चवरी वक्र्यो वरजत
ताहि ७९ सूवानाम ८२ रसों चंच श्रेककी रे ३ नि सु
वा ८ पत्त पियनाम तिहिं जिहिं राम रएय है देत फर
मीनाम ८० ३ मसनाम ८२ ३ मं तिरोहित अंते रित सूप
उमूहे निलीय ८ छुकं अंजन महि ३ कियपि देषी
स ३ विधितीय ८१ जलनाम ८४ अंबु कमल कीला
ल जल पय ३ कबंध नवारि अर्ण अमृत जीवन तु
वन घनरस पकंरस पाथ पारि ८२ मेघ ३ पुष्प विषं वृतुष
कि कैवधरस तोय उदक पाण्य संबर ३ सलिल अंबु
कंपीव ३ निसोया ८२ पांनी ८९ नयन पपारिकें अं

जन होतो कीय अगरज्जइ पियकी सषी निपट ससंकि
तहीय ७४ ज्ञय नाम ६ फेर सोध्य अओ तके नय नीउ
द्विज उ नि चारित ७ वउरी फरती अबरी गइ कुंवर के
पास ७५ वृत नाम ६६ वरन वलन गति वंत उनि अंफि
पां दं पदं पाइ ७ पदं वंदन करि कुंवरि के वा ७६ अनुष
आइ ६ हलद नाम ६७ पीता गोरी का वैनी रजनी पी
नाम हलदी ७७ नो मिलत जै पं खुदैषी यत हेनाम ७
कोध नाम ६८ कोप रु कोध अमरष रिट रोष मन्यु तय
हिय गोह ७ नरी लषि सुंदरी फरी सबरी लीय ७८
समय नाम ६९ सो मंजु समय अने वय अनि मि
ष वेला काल वकी वेर ७ सरित न चिते स्वकबो
वाल ७९ नाम कन्नवनक सजनां मः ७० हेम अ
नाम यन्ज इन्न वं शिव संसुष कल्यान ० किंतही ज

तिकतुकअजलेहै तुबतिकुंवरीसकजांनं ९० अषीवचन
नामकेनाम ७१ संज्ञाओकयंगोनं तुनिंद्योमधोमतुवनी
मधअमीवस्त जिहिंदरसवलि जोयवहरनकोन ९१
स्त्रीनांम ७२ स्त्रीनारीवनितावधु ललनासुवतीनांम अ
बलाबालाअंगनाप्रमदाकौंतांवामै ९२ तरुनीरमनीसुं
दरीसीमंतनीजकयोय तिय १८ तेसी तिऊलोकमें स्त्री
विरचनकोय ९३ बालानांम ७३ अजकोमलजवेधापिता
कोराखतधृतिहिय सौपाचवुउरानननंदुषीण मिथ्याणडहिते
११ तुमसोय ९४ लैलैयतयवबविनिकों जितीऊतीज
गर्भकसोहिरविविधनानिउन बऊरयौकोगइबाक ९५
सुंदरनांम ७४ सकोगसकेसमवेधुरसुविर कांतकमनव
मनीयरम्यसकपेंसलेनेमवेरं दर्शनीयरमेंनीय ९६ तेये
इष्टहरउंवरि नागरनाधरपीय जोकरवीविधनान

वज ॥ कृशांत तनबाय ९७ सुधिष्टरनाम ७५ धर्मपुत्रअ
व्रजा ।। कृशांत तनबाय ९७ सुधिष्टरनाम ७५ धर्मपुत्रअ
जातरिपु कोंतेय जो कुरराव ९६ पतियुधिष्टर ९६ सम
अजातरिपु कोंतेय जो कुरराव ९६ पतियुधिष्टर ९६ समा
कुंवर तरे सोतनन्याव ९८ दीर्घनाम ९६ प्रेष्णुजपांसुपरि
कुंवर तरे सोतनन्याव ९८ दीर्घनाम ९६ प्रेष्णुजपांसुपरि
णाह ९९ प्रु आयतस्पृष्टिक्षाज दीरघ ९८ आयकमा
णाह ९९ प्रु आयतस्पृष्टिक्षाज दीरघ ९८ आयकमा
रतबलि कोकारनयेह बालक ९९ अर्जुननाम ७७ जि
रतबलि कोकारनयेह बालक ९९ अर्जुननाम ७७ जि
धनंजयविजयनर फाल्गुनकिरीटी हिर गुडा
कधनंजयविजयनर फाल्गुनकिरीटी हिर गुडा
केशगांडीवधर पार्थकपिध्वजसाय ।१०० अर्जुन।।।
केशगांडीवधर पार्थकपिध्वजसाय ।१०० अर्जुन।।।
ज्यांधनुधर अवधि तिहिं समआवरनहाय ६ म उवसेम
ज्यांधनुधर अवधि तिहिं समआवरनहाय ६ म उवसेम
अवृधिस्कुधराधी विरंचनकोय १ गंगानामः ७८ वि
अवृधिस्कुधराधी विरंचनकोय १ गंगानामः ७८ वि
ष्णपदीनिर्जरनदी निगमपदहरस्रूप धूनंदामंदाकि
ष्णपदीनिर्जरनदी निगमपदहरस्रूप धूनंदामंदाकि
नी जागीरथी अरूप रसुरसरि ८ त्यांयाजोकमपा
नी जागीरथी अरूप रसुरसरि ८ त्यांयाजोकमपा
पहरसुबकार त्यांउवकीरनसरितविय किंयपुनी
पहरसुबकार त्यांउवकीरनसरितविय किंयपुनी
कायानामः १९ कायकलेवरकुणपवउ
...तिन कायानामः १९ कायकलेवरकुणपवउ

देहआतमाअंग विग्रहउपधनसंहरण धामसरीरपत
गंधउवतन८१समसरिकरनहितकनकअगनिक्र।
पलेय कोमलसस्यसुगंधनहिंकोकविउपमादेइप
कमलनाम ८० पुंडरीक पुष्कर कमल जलज अब्ज
अंभोज पंकज सारस तामरस कुवलय कंज सरो।
ज इमकरंद अरविंद उनि पद्म कुसेशय नांउ क्योंपु
मनलिन ८१ मलीन कहु देषत हो बलि जाउ ८७ चंद्रना
मः ८८ इंदु सुधानिधि रकेजा अब्ज जीव हिमरोम ३।
शीधर हिमकर केरनि ३ण ओषधी प्रेश शशी सोम ८ कु
मुदबंधु श्रीबंधु उनि रोहिनिधव सुरपेय उम्हराज द्वि।
जराज हरि लोम्रगांक आत्रेय ९ चंद्र २२ कंजा जिम
चंदतेरहातिनमारी होय यो ८ वजी कति बाल उहि कहि
बलिकारनयो ९० कामदेव नाम ८२ मदन मनो

वेद्रार स्मरमन्मथ उतिमार मीनकेतु कंदर्प अरु दर्पक।
विरहविदार ११ उकुमचापं मनसिज अनंग संबरदारन काम।
दुपतिसा रति रुति रहति जिन इम उहिंदव तनाम १२ उमग।
तांमः ८२ मधुकर उभमर द्विरेफ अलि अनिल सलिल पुपनृ
ग चंवरी टरारट उन कीजाल यसारंग १२ मधुप मधुट तम
धुरसिक इंदीवर मधुचार १७ कृमर विनान केतक कलुके
तकविनान नोरद मेघ नाम ८ धाराधर जलधर जलद
जगजीवन जीमूत अभ्र बलाहक मुदिर हरि काम कध
मसदूतनीरद दीरद अंबुवद नारद जलमुक नांउ घ
न१७ विद्युरी विजरी मनोरम रैपिवलिजा उ१ बीजली।
नांमपुः स्तणरू विबटा अकालकी तडित चंचला जोहया।
धांमनी दु विनान घनवैन घन विद्युवनन साय ऊ सनानां
मदु दूतनां धुजनी वाहिनी वरूव रूपिनी अनी। सेनाध

बिनानन्नृपतिकहु नृपविनुबैनैनसेन१८ कामानामन१७धनुकी
रंन्द२यौंम६ निकार्मुकरिउसंताप चाप६ विनानहिपनचकै
नुपनिचविनानहिचाप१९ प्रियानांम८८इष्टांदयितावल्लभा
प्रियाप्रेयसीहोयं पियकैतोसी१००यनीदुओरनदेषीकोय
२०लतानांम६८ व्रतती विसती वल्लरी वीरुत्तंलता वितानं घु
अमरवेलिजिमफूलविनुयों दैपतिउववांम२१ मित्रनाम९३
सुहृदमित्रवल्लभनसंषा दयितइष्ट प्रियषान७ हरिस्नेहंप्रीतम
सोंकवरिनकरअकारनमांन २२ पुत्रनांम९४ सूनुंअपत्य
आतमजअंगजतनुजतनयपुत्र गान७ नेहकैनंदगो विंदजैं
नकैरिनर्फकीबात२३ मनुष्यनांम९५ मानुष्यमर्त्यमनुष्यंनरं
मांनवमनुजंउमानव नरजिनगिननंदनं हकौ हरीईश्वरजग
नांन२४ तपस्वीनांम९६ रिषनिद्कनकंतापसजति अत्रीमुनी
जनध्याहिंयोगीरनिमजवितरकरी नितहिपोजततांहि

२५ वेदनांम: ९४ आम्नाय स्रुति वेद छंद धर्मसूल सब का
म निगम आगम २७ जा कों कहें सो ए रूंद ध्यांम २६ अकृता
म ९५ सेष महा ऽहि सपति धरनीधर तऽनंत सहसवदन ३
करि गुन गानत तदपि आवत अंत २७ धर्मराजनांम ९६।
वैवस्वत नर ईस धर पितृपति रवि सुतहि य संजमनीपति
महिष धुज समवर्ति उन सोय २८ अंतक काल कृतांत
यम ११ जोग जातें करपंत सो उवपि यञ्जनंगतं थरथरथ
र थरकंत २९ कुवेरनांम ९७ सुर्माजन स्वर वैश्रवन धन
द एलविल ह्निय गुह्यकपति त्र्यंबक सषा राजराज पुनि सोय
३० नरवाहन किंनर ऽधिप कृम्याधीस कुवेर १२ सो उवपि
यं पद्म परयंक ऊं पावत नांहिन वेर ३१ वरुणनांम ९८ वे
रुण प्रचेता पासपति अपपति जल त्वेचर रूस याद सपति ५
उवपीय के धरत नतरन परयीय ३२ देवीनांम ९९ उमा ए

ईस्वरी गोरी गिरजा सोय हैमावंतिका अंबेका नवांन
ानी होय २२ आर्या विनका अंजा सर्वमंगला नांम माया १९
जेह आधार जग विस्तार तहिं नांन २४ गणेशा नाम १०० लंबो
दर हेरंब ग्रुतन द्वैमातुर एकदंत मूषकवाहन गजवदन गनप
ते गिरिजानंत २५ कोटि विनायक ७ जो लिषाहिं महिषे का
गर कोट तोयाते रेषिय गुनतनक न आनेतो टि ऋ जन्मन
१९ नवेउ त्रवेउ हमजनन जनि उत्सति जे नांम ८० जनम स
फलतव होजवे नजीयें सुंदरी स्मांम २७ सषीवचनवंचुकेनां
म स्मा जो जिह्लै केतवं ऊरिजं बसी क्षरपहि जीजे कप
टी ८ को नारऊं वरस्की केती कहून जीजे २८ सषीवच
न श्रृंग के नांम २९ नो हिरनं वा तांयु टषत हरिके रंग मंऊ फ आ
हि श्रृंग ८ शिष्ठ के ये हग लीयें कह इतो इत राहि २९ पाम
नांम ४९ नर हजिनंऊ ऊनतंठरित अघपलीनमयिपंक क

मेन
का
क

काव किल्बिष कलुष तमक स्मल समल कै जेवात
लव किल्बिष कलुष तमक स्मल समल कै जेवात
पा १६ महावन ददव जाको संचक नाम ता ऊं उंक पंकी कहत तो
ह्मिक हा क ऊं नाम ५१ पाषाण नाम ५ ग्राव अस्म ग्लस उपा
ल सिल पषान अति नार पांहन ७ पानी परतर जाके नाम ७
धार धर नार नाम ६ उडुप पोत नाका लव कु तरि वहित्र ज
लयान नाम नाव ७ वंदिजन उदधि के लेत रे अजान धं
धिर नाम ७ शोणित अस्सु दरकु निकधिर अस्क धतज
त लोही ७ पीवन हलना सत न रहे गात धर रागन नाम ८ कौ
लप अस्क षड स्वजन निकस्या सकत लौं ८ कबरि असुर
निरा बरा जा ऊं षीन क आह ५ अग्र सेरा द्रुम ११ पात की
में द्ली गति हीत उलट समानी पीयम परगट जाको जांतर
द ध्रुव नाम ८ ध्रुव ध्रुसरी बहरज पांशु शर्करा ६ जा पय
कजर सु को ७ बालत यनक यनं ६० ७ महादेव नाम ८१

गंगाधर हर सूलधर शशिधर संकर नांम सर्व शंभु शिव नीभनव
गोरीकांम स्त्रितांम ४८ त्रिनयन अंबक त्रिपुरअरि ईशान मा
पति ब्योमजटी पिनाकी धूरजटी रुद्र वृषभधुज सीयंध ४९ वृषंकप
दी न्रृपतेति मृड ईशान नीलकंठ श्रीकंठ सितक
ठ सकल कल्यानरूप ॥५०॥ महादेव सै देव बलि जा को धरत
धियांन सो कपटी उमक हत है केदे कब जस यांन ५१ सूर
नांम ॥ देव दिनंद विनाकर तु दिनकर नास्कर स्यंय मिहिर
तिमिरहर पद्मकर उस्नरस्म तिगमांसु ५२ अभ्र विरोचन नमा
रतंड विभावसु त्रय अंग अंबरमनि दिनमनि तरनि सविता
सूर पतंग ५३ विकर्तन अनुषमगभनातु इन विवस्वान उतिवान अं
शुमान रहस्व हरि जगचक्षु नगवान ५४ रवि मंडल नव वं
श पव वंदन तमससार ५५ सो को ह्लस्कपटी । कीयो जगज
न्म आधार ५५ छ्रुव नांम । २ मिथ्या मोटां मृषा अरत वितथ

अलीकनिरत्य ३ अैसैंप्रियसंजात्रबजि न्यांबोलीयेति
रस्थ५ ६ समीपनांमर ऋ अंतपार्श्व उपकंठतनट ३ उपसमीप२
ज्यास ३ अवसि अनादर लियजो रहे निरंतर पास ५ ७ चंदना
नांमर ४ गध्रुसार श्रीखंद है ५ मलयज नंदपदीज नंदन है कुं
डधनकरत मलयावासी नील ५ ८ मीननांम १ सफरी अनिमि
ष प्रथतिमि झखु रोमांपाठीन मकर २ उद्र ५ अंदनन वमार
गकन मीन ५ ९, नीर समुद्र में मीन ज्यां रहत चंदढिग आय।
चंद हिय मंदन जांन है जलचर मांनत ताहि ६० समुद्र नांम १ ५
सिंधु सरितपति झालिजपति अंबोनिधि अपार २ रावान अ
र्णव उदधि सागर अवधि अपार ६१ रत्नाकर २ ५ गुन रूप के
मोहन गिरधर लाल तिहां मिलें व्रमकि लालियं यांन नाति
यंबाज ६२ वानर नांम ५ ७ कपि साषामृग लजीभुप कीस ब्ल
वगलंगूर वानर ९ करव रनारथ्यर ६ यांनि वीनाः कर ॥६३॥

नायकम्वचनम्बजनम्नामद०।रोहिणीय्वेजम्रजेबजसंकर्ष
णबेजरोमनीलांबररेवतिरमनमुसलीपाजककांमद्ध९प्र
लंबघ्नतालंकाउनिजमनानेदंवेति तिहंहजधरं१२केवी
क्लोंकितीवमाईदेतद्वसपीवाक्यद्य्स्थीनामद९स्थवीक्षि
तिसोतीक्षमांधरनीधात्रीगाईउर्वीजगतीवसुमती वसुंधरा
सर्वसहांइदुद्ध्यचलाविउलांसागरांधराउवराहेलाइगोत्राञ्ज
[illegible]

[illegible]

णधुगतामधंजलगंम्रतुगविशेषाशेलापुष्पानंकर्ण
मार्गणनाराचंइउपत्रीशोपणंपांद०७०सायकश्रधायषि
रायउनिसमरिशरारमिजाय वचनतीरकीपीस्ब लि

निट हिन जो तुग जांइ ७१ अग्नि नांम २१ पावक कंव कि दहन द
जलन धनंजय होय शिषी विषभुधं वायु सष वीतिहोत्र त
सोय ७२ जातवेद जजजो निहरि हहजन तु विज्ञानतु अग्नि
विन्नाव सक्षमधज निजरजिह्व कृशानु ७३ अग्नि दग्ध जेतु
मजता फिर दल झज हिदेत बचन जदग्ध जो हिय वलि क
वज्ञान अंकुर लेत ७४ धूप नाम २२ धूम्रधूर्जनदधूकेन
ज्ञंक तुक वदरोष पुरषा जन जानेकछ मनिजेसे कपिकं
७५ पवन नाम २३ श्रुती कयज को विदनि ज्ञन दण श्री
णनि प्रात पटु विचक्षन नागर चेतुर ११ जानतरय की वात ७
६ अपराध नाम २४ अंह आगस हेलन हित औगुन जो॥
हियपीय कृपवांह ज्ञराकिये योनन्नाकीयेतीय ७७ स्नेह
नांम २५ दोहद हार्द स्नेह हित प्रणय राग अनुराग कितमो।
तेरो प्रेम ७ वह हेमा मनि वदनाग ७८ पर्वत नाम २६ अगन।

१२स्वतंतरीरत इंगीशि परीहियं शो जशि जीवयंगो वहरि
अवेज अरिहंतनसो यअ ४१ गिरा४१ गोवर्द्धन वांमकर धयो स्या
८५ निरांमतो उरतें वृक्ष कथ की अवजों मिटी तनांप ८०८ स
पनांम २२ जगनांम पत्त गंउरग जिल गंनो गीं अपहिरिंय
१२ स्पवक्स श्रव काकोदरगरद पदि २ आसी विषरंधरं फनी
मनी विलेशय भालंच की दर्वी १ पूपा बिलिकेवजकाले
ज्सकालीरू ८ हिगंजनयमें मेराष.
रत्नतां निरविवके जगमांहि

कंब कांतार अ...
...असुरनांम
...अयंत मायारूपी ३ रैन दिन मोजत उठ अनंता १९ ६.

संध्या नांम ३५ संध्या निसमुष पित्रप्रस्त्व सायंकाल प्रदोष सांझ है परी है ॥ जे अब गादिरोषकरि तो ॥ ८७ विषनाम ३६ गरल हलाहल मृत्यु विषकाल कूट रस मारे ॥ ये विषघनघोर बनि चलि अनकर अवार ॥ ८८ पपईयानांम ३७ काजक बधात स हरि चातक सारंगनाउ घनसोंसबै पपीहरा दिना हिनवे ने बलि जां ॥ ८९ मनोहरनांम ३८ मंजुल मंजु मनोज्ञ सु नमधुरसोरूसुक पार जजित उदार ॥ सुनंदको सब त्रा जको आधार ॥ ९० सौमनांम ३४ सोम्य वांम चरंमु मुष्ठ नि प्रियहृदय ओ प्रसस्त पुसंहरनंदकियोरपरे बलिबिश्व समस्त ॥ धननांम ३५ द्रविण स्व वसुवितब जराय अर्थ स्वपत्र ओ के धन रेजे तो ब्रजनंद को तितेनही तिकुलीष्टु रु नायका वाक्य गनिकानाम ३६ दासिदासि जनिका षजाइ ... जीहोइ रूपाजीवा कामुकी पण्ययोषि तासोय ९६

यारवधुजगवज्ञमांकहतसकमजीजाहिं२ पुंश्चलीनारकिन
बोहहि पाकोंगनिकानांहि४८सपीववचनपतिव्रतानांम ४७सा
ध्वीसतीपतिव्रतनीसचरित्राक्षवाहीयं पत्तिव्रताइ६उवनांम
लेहितिजगतमेंतीय४९पार्वतितानांम४०उमाउपर्णाईश्वरी
गौरीगिरजाहिय शृडांचंडिकाअंबिकान्नवानचानिसो२
५६आर्यामितकजांअजांसर्वमंगलानांउ शिवान्नइ शि
ववरवधी७जपिजपिउंबलिजांउ५७कृपानांम२६दया
मयांकिरपाहुणअनुकंपांअनुक्रोसकरुनानांसुरकरुन
निधिराधिजनकरिरो४८ष्मत्तरवारनांम४९ रिष्टकौक्षेयकृपा
नअसिमंडलाग्रकरवालषगऽजेतेतेकहु धावक
रनकैलेबालं८९रात्रीनांम४४हितदातिपातमखिनी त
मातमिस्राहोय निशिंसर्वरीक्षिनावरी रात्रिविभावरीसाय
२०० सुवदंतिसुहणरस्तीकेसीजामनीजाति

जिमि हिन जाल जैपें कनै वैवी इतराति ॥ नीचा नाम ४४ ॥ निम्न
संपगकुब्ज अध अच अजरा कीपान नीचैं ॥ नारन नारि
बजै नैक कल्लो तो मांन ॥ अकास नाम ४८ ॥ अंबर उंघ करन
नभ वियत अंतरिक्ष घनवास व्योम पद नंत विहायसी स्वार
मग रवं आकास ॥ गगन ज्यो ॥ फगन रं भवन रहे तन कहु ।
होत न रोष देषन तेरो रूप जातु सुरतिय कियै करि बंध
न पनां नाम ४४ करज उडनन विनपनंन नषथ हरं गन्नी नीना
मक बकी ब्रिति हिंजु षन त हैं न ही न षन सों कां म पयुद्ध
नांम ४५ आयोधन रन आजि मृध आहव शंक समीक
संपराय संगर समर संयुग कलह अनीक ॥ सुरत युद्ध
जब पीवसुं तो हिव नै गो नांम न बना रावन बिनु कंवरि
कर हक हपरनां ॥ ५ ॥ सूक्ष्म नाम ४६ ॥ तब अल्प जव तु ।
सूक्ष्म तनु निपट ऋ शोदर तोर ॥ १ ॥ कछिक वि एतो मान संन

राम्रो हिकहि=ओरगमकरीनाम ४७ द्यूतां स्फत्रां माकंदी उ
तनाम ४८ उनिहेय कउं मतु मकरी शुल्फकरी पकरी विद्यासे
३५ मार्गनाम ४८ वर्त्म ज्ञु अध्वा चारणिपथ पंथ वरंप ट्टिंवि
हार मार्ग दैपत क्षैहेतर आउरनं दक्षपार १० द्विपनाम
४९ कन्यां काष्टां ककुभं दिशि गो आसा हरितु वोर वितत वृ
क्षे हेंपीयये जपां शशिचाहच्वकोर १२ नदीनाम ५० शरितां भु
नीतरंगिनी तटिनी ह्रदिनी हिम्य स्रोता अवती निम्नगा प्रगा
दिरेफांसो हरे शैवालिनी स्रोतस्विनी दीपवती जलमाल
नदा पक्कलं शनीरतट वेलैमदन उपाल १२ वृक्षनाम ५१ श
षी विटपी हरिक्षु उत्त अद्रिज्ञ पपादपंयोई वर्य हिंदली
पत्रीफली रुक्षोमहाजहातिय ५४ कल्पतरु तरु ५४ तल्पर
विकबकेवल पतपीयत दपिनते हिट्याक्रुउपज
तनिस्पिहाय ५५ पातनाम ५८ पत्र

षरकत तरुपात १७ तव आगम ऊधम कौ किकैं पियउ ठितत।
जौं जात १८ वायु नाम ५९ स्वसन सदागति मरुत हरि आशु
गजगत परांन अनिल फनंजन गंधवह नभस्वांन पवमांन
१९ तव तन परिमल परिसि जन गवन तधीर समीर ताकौ वकु
सन मानकरि परिसैं नतव जवी रहै २० शङ्क नाम ५४ नदंना
द निश्वन सवद स्क षरि मुष रित रह्यो व वेवं सीमें कहत है
ए प्राणेश्वर आव २१ उष नांम ५५ कदन विधुर स्पेकट उद
न गहन दुःख जिन उष आहि २२ दुष जिन दै अब जांउ व लिक
त वेदी अन षांहि २३ नायक वाक्य २६ राञी नाम ५६ निसि
निसीथ यो महानिस हीन लगी अयरात भकोंन वलें षपी।
सोयरहे जै हैं उव पस्नान २४ स्षवी वाक्य वज्र नाम ५७ आ
ष निकू लिश निघंति उन वैज वीजु री नाहि परो हु रै कै धा
म पर विरषम कै रै रुषमांहि २५ लाज मान ५८ ह्रीं जऊ ब्री

पिता बाबा पुतो गुनथांम तोपा [illegible]

नांम श्रू बिवाह्नाम पर परणतिनेराम [illegible]

[illegible]

आपव भय कादत्त्वरी मधुवाग [illegible]

विहा हाजा सिंधु [illegible]

तहि हूते रन्न [illegible]

तुपह जं मुनि [illegible]

[illegible]

६ घन ओक निकर निकुरंब स्तोम व्रज पटल चय संच
य निचय कदंब २० विसर निचय समूह ८० छंद यूथ व्रात गन
जात चक्र अनेत समाज वर्ग स्तोम ग्राम संघात ७१ के दल
जाल कलाप कुल क्रूट अनेक संवृंद ८२ भेउ अनेक वाते कहि
नइ ति वें की बुंद ८२ अति नाम ८४ अतिशय अतिवेल
लि अधिक अत्यंत निसंत ७६ तिसब न्है नलीन हल कहि
यंत अमंत आज्ञा नाम ८६ वच्य आदेश निदेश शासनि।
आज्ञा सासन योग ८७ आऊ स्नेहे ८ अब जाक्यु र जाहि रती
तके जोग ८८ तन के नाम ८७ देहं स्लोक ८९ ९६ लप रंच कं
मं दमन नाक ७ तद पिय ८ वरीत न च ते पुष्प कौ कुबरतना
क ३१ जूती नाम ८८ पत्रांण प द पीवि स्रों पान हूं जरी जर
य पन हीम न ह नाव हल आगे धरी विनाय ३६ अस नाम
८५ सो धुकम प विसाद तें २ व जोकुं व र ग ति मंद उ ज्ञा लजज

धरतेंमनों अवनीउतर्यो चंद३६९सषीवदनचंद्रकानांम
७० ज्योत्स्नांकोमुदिचंद्रिका मकरंमरीचीनांउ जोन्हि दरि
परस्यतगा३महि थोरोहसि बलिजां३७०चीचीनांम७१रश्मि
मयूषप्रतोलिका वकुरवीषिकाहियं४यहचीचीवलिजा
उंवलि जैयेंलषेनकोय३७१अंधकारनांम७२अंधरजोव
जतमिश्रतम ध्वांतकलंकरनीहार तिमिरउमिडयोमवज
नतकोवदनचंदउजियार४०३उपवननांम७३कृत्रिमवन
उद्यानपुनिउपवनसो आरांमंधयह३ंदवनवाम३व दिवि
वलिउविकिधांप४१वसंतनांम७४कुसमाकररितुराज
मधुसुरभीयहतुचम्यंतपमालीजगजुगवसिक्रर दिन
अविक्लसंत४२खगनांम७५द्विजशकुंतपंछीशकुन।
अंडजविहगविहंग वियगपतत्रीपंत्ररथ पत्रीपतगपु
तंग१ं खग४४ठांगवोलेनवज कोमलकेमुजात

जतुउव आगमप्रुदितडुम करतपरस्परवात ध्रधरंगलास
नांम ७६ अफनश्रोन आरस्कुउनिं जो हितंरातेपातउवा
आगम आनंदतेंजतु अतुयगतुवात ८ पींपलनांम ७७
वजदजपीपजगज असनवोधिद्रुत अश्वत्थे पीपलदे
वलपाहनो जोरिहाथ धरमाथ ८८ पाटलनांम ७८ प्याली पा
टज फलदूही वांमास्यामा नांम ७९ अंबवसांमधु ध्वकां ७ पां
नरंकरनिम्र नांम ८० आंवा नांम ८१ पिकवल्लभकामांग
उनि मदिरांम्रपंचहवार दूतं स्यंजोकी नरवलिनेजुरहा
फलनारंग ८२ चंपानांम ८३ चांपेयचंपक सुरभि वहहेमउष्ण
सुकमार यह चंपांपरउबजिजियें पुष्पउपहार ८४ मधू
कनांम ८५ माधवमधु उमनमधुश्रवामधु ष्ठीलउुडस्कज पुरा
मधुक केस्कजवजि कतुउवगंन निस्कल ८६ पारसोनाम
८७ रक्त बीजहाजिमकरक स्फक प्रियउहिमसार ५

कहुंउवदस्यनाकारपरवीलीनांम८४

एकंअकंदुजिनिवूअंवलि नाहरनकरिवि
नायप५(कदंबनांम८७ नीपद्रुजेहरिप्रियबकुरि मदिरा
गंधपुवाह यहकदंबदुजिकि कवलि चढिकरुदेहमो६
८६ बहेडानांम८८ अस्तविनीतकर्कपकिलयसंवलकिकलि
द्रुहचूतावासवैरितज७ कैजिनवलिभृगअस्तप७सु
पारीनांम८९ घोरस्कंभुपस्वाकहनि दुंगसुपारीआदि४

बारवारकेकहतबलि संक्कयनतनचाहि ५८ नाजिरनाम ९०
वानरप्रुप्नानेरंउनि नालिकेरं२ सुमकाम अरेनारिएना।
रियर तोकहिकरतवणाम ५८ कोबनाम ५१ कोजवहि।
काकपिलताकपीकनुं उनिनांउ कंदुकर ४ तेयह अंग
में कौविनविउबजजाउ ९० पिपरनाम ५२ कोनाकेस्रामा
गधि तिमतेउजाहिय वे देहारपांमाकएं औरोरकहियें
सोय ९१ यहपीपरिवलिपगगहति कहतबऊतपरिकार
अबउं अतिनहिकि रिकंवरि मीतमसांण आधार ९२
हरडेनाम ९२ अमयापथ्या अभया अमृता चेतकि मो
यकायस्थाउनिं ९३ वैनाशिवाश्रेयसीहेय ९३ यहहरीत
कीर ९० पापरति हरतउदरकोरोग स्योंउवगिरधरलालके।
बाजयकलसुपयोग ९४ सुंवनाम ९४ विश्वानागरजग।
त्रिषज महाउषधीनांउ यहसुंवीपयंवीउननिकहतकि

च जिव जिजां ३ ९५ अवा जानां म ९५ स्का पिरा नटीनं जीधम निवे।
पोतां किं परवाजें उवेअ अधरनियमक हतकवि वेंनहिं छुठ लरय
ल ९६ देषनां म ९६ स्वा दीभूड कां मधुरस्या काल मीपिकां हो ९७
नां अवाजां गोम्लं नी वास्फ फलां उ निं मोई ९७ यल्क नाम ९५ पाप
न्वलि संक्कइ नितनचा हि न हिंगेनेथी जीवा लमी निपटस्मी
जी आ हि ९८ केम्पर नां म ९७ कायमी स्कं कमरु धिरं देव च।
स्त नां ता ३ केम्परिं ५ हग नरपगगहति कहुति कित कि च ज ज
उ ९९ स्वल छि पिका नां म ९८ हिरनी गनिकां थिकां हेम उम्प
काजाय पूथी इ रुथी व वनिंसां गाधी जेन वं जा २०० मा जमि
नां म १०१ स्क म नां जाती मल्लिकां उत्तम गांधा हिय अंव का।
मि ब वादिनी राज उजिकां म्पो १०२ इत्य हे माजनि ८ पाप रति
उ म्प म ह म्हे जाम्रु कहु स्क उ वतम वाय्यों मिज ताजा
सुकी वास्तु ७२ ग यु वे जी नां म २०० अव जम्बु ग्रनिव: नरी।

बारबारकैकहलबालि संककयनतनचाहि ५८ नाजिरनांम ८७
वांनरमुपनालेरंउनि नालिकेर २ सुनकांम ओरेनारिएला।
रियरतोकहिकरतवणांम ५८ कोबनांम ८९ कोलवहि।
काकपिजताकपीकवुउनिनांउ कंकुकरधतेयह ओंग
मेंकौविनबिउवजजाउ ९० पिंपरनांम ९१ कोलाकस्माभ
गधि तिमतेउजाहिय वे देहिरूपांमाकणें ओदरंकहिये
ओय ९१ यहपीपरिवलिपनाहनि कहतबकुतपरिकार
अवउं अतिनहिकरिकुंवरि गीतमपांण आधार ९२
हरडेनांम ९२ अनयापथ्या अम्भया अमृतावेतकिमो
यकाम्यस्याउनिं ९३ नांशिवांश्रेयसीहोय ९३ यह हरीत
की १० पापरति हरतउदरकोरोगस्योंउवगिरधरलालके।
बालयकलशुषयोग ९४ सुंठनांम ९४ विश्वानागरजग।
निषज महाउषधीनांउ यहसुंठीपग्रंवीउनिंकहतकि

चनिवजिजांउ९५श्रवाजानांमर९५स्कपिरानटीनलीधमनिक
पोतांक्तिपरवालेउवेअधरनियमकहतकविवेनहिष्टठजस्य
लइ९६वपनांमर९६स्वादीघ्रडकांमधुरस्पा कालमीपिकाहोइउ
नांपवाजांगोस्लनीचास्कफजाउनियोई९७यहस्कदा९पापर
न्वजिस्वकइनितनचाहि नहिगेनेथीलीवाजसीनिपटस्पी
जीआहि९८केय्परनांम९७कायमीरकुंकमकधिरदेवव
स्त्रनांताउकेयरिपहगभरपगगहति कहति कितकिचजज
उ९९स्वर्णयूथिकानांम९९हिरनीगनिकायूथिकाहेमपुष्प
काजाय यूथीइस्थी ववनिसैवादीलेतवजा२००मालति
नांम९९स्कमनांजातीमल्लिकाउश्रमनांमहिय अंव
सिमवादिनीराजपुत्रिकामोर०२ १९५
पुष्पह६डेजाम्तुकतुरकउवत्मवायेयों मिजताना।
सुकीवास्तु०२रायवेजीनांम२०० अवजय

रजध्वनिका आहि २ उमहि है पिस्फुली जा अति बाजिरं व
कउन चाहि ७२ संजीवनी नांम २ जीवा जीव निंदधुअवा जीवं
तीउ निनांउ यह संजीवनि धपापरति तौसी रं बजिजाउ ७४ मा
धवीनांम २ माधवीकि दजतजजित २ १ गनिपरति बकुनाति या
की कजियन में कहु उवदसननिकी कांति ७५ बंधूकनांम २
बंधुजीव बंधूक उनि जपाकहत है नाहिं २ ७६ हरक्फूलंत फू
लस्के निसिफूले तो नाहि ७६ कुंजानांम ४ काकचुं बंकांकुस्ल
ला गुंजा २ कर तिष्मनांम मुषकस्यामता मतुं यहै जेतिस्यां
मकोनांम ७७ पर्जूरनांम पताजंष जूरी ह्टणडुमा २ के तछि
पं करतपा इ उवज्ञागम आनंदते फूली अंगनमा इ ७८
लवंगनांम २ देवकुसुम श्रीसंज्ञउनि जापकफाकोनांग
य तजवंगकी वेलियह पगानिपरति बलिजाउ ७९ इलाय
चीनांम ७ चंदकन्यकानिष्कुटा निकुटि बाजिका वेलिध

रतं एलाबलि पांपरत २९ हस्त चंक पुष्प मेक्षि ८० माधवी नांम ८
अलिउ बव अतिमुक्त उनि बुजकं वसंतीजा २ यह माधव
उववास जिम वनवन वासंती जु ८२ नागरवेलि नांम २ तांबू
लीए हिव ज्वरी दिजा पांनकी वेलि धम स्त्रन ३ उव ह स्पतें व
लिं चंक मुखमेक्षि ८२ चड नांम २ जटीकपर्दी रंक्रू फलां
बऊपई उतिम पोथ पय हवं सीवट देषि वलिम वरस की छ
विपथ ८२ सरोवर नांम ११ हुईउ करिकामा स्थर मरस्थ त
लतडाग ७ यह देष कवलि मान पर कूपो तव उराग ८४
यमुना नांम २ यमड उतु नीर विजां यमी कलां माना प आप
यह यमुना वय समुद्र किर आवत उप परताप ८५ तरंग नां
म ५ नेंग तरंग कलोलउ निं वी चीउमी लाई जह रिंइ हा पृ
पसारि जउ यमुना परिस्मति पाइ ८६ तट नांम ४ कुल उप दि
नउ पकंवउ नि नीरें रोधउं मा यह तिग हो ७ तिग वलि जा वं

वलि॰ अस्थिपित्रपास ८७ वेतकुंजनाम ८५ वंस्तुजसीतवि
उजरपी अत्रउमवानीर ५ यह वेतसकी कुंजवलिजल
वेंवेवजवीर ८८ कोकिला ८९ रिस्तुतकोकिजरस्कु ह्रग पि
कभुनितहांरसउंज ५ जतुपीय आरातिनिरपितो टेरतवलिर
कुंजर ८८ इंद्रीय ७ गो आकर्पनिकरनगुन इंद्रिय ८ ज्ञुरसपा
यपिजपरस्परहोउजेने परपंचमकेनाइ ९० मकरंदनाम ९८
मारंनमधुमुनिउपरजकुंमम्मारम [illegible] रस्के जानन्त्र
रजन सुनिपहे [illegible] ९२ मालान [illegible] नासवकसजउ

॥८०॥जोदस्यवीसपचासनएसतणियहजारनलापमंगेगीकौ
फिअरबषरबअसंषशथीपति होनेकीचाहजोगीस्युरगपा
ताजकोराजदियोऽभिकीटल्लाऽतिआगजोगीसुंदरएक
संतोषविनासवतेरीतोस्रपनक्यौहिलगेगीर्ख्यैयेचपलवि
सगतविपुलःसकजस्रुपअचलविचारत हारतनरसुवर
वनःजतनतियधरमनधारतकौहमांनमदमैहः जोहल
पथ्योजलचावैपावैपरतनपारःदारपरिवारसुन्यावेविव
विलविषयतजस्परकुकरधर्मध्यांनहिरदेधरैजिनराय
गायपारयपरय कहैउसमहुरणीहुरो १रागकाफिहोरी
वाजनदाकलुकररेयांतोरहणनांहीचाल्नेदियांगहरीना
वउरांनीयांस्याउतारेवेडापारवे यांल्यारक्याश्योवेउवजाग
उप्राफरमोतनिवानिकाफरेरे
इयमकस्पागभरेरेयांवा०१

लविचतेरांघररे आं॰वा॰६ इतिपदं॥ नेनंतेरेमतवारे मेरी॰
अंषीयाविचउंजनमोहत्कारेने॰१ चितवननैननवानकेर
मारत्त छुमतहेमतवारे उं॰नै॰२ करअंजनपियकोदिलरेजन
षेजनधउपचवारे उं॰ने॰३ कहतहूपयहहोरीयजनके गात
लगुनिजनमारे उं॰नै॰४ इतिपदं॥ होरिलरफोरा॥ ऐंबेलत
नेमकेमारहो॰ तालतंहराचफकरीरे वाजतमृदंगसुवंग
डफनफेरीफोकरीरे लेहजोदवंपेग हो॰१ केंकमकेमरकेव
डोरे किम्फरायनमारपिचकारीमारीनरीरे बोटेकदयम
फारहो॰२ राधागोरीसुंदरीरे फागरमतसुपक्कर सेवडीइक
वातडीरे राजमतीजरतारहो॰३ कलीकेलकीभाजतीरे अं
बकदेखरयालवसंतरमीघर आंवीयारे फलियामनोरथम
नहो॰५ वालमुणिवसुदेवनीरे सफीयसगाइसीरआंनओभी
जादवमयारे उग्रसेन घरवारहो॰६ पश्चदेषीपाबावल्यारे

गोरी रा [illegible] दिखिया [illegible] गरि [illegible]
[illegible] कुतरि [illegible]
[illegible] सिर [illegible]
ला॥ हिवितं [illegible]
रको नाप [illegible] रिद [illegible] नामदि
[illegible] यवंदी [illegible] मिर [illegible] आर [illegible]
सरण [illegible] नरवीनागु [illegible]
गंएपावा [illegible] नी [illegible]
रय [illegible] नेनांवा [illegible]
रकेती रविरं [illegible] रारियेनो
पशीति जस्मोमी [illegible] नातारवि
[illegible] पंजिराय
नये [illegible] पापथीनि १ व गुरो [illegible]

मतंकहीन स्यानवंतानिरपदां॰ यकलपहलहलीनर१५॥
परसन झंकरतंप श्रवनसुननझंवन रिदयतपंचमाधि
जणकुं मुरदिपनकुतेनर जेनेस्यांइजीवले केतुंदेदीहा
र रहीजात्यंगउरमां॥ विरहविथाकोनारर१ काफिमेंहोरी
विनदरसनमहाराज होरीऊनंरजेगं [illegible] वि॰ सानयबी
पिनहारीतेज माकुंभावनजाज होरी॰१वि॰ गोरीनोगोपि
लरहोरी फगुवानावनकाज होरी॰२वि॰ वनमुरंगउपा
वजावत झांझरहोनआवाज होरी॰३वि॰ मीरांकेप्रभुगि
रधरनागर थांके ममलजीलाज होरी॰४वि॰ इतिपदे॰ ३ अ॰ सां
वरस्येककहाया मोरी स्यां॰ फागुनमासपतीयरनांही होरीये
कतिकहां री विनपियाफागजगमाहेजरहे तनमनजेस्यारी
नहांकरूंपेलेजाजरी स्यां॰१ श्रीयनिवायचरणग्रहलीनैकु
रविनतीकरनारी रस्ती ब्रजकुलपरीकांप प्रीतपाबलीथारी

[illegible]ाविनरहिंगे ग्यारजैहक्यद्दरीके
[illegible] जाकतुविनमदनेकीतुवनामगन्याण
[illegible]कीर्तिविहग रनगाजवानकरेकगउतवकीवानवदा
[illegible]कैंहि चतुराईचतुरांतली कोरनानदवहाथाकरेन्या
[illegible] पदिमुंहमेहूंन: काव्यां। गतिवंदमझीनचाम्लितिमर
गउनन्तुमने वेदान्वेग्णतसार: नियमवचायणजाकेकि
उ. वनीनयरनीविम्रहरणजेनेगंतअमवादुना युक्तायुक्त
विवा गायदितनेवेग्छायदनेजले काविसबाजाग्य
केलिन्नानि विचारीतिनवर्यावनेन नगरपीलवहता
जगत नानानननानानननानननाना: चनम्बानिगंयदिजाति
[illegible] दिनेगझ्यानाशुयानने भूतायकोपम्यतिपिदय
[illegible] तिजानकी. अर्दलिजोनके वंग - कोनानगतहरस्थाने
नेवंहो: पावमें हदनातिगनपरही कोपढवरदुनेंगे

॥छप्पय॥ जगतस्यहितकरजाव स्पफश्रीताउ
दलेवे उत्तरींजिलरोकरेस्यु वितजवे।तलेनेस्येवे।
विनहितकरेंनवा९ पंचज्ञ्वाशेस्परपी तांपस्यकरे
नतार उपजविनरावितरपी स्पंस्पयपिटतपतराम्
रव स्पाचनितंतरस्पस्परस्परी चत्तरवचनइणवि
धवले सुणले श्रमृतरस्यवरस्परी१ जगतएणक
स्पदेतजबरकारजिलनेलेवे कहेउरसुणउरजा
वपिरउरहिदेवे वारवारकरवाद कहेस्पोईजावेक
हियां तांपस्पकरविणवार वचननहवा हररहिस्या।
स्परपरहितफिकराजरेवे पंचस्पापस्पमपापनेंवृ
हैकगजोवेकवी विनांस्पकेलनरथापने २ उहा।ज
गोवधायकजुरतनहि जमांपस्वविंतजाय श्रापबाप

त्वंगोनजहं जमांवधैनगमाय ॥११॥ सजनदरपन
सुखकों उरजनदेवैजाय जोपुनस्रूरत आपनी॥
जैसीजहाँतिपाय॥१२॥ कवित: सुनिजैविटपपुरुनुपु
त्तिहारेहमराखहादमेतोसोनरावरीवदायदै: तज
हरककेतौंव[illegible]सोचोकहूजहांजैहैतहांतहांह
नेजसगाइहै: सुरनचढैगेनरसिरनचढैगकह
सु[illegible]वअतीतहाथहाथनविकाइहै: देसमेरहैगो
परदेसमेरहैगेकाहूनेसमेरहैगतोपेरावरेक
हाइहै॥१॥ सगरेसहेलीं[illegible]बेलीएनवेलीनाते
कलीदिखातीआतीश्रांनदवढातीहै: मंदमुसकाती
हरकातीसरसातीचितनादमुखचाहलाजचितकों
चुरातीहै: विरहकीकातीमदमातीठकनातीवाम

परजघरात्तीयाकौंजातीदिमसातीहै।नैननच
सातीदरसातीकसानायककोंछेमसरसातीत्र
सीगलीचलीजातीहै॥२॥श्रीगणेशायनमः॥
॥सवैय्यौ॥ उमहिवनाईइंद्रियनकोंवंधउत
उमहिकिंरनवसकरियेतोनजाहै। उमहीकहत
पापपुनविनगतनांहिउमहीकहतवंधनकौंगयौ
येउमहीकहतकामारापवेधपकीति्नेजेउमही
कहतकामाधमक्रुतेफलेहैनिपटनिरंजनहसु
रेनगऊरनापेउमहीकेंसाथलेयमावद्रोजेद
लिये॥श्रीनमः॥मस्त्रीबाडेसुतकीलहैपीहराप
तपरिवार रांमचरणाश्रन्नाबसीमोल्केलगेंठिवार
५ ऊनियांमेपोयचीजहै महरीअम्मामा॥जिणप
रमेश्वरसृजिया॥तिणपोर्नुपाया २ ब्राम्हविद्२
ग्रं २५००१

॥दुहो॥ चतुराईकीचोजकुं जषेनकोजटांक
जेसेमृगकेसींगमें आसीषेहीमेंवांक १ करतां
जतीकुस्मयपकी मालामालाकार रूपफेततत
सुगंधकोकविरस्नंगारिकवार २ षटरसस्वा
माननृप दरसनषटप्रतिपार षटस्तापाषर
रागको होषटरितरिजवार २ नवषंदकीर
माननृप विजयीनवनिधिहोय नवनाथन
कीमहिरयौं होतनवकोटीनाथ ४

॥र्द०॥ॐनमः॥घटोजन्मस्थानं मृगपरिज
नोभूर्जवसनं वनेवासःकंदादिकमस
नमेवंविधगुणः॥अगस्त्यःपाथोधिंयद
कृतिकरांभोजकुहरे क्रीयासिद्धिसत्वेव
सतिमहतांनोपकरणे १ विपक्षःश्रीकं
ठो जडतनुरमात्यःशशिधरः वसंतस्सामं
तोमलयमरुदायोधनुरथः तथापित्रैलो
क्यंजयतिमदनोदेहरहीतः क्रीयासिद्धि२

रथांचैकंचक्रंत्तुजगदमितासप्तत्तुरगा
निरालंबोमार्गे चरणरहितःस्सारथिर
पि रविर्यत्येवंता प्रतिदिनवसारस्यनः
त्तसा क्रीयासिद्धि २ अजेतव्यालंका च
रणतरणीयोनजक्लधि विपक्षःपोलस्ती
रंणन्तुवसहायश्चकपयः तथाप्येकोरा
मःसकलमदनशाल्सक्कलं क्रीयासिद्धि
सत्वेवसतिमहतांन्नोपकरणे ३ ॥श्री॥

॥कवीत॥कबहीमनजोनकीनाथजैपेकबही
मनज्ञानिकोजोरजतावे कबहीमनचीलस्वंतोष
धरेकबहीमनमोहमसीलजकैआवे कबहीयुगहे
अपनेंसुपनोकबहोऽनधनअपनोकरगावे मनके
कहीयेमतवालमनामनओषकरेजितनेंकुरजा
वे१चंदस्यैंचकोरजेस्यैंमोरहितइंदस्यैंचंदनस्यैंवि
यालजेस्यैंमातहितबालकस्यैंउहपस्यैंविरंगीकरें
गीनेहनादकस्यैंनादस्यैंविवादीजेस्यैंवेदद्विजबाल।
स्यैंनीरकस्यैंमीनजेस्यैंऽअलीऽफीनलीनकमलस्यैंधु
नजेस्यैंकृपणमनमालस्यैं ढुंढकीयेंतंतलानगोरष।
जेसाग्यानएत्रोपरध्यानजगुकरुण
नचमाउेकोइयाम्है।

ग्रेभइटा नवग्माकोइक्रोडदैमीतकियां नवग्मा
कोइओछविराडपटा आंइदानकहेउलटास्पुलटा
जरुनोमनवग्माउरुनामरुटा१ नवग्माकोइमेतरुजं
तरयें नवग्माकोइस्मेतरतेत्रअटा नवग्माकोइ आक
एविदपत्रज्रां नवग्माकोइनाक्रुणनारनटा आंइदी
नकहेउलटा०।२। नवग्माकोइकुंभकुंभमजम्यां नवग्मा
कोइ लांवाविभायजटा नवग्माकोइतीरथव्रतकोर्म
नवग्माकोइजायजपुनोकितटा आइदान०।३। कहो।
कोनवग्मापुषभूनरहे कहोको नवग्मावकवादवटा
कहोको नवग्मारंभकारमियाक्रमकोनवग्माघरवार
लुटा आंइदान०।।४।। जहकहाजोलेनहकोनेछऊँनार
कहाजोनेवेदजगाको आपनाकहजोलेज्ञानकोवा
तनोजकहजोलेपापलगाको पूरषकहाजोनेमुंद

रकीगतऍमकहाजोंनेबेतसगकी बीरबलनऍंनु
ण्याह अकबरगब्बीकहाजोंनेनीरगेगाको ॥७॥ च।
सीकस्तिनगवान गाकवोकरांगनविचकीनी रहतीदां।
गनबार मुजकमबकरहीउजाफ ॥२॥ कवित:॥कृ
परजाहतीकोहेमेरू पजहूतीक्षवोथ्याहकामुन्द्रे
रिनवाहकामुनीनको रिनकोकरस्यारागरूपको
रिकेइस्यारंगपरतीतजेईयारूपपालकईनीनको
थंनपातिम्नाहकोहेभिपाइकोपिबानहारेएभि
गतकाङ्कमांककोननमुनीनको हायअबगुन
हांकोहटमोदेबोतमउवगोबापरेसगाहक
गुनीनको ॥१५॥ गुरूसराहैयिभ्यो बुद्धवान
योलोक त्रियाकराहैउरधयो इजेअबेमको

ग्गामहटा नर्कमा कोइ कोड टीतकियां नर्कमा
कोइ ओठ चिराउपटा आइदीन केहेउ जटास्तुलटा
जरु नोम नर्कमा उरुनामरटा नर्कमा कोइ मेतरजं
तरसें नर्कमा कोइ ओतरतेत्रअटा नर्कमा कोइ आक
ल विदप्य व्रज्यां नर्कमा कोइ नाकुणनारनटा आइदी
न केहेउ जटा ॥१२॥ नर्कमा कोइ पुंरुमुंरुमटन्यां नर्कमा
कोइ लांबा पिक्षायजटा नर्कमा कोइ तारपप्रूतकोपर्
नर्कमा कोइ जायजपुनो कितटा आइदीन ॥१३॥ कहो।
को नर्कमा पुष्पपूनष्टहे कहो को नर्कमा वकवादवटा
कहो को नर्कमा रेभकारमियाक्रय को नर्कमा भरवार
लुटा आइदीन ॥१४॥ जहकहाजोलेनहको निछकैमार
कहाजाने वेदजगाको अपनाकहाजोलेज्ञानकोवा
तनाजकहाजोले पापलगाको पूरषकहाजाने मुँह

रवीगतस्नेमकहाजोंनेबेतसगकी वीरवजनऐंस्
लघ्याहग्रकबरगधीकहाजोंनेनीरगेमकी।।१।।च।
लीकस्निगवान मकगेकरांगन विचकीनी रहलीटां।
गनबार मुलकमबकरहीउजाद।।२।।कवित:।।द्रि
परजक्षतीकोहिमेरुमजद्दुतीकोथाहकमुद्र
रिनचाहकामुनीनको रिनकोकरइयाराग्रूपको
रिकीइयारगपरतीतजेइयाद्दुपपालकइनीनको
थंनपातिम्राहोकोहोग्रिपाईकोपिबानहोरेए म्रि
गतकाद्दुमोककांननमुनीनको हायम्रबेगुन
हीकोहटमोदबीतमउबगोबापरेस्मगहक
गुनीनको।।१५ पुरुमरारो यिभ्ममो बुद्धवान
म्रोलीक त्रियाम्रराहैउरपमो हजेमबेममो
क।।१५

॥ कुंडलियो ॥ पाए च उभा एक हा अकल तन बूटो
ऊल श्वांन च अ गज अभीस तो छुस वीत ज्यो न मू
ल सुण टक कारण लखा है नांक बुक हे कीसम
कुलस करे स्या हमो आवे कहे कवी जेक सकल
होय विरुद्ध च ण ए नीव नत जे अक्ला व मह त पद
वी के पाए ॥ १५ ॥ दुहो ॥ गज रहे न गद पति रहे रहे न
घलक जहान रह देय रहसी मांनरूप नेकीव
दी निदांन ॥ २५ ॥ सोरठो ॥ ज्यांरी वहती वार ज्यां
अप्पण न जांणिया हाथ घसे कुजदार कांपां
उतरियां पछे ॥ २ ॥ सवैइयो ॥ २ पीरसें नीरपि
स्यो जब आयके देखुन आपस मांन के स्यो है
पाप धस्यो षछु वार के तोई ज्या स्यो न हो पिण आ

केनयः लिहेनसुजोर
।।सावेन।। बेट्र केनथा।। गांमता टेनलो
मः ६।। सिंधु हे ममुष गांमता जोके
ने सः।। भाः वेदनां हिरहांनीदस
नः रजसांनी हः पप जो अयांनीदा
भायः समा।। महोपाल रुहजाल वेतजोक्षा
तोहि : वंह नाल मांपन्ने रुतांनक्षाल
लोपे स्यां जाति मारतं हि है लिमरछु
सिहे मां : पुरदं रुमांमने विरु पग
सचे सां।। ११ न महरु रानजो पायकें
।। ५ जोहे हुए : आपनें संवा ले हे ३जार
सांमहे अडाप पदवांति

हैंऐसेंजैसें:वाहकैंबंबूलपरलच्यांढ़े
लगायेहैं।नाथनहैनाथएकदीनतौ
अनाथहीहै:यौंनहींहोमहैसठकौ
बनायेहैं।दासनहैदासहौतौहौं
हैनिरनाथजैसे:विरदविचारेंगे
आपनेकहायेहैं।।२०।।

विजैसिंहवगतेस: अजनजंमवत गजंव [illegible]
मूरउदैसिंघमाल: गंगवाघोघजवैध। [illegible]
सोढोसुप:राबूरोडम [illegible] नारो: वीरम [illegible]
रोद न्नूपतोगोआनरा: [illegible] राय [illegible]
प डुंगडआसपांनरा: [illegible] सिंह [illegible]
घमहिपतमालम [illegible]

॥श्रीजगतवल्लभायेनमः॥अथमुनसीमाधोराम।
कृतनकेणलतीफालिष्यते॥मेरेमनमैंटकोरहेविक
लविहालहेनंदसुतसुजानचिंतामनतेरोचितहरिहे।
धास्यो।धरत्रंबरविदेसरकहावतहेमोकोदीनद
यालुकेसेंकेविसरिहे अस्मरणस्मरणविद
दओधरावतहेनीडपडेनकूनकोंकैसेंत्रातत
रिहे वारनकीवारकरूकरीनहिवारश्रोंकेसें
केअवारहेहमारीवारकरिहे एगिरकुंडगाय
व्रजगोपन्हेंवचायलएअनलतेंउवास्योपुन।
बालकमंजारीको गजकीगजस्तुनयाहूतैंहुमा
यल्योराष्योव्रतनेमधर्मपंडवंकीनारीकोराषे
गजधरातलबालकविहंगमकेरा २

यमैत्रीषम ब्रंमचारीकौ त्रिविधतापहारीनिजभक्त
नसुषकारीमांनि तांनरोसोंनारी त्रैसोगिरधारी
कौ २ कमलानिवास्यनिजदासनकी हरेश्रमसा
ताकेविसवास्यविषजष्यामीरांबाईहै कसवक
वलनैनसंतनकरनचैनचनदि नचपनूपांजन
कूनाईहे, इंद्रकोनसोमांनसुदांमाकूंदयोदां
नेनकूजांनवालनामदेवजकीबाईहै नंदके
कमाईनिजजनसुषदाईबलदेवजूके
हमारैसनाईहै ७ जैसेंघणबालककूं
मातलेजाषायपहनीचरांपपनदसुनस
जंयाप्रीलनकूमातांके उदरमैंजराषे
स्मदीनोनिजलालकू पारयकस्वार

छीनएहोप्रभुइमषाजनजोनकौजितायोहैनार
थकूं पावकप्रजारीतिहंराषीहैमंजारीकेपोतै
चीकोतराषीनाथमोउपैकोनाथकूं ४ लीनेहै
अगारव्रजवासनकेहेतसेतीधनाजूकीषेतीह
नबाहीनिपजाईहै नीचनकोपनःद्रोपदीकील
जराषीअसरणअसरणकीविदनमैंगाईहै तू
तवचायौव्रजकरपरगिरधार्यौमैंतानसेनकौ
तुमहूंनीसकराईहै कारकेतुअवारकैवसुनि
येपुकारमेरीमोपरव्रजराजव्रजराजनीकौ
आईहै ५ दीनबंधुदयानिधिहेरणहुमनन
मैंपैतौअनेकवरदयेथनैककेदेये मेनेकै
बारेराजावंधतेनिवारेंनाथ ।

तोअमसअहिये नामाकबीरयौधगनकाओरकीरता
रेचीरवाध्रद्रोपदीकोजगनजसलहिये वेरीमांफ
धारमेरीहुवारवारपहेनाथककंणानिधांनमेरोह
थगहिये दुसवेयोरमेओ॥अगारतोनेकगुहर
सुनीतबदीनदयालकीरीतबरीकी हेरतहेतजके
निजधांमसुवातसुनेजननीरपरीकी मेरीअवेर
विजंकनयोसुकहतकमीरकरीहेहरीकी धाय
सवेरसुनीजवटेरकरीनहीवेरसुवेरकरीकी
तादिनटेरसुनेततकालमहायकेकाजकुआय
धरेहे संतनहेतअनंतअपारसुआपसवेअव
तारधरेहे मेरीगुहरसुनोनाहिकोनसुकानकहे
...धरेहे पोढरहेवटपातमेतातकेबोर

नए कि जराज करे है ८ कबित्तः॥ तब तौ अक्रनय
हाय काज ब्रजराज के अर्स चिदास्यौ मतधरी नचित
मांमा की बालदन्न रलाए बाजु ला है कैं दयाल कय
गऊ दीजी बाई और बाई बीन नांमा की यंतन कौए
नग्वा लगन राष्मा बाल स्व नी विपत हरी अंपत ईम
त देसु दामा की ए हे बलवीर उस द्रोपदी को वधो
चीर हरत कंदन पीर अब मो स्रु अनिकी मा की ९
द्रोपदी की लाज काज द्वारिका तै दौर आए चीर कूं
वधाय टेक राखी अजमील की पुत्र है नारायण
नाम लेत तत काल कांटे जम जाल गतन ई आजा
मेल की मूंदी एक चावल की पातहीं निहाल करे।
कैसी दया नाई उन बोन नकुचील की मेरो ही क

रोस कीलं होत है कहा बकी लंत बतौ करीन ढील।
टेर सुंन पीऊ की ॥९॥ एहो जदुराय हम कै हुत है सुना
य सोऽ बनी कै चित धार कै नैक नरी आय है मैं तौ
पस्यौ कुं गेल ताकी कियै ही व नैंगी टेल सब कुं बसा
य हर मो सैन बस्याय है दयावंत कहियत तौ दया
कहा काज राषी मो से अंत दीन तीन लोक मैं न पाय
है देषत रूप ये सो: विपतन्हि कुं ओर मोहि करियै
सहाय कि धुं लोकन हसाय है ॥१०॥ जगन के स्वामी
तरजामी कहा बत है करत नांहि मेरी पीर ए ते
कै पर सुदामा बजी बन कूं बिनक मांहि राज
किंये ऽर कहा रहे हर मो से एक हू कै पर मो पे परी
है और उं मदे बत है बिनां पीर ए हो घनस्याम धांन

अथाबेतसूकैपर करियेसहायदेकैवेगहीसह:
यकरोपीछेकहाहोतहेजूओंसरकैसूकैपरा२
हमैउमेवनीगाढीअतहीबूहसबाढीताकोक
हेकोनसोनिवारोअबनावरो टेरतहूंनोरसां
कताकीपरवानकबूंजानोहेऐसोजोबकैहै
कोऊबावरो मैतोमहादीनहूंमनाथकहिये
दीननकेनांमसोप्रमानअबकरोस्यूनचावा।
रो विडदकूंविचारकेमुरारमेरीलाजराषोमे
रीलाजषोयहोतोजेहेवृदरावरो १२ जदबऊ.
तनईतोहूजातकियेगईसुनोनेककोनदेकै
जोहेबाततेतकी करोगेसहायकबेडषितन
योऊंअतमोपेजउरायहायनईहेउदेतकी।

न९ हो श्रकोर जोर किये कलचा हतहोनंदके कि
सोर लाजराखोकंनसंतको टेरतकृवेरवेरनौ
रसाफमेरी अहेहर उमेहषबरहैकबूबसंता।
को १४ वेदऔपुरानमैकरेहैवषानअैसोयत
जुगकैवीचधूपेहलादकृकूलवेहे दापुरकैवी
चनीचकुलकीनकानकरीजौलनीकेहाथश।
कूलबेबारकूवेहे त्रेताकेअंतउमदोपदीकी।।
लाजराषीपंनवकेकाजदलकेरवपेकूवेहे अ
वकलकालमैजूकरीनमहायमेरीतौलागयुं
कहैगेवेसबैहीबदफूवेहे १५ ब्रह्मामहेसयेस
नारदगएयसरटैनकूनकेकाजहरआपदेखा
रीहै मंगलकरनडबडंदकेहरनपुनपोषनजरन

ऐसें रहै नरनारी है विरदजक्तवछलयो वेदरू
पुरानन कहै जोन तन्हें ताकें अवषोवे की विचारी
है द्वारका के वासी जे एजात होवे वासी अबे मेरी
होतहासी तामे लखीए उतारी है ।८। कान्ह कैतौ
हेत करबे तहीनि पाय दयौ कान्ह घरमीनका
जबाल दपवाई है कान्ह के मजूर कुयजा न कू
बवाय दईनाई है य नन्द पत हूं भीर खी दिखाई
है कान्ह के दयाल है य दालिद विदार दयौ का
न्हहे तमा है कुंय कूंनी सकराई है करत होम
जाके सो देव तहूं भीषम बहम कूं तौ हरउमे
बाले वतलाई है ।९। कंसहू कौ कैधतोसो कैर
व कौ वंस कौसो गोपिन कौ दधचोसो वनेवट

पारे है ऊदागे पियांकूं बौरी कुबज्यासौं प्रीतजोरी है
नदेतवलबोस्यौ चोरवीरवारे है कान्ह कुलीनकीसा
यकरीसुनीनांहि वेस्याकीरयीध्याधर्मसेसंततारि
है जुरायंधयेतीहरेकारिकापधारेतवकांकेकाज
सारेहरऔरकेविगारेहै १८ कहान्यौजापैतुमा
धारकाकेराजन्हऐगो कुलकेवासीषासीबावके
पिवरयाहै कछमछकछूवाराहनरसिंघन्हएके
बकूबावनआवेस्वांगीन्हवरयाहै चैनकेवरद
याशुंजमालकेधरयायुनवेसीकेवजरयाप्रन्ह
वन्केरहरयाहै टेरतकूंप्रातरातपूवतनमेरीता
तेजानीहमवातन्हगुलातकेषवरयाहै १९ गोतम
कीनारीताकीवातवकुविस्तारी जद्यपिउधारीहैपै

बिदरउधारकै उग्राग्रनद्रोपदीकेबसनबीच
कैग्रग्रैचैनबैलाजरीषलईलाजकूंगमायकै
नयौबलहीनग्रौग्राधीनग्रतदीनबीनेजबैग
जराजकाजग्रापउंमधायकै दीनकेदयालय
कृतामैतोग्रनेदनोहिंकरनहोग्रसहायपैनीकै
नैनसायकै २० कबकोउकारनकंसुननतनो
हिएकोवारएहिनंदलालउमकैयैंप्रनपालहो
कैहंतहैदयालपैदयानकबूदैपियतेमेरीम
नग्रैयौग्राबिनीकैपसुपालहै धास्योहैनरसि
घरूपनबतौपैहलांदकाजग्रबतौनंग्रोजक
बुचलीवदचारहै दास्योतैलकौननवसैहों
जायकौननमैसेबसेनलेटेक्रिधुंपैवेधौंपताल

हे २१ वेरवेरटेरटेरजीनकूसिषलपरीहैरतन
मेरीओरऐसेअभिमांनीहे कपनकएहेकिधु
मोनगहिरहेहेकांन्हदयाकूनआवेसोऐसेकहे
मनमांनीहे कैसेकेउदारउमहेतहेमुरारओ
तंगोपनकेयारबाबकधकूकेदांनीहे बकेबके
थकीवांनीकबकूनचेतआंनीजांनहमजांनकू
फकरतअनाकांनीहे २२ कूबराकसाईजा
ठकीरमुबनाईकोलीबीपाओचमारकीनक
मनमाईहे गुजरगवानकोसांगलेविहारका।
ताकोतोपुरानमेकथाकूगाईहे गन।
काओरनीलनीकूतारीजोप्रसिधजगदासीकों
षवासपासीऐसीचतुराईहे नीचकेनिवाज।

वैकीउमकूंतौवांनपरीमेरीजातउंचुस्रकोहे
कूंवनाईहे २२ स्वया २२ स्याः॥ ६२ अेनिरमोहि
नदेविकऊंइकअंगकीप्रीतकहेनभए गोपि
नकूंमिलगोकलमैंमथुराअकरूरकेसंगगए
पयपायवनेनंदरांनीकिएंनयकंसकेनंदवबा
यंलए औरनसूंऽबकहाकारिहेजिनेत्रैतीकरी
तिनकेनभए २४ सुदामाकूंसंपतपीवेदईचुक
टीनरचावलपैलेहीलीने ग्रागकेपातपवालीके
षाएंतबैरिबनेजनदीनेनदीने कंसकीदासी
कौचंदनलेपटरांनीकरीबकमांनकरीने कारि
जयाजगमैजडरायंअकोरकियांविनंकोनके

कीने २५ कवित्त ३ ये ॥ तुम हो दयाल प्रतपाल रि
छपाल जग मे हूं आधीन दीन औ ऐ चैन आनियो
तुम करतार औ आधार निराधारन को मे हूं निरा
धार ता सौ तुम मन आनियो तुम जगदीस जग
नायक सहाय को मे हूं बलहीन बीन नि हुवै
कर जानियो जैसी सदा करियो तै ऐरा वरे विर
द नाथ मे हूं ऐसी करो जिन है अरज मानियो ।
२६ काहू के आधार सेवा विणज चौपार को है
काहू के आधार षित्त वित्त षेत गाम को काहू के
आधार विद्या बुध बल बाहि को है काहू के आ
धार हाथी घोडे धन धाम को काहू के आधार पाहू

इष्टषेत्रपालकौहैकाहूकेआधारराजजोबन
मदकामकौ मैहूंनिराधारमेरीहरहीकरोगेसा
रेमेरेतौआधारएककेवलहरनामकौ २७ के
ऊकरैसेवाकेऊराषतहैलेवादेवाकेऊथित
वासीताकेबनहीकाहैलाहै केतेकमेवासीके
तेदानहूकेआसीकेतेमांनतांनवीचेकेविदर
सीलाहै केतेमहासूरकेतेसबैगुननजरहरधी
रकेतेअनवांकारिनषेतमेअरीलाहै मैतोअ
तहूरताकेउदिमनएकमूलजसोमतवारोका
रोहमारैउयीलाहै २८ केऊषेमलछणाऊ
मैविचक्षणहैनीकीजोतसेवाकरैजांनैविधगां
नकी केइतनबोधसेती

आव्है निलजोगगतंजांनैरोधपांनकी केइतन
वासनासुवासनातनजुसहैकरैहेउपासना
गऐासशिवञांनकी मेतो हूंअजांनताकेका
हूसौपिवांननहींकोऊकहूजांनोहूतोजां
तैनाथजांनकी २९ केऊआंनधारणासमा
धविघेलीनरहै मिलावैप्रमातमासौंआतम
विचारीको केतेकसकांममंत्रजंत्रआवैजपा
मजपैकेतेलोनदांनकेगनेयसुषकारीको
केतेनहकांमनितअजपाकौजापजपैकेतेजे
जैसंकरधतूराकेआहारीको तारोअनता
रोएकआसरैतिहारोमोयकोऊकहुधारोमै
नोधास्योगिरधारीको ३० केऊकमवादीके

तारे तास्यौनाग कारी है अधमा अधम हमत्तिन
कीउधार रही अधम कूं उधारे अब वारी हमा
री है ॥२॥ अंबरीक नारद प्रहिलाद ध्रुव सनका
दिक व्यासशुकदेव हरट तनि तन नांम कूं जि
हां जिहां ओर पराति हांति ही ही र आए बा हनकं
बाहन धाए संतन कै कांम कूं के तीवेर व पधारे
पतत उधारे केते केतन कूं तारे और तारी का
सी वांम कूं पतत उधारन विरद चित धारो हर
जो पै केते तारे तारो मो सो कूं ये गुलांम कूं ३२ का
जही को देस सुर देस बीच तारे तुम त्तिन केतो
नांम ठांम पर गट गिनाए हो मीरां बाई कर मांपर

मरांमदादूषोजीजैमलऔरदूबरापरअपार
आएहै औरहूअनेकनकीमतंगपाराषीताहि
हेतेनांमनरूपवछलजगतमेंकहाएहै तारे।
कोईतारेअबतारवेकूंहरेहरमांननहूधांम
काहूगांमकूंमिश्रएहै२४सवैया२३ओ॥
करुणानिधकानसुणोदीननी:नांयसुणांय
सुकैसैंसरैगो दीनदयालदयाकरियेजुग
ईकरहेतोपराउघरैगो मोसेकहूतकेकां।
मकृपानिधयाजगमेंकहोकोनकरैगो तातें
अनाथकोनाथगहोहूअनाथविनांउबकोन
हरैगो २५कवित॥दीनकेदयालहोतोमोसे।

आरकोनदीनकपान करालअनेककमेरीम्राक
रा रको रिवपालहुतामैरतीकतनावकरियो
सन दाहरमा पस्योसोकरो अवरनसरनओ
रदयानिधकरुवनहुतोनामओपमानकरोम
रीयानिसाकरो तजियोविरदकोकरियेयह
यमरीपरा कोनम्यानहजोनाकरानहु करो ७५
करन अपराध ओरसाकनितकोरकोरअतही
कनोरमन आरकोनकोमहु आतुरअधीरा
ताम वीरजधरतनो हकं वनीचबालीवहंआ
ओआलाजामहे अरवानजानेकहूचरवान
ह्रातनहु बृहनप्रीतसुनकेनहरनामहे म

बेतकबीरखलबीरमेरी विमाकरोकहेमाधो
रामवस्तुतितारो गुलामकूं २७ दोहा॥ याकरु
णाबतीसकौं पढेसुंणेनरनार ताकेसबदु
षडंदकौं काटेकरुणामुरार २८ इतिश्रीमुन
सीमाधोरामकृतकरुणाबतीसीसंपूर्णं॥ १
॥अथस्वेतांबरमूलचंदकृतकरुणाप्रकाश
लिष्यते॥ दोहा॥ दीपकग्यानचषुदियें हरेअग्यान
अंधार उरपदपंकजवंदिये चरणसरण
चितधार १ सतगुरुसरअतमानने गाउंप्रभुके
ग्यान दातानिरमलबुधकी जिनकोधरिये
ध्यान २ मेकदंतगजवदनहे सिधरिधकौ

सांम विघनविदारेवरदिये जदियेआवेजां
म २ गुणगाऊंजिनराजके मोमनमेहेकोम
वनगुणीकूंदेषके केसेकरियेहोम ४ अ
पणीअपणीबुधसे जघामगनतनमांन बि
ऊंकरजोडीगाइये प्रभुचरणांचितआंन ५
मेरेघरमेआऊप्रभु वसोविराजोराज मेरो
मनकूंत्रमसव मगलासारोकाज ६ प्रभु
तेरेपरसादते कमीनइहेकाय दरसणकी
अविलाषहै जिनकोकोमदूराय ७ नाथति
हारेनामसे सदासुषीकूंदेव चाहेचितमा
हाराजकी लवलवअैसीसेव ८ देवइमी

अंरदायहै रषियेचरणांमांय साहिबसेंस
नमुषरकूं ज दंकूंमीकायकीनाय ९ नरसु
रकिंनरसेवहै असुरपंषेकूआद १०सुबादि
कसबधायहै सुरसोनमयरजाद ११ इंद्रचं
द्रनागेंद्रसब रटै तिहारो नांम सूरजआदेउ
योनही पारद्धंमारो नांम १२ मैप्रभुमेरसाहिबो
केसैपाऊंपार एजंगवासीजीवकै प्रभुतेरो
आधार १३ नवदधरूपअथगहै १४ तांरषि
येमोय महिरकरीमाहाराजजी हुकरकयन
मुषजोय १५ राजगरीवनिवाजहो सरणाईआ
धार चरणग्रहांकीलाजसै प्रभु३

उचनीचअंतरनही प्रभुजीके दरबार अकहेत
दातारहै संतनकेनिजआर ५ श्रीवसुनके
तापत्रु हरणवंछितकाम गाईजेआंहुपकर:
नित्यदिनलीजैनांम ६ स्वयारअपा॥ नित्यदि
नलियेप्रभुनांमतिहारोउमंगरहेतनमैअति
भारी प्राणपियारेहेअंतरजांमीरषोमरजा
दहमलाजहमारी प्रीतधरीपरमेश्वरजीगुण
गावतकुंजिनकेउरधारी मेरेहोनाथगरीब
निवाजकुंध्यावतहेमनमैजगमारी १ काहे
कोसोचकरूमहाराजजोईलिषियोसोई
होगविये प्रभुकर्मकीव्रेरणानाहिटरेजुजे

थ्या देवतपस्वी दावीयें करजोडि
सुकविस्ट्पोकेहे जोग ७ अदुष्ना
विये १ इत्यादुदासवजवंद स्रे स्परण्मू।
लिऽलावविजय।श्रीयोधनयरेश्री
१८८८ वर्षेमीपरुडादि दुराष्ट्रैवं है॥

जांनेंदूकजातथोडे के ऽयवारऽस्र
दूकजातयीतारे वित्रकवि.
।थोडागनर

दू.

इयारागीगुनगावतगिरधारीको कहत
सिवलालसूरवीरकं नीचूकजातचूगल
कंनचूकैएकदुगलचूतमारीको २ वाव
तँफीमफकोजंगचावतजोवतनैणमद
कमदाकमदाक थायगोलीऽधराजजो
लेवतमारतचीपचदाकचदाकचदाक
विजागावतबांहेलाटापटवाजतफोगप
टाकपटाकपटाक काविगंगकहैविज
याजगैरंगसैएसुषलैजीगदाकगदाक
गदाक २ ॥लि॥पं॥ऋधांनसागरेण॥

कोधमउत्तमनांगमिये प्रभुजीकुंनजैजाकेपा
परलैसुषसंपतदेजिनकूंनमिये रेमनमोहन
स्याहिबकैविस्वासविनाकिणसेंरमिये २ दे
वन्नअनेतनथीपरहैजगपूजतहैसबकाजके
तांई उत्तमंमध्यमनतपलीतवेसेकोईजायम
सोणकेमांई कोउउपायकरैकरतारनमेत्र
मनेअगम्यांनमैसांई मेरैतोएकूंप्रभुजीविना
औरसीनरत्रासताआवतनांई २ परमेसर
होतुरषोतमहोनिरसोम्लीहोनाथअंगमअपा
रे ध्यांनस्वरूपीहोग्यानकेनाथदीपेजगजो
ज्यूंसांणहजारे ष्टरणत्रेलतुंहीपर

विषे गुण है जिन थारे राम कहै सोई नाम जलौं परमेश्व
र है सोई नाथ हमारे ४ ठाकुर हो महाराज हमारे सि
रोमणि हो परमातम जी निहचै सु विचार रटै निजश्र
वण पावत है सुष आतम जी सुलचंद रटै मन धीर ध
री सुलियै अरदास कहूं नम जी वेर कवेर कहा
विललाहो करो गुण कोपर कायम जी ५ जिम अब
र दियो नहि साहिब दान देउं कहुं डबलिहारी सा
ल पाऊं सोय संतोष नहीं तपताप तहूं जैसी सकन
मेरी सावसै सैटत पाय प्रभू जी कै नौकरी है मै
सी संतन केरी सुलचंद कहै कहु कारण नांहि वि
चार मे आवै सु कीजियै तेरी ६ संतन कुं प्रभु ता

रैऋनं तंताकैगुंणकौकहानांमऊंलेउ सुरकिं
नरऔरमनुष्यउधारैजैसौप्रभुसुषकौथानद
मेउ मोहिलियोमननमेरोप्रभूजीकैयीमांहारा
उकिऔपमाकैउं तारणहारत्रिऊंजगकेहिवै
मेरीभौसावणकैतिकदेउं ७ तेरैतौनांवकैंपा
उतिरैतौकहप्रभुहवनयेतांकौचेरै बांयपहे
जाकुंलेहेउधारेरहैजिनकुंदुकनैनसुहेरैमे
रैतौएकहैएजगमैंऋमतांमनरंजनऔायरोते
रै तौनिरजावैगीबेहीहमारीसहायकहैजगत
यकमेरो ८ सेवनहजननांननांहिंकहविधां
प्रभुआरतिकेरी जलन्हायकैचं ।

करजोडकेंवीनतीऐसीहैमेरी डरवदलिजकुंद
रहोमनुंऔरहोनवनवकीफेरी नाथनिवा॥
जियेमेवगमैंमुलस्वंदकहेअरदासजुमेरी २
डहा॥तेरीत्रिभुवननाथजी बिजमतकरेसुग्या
ल अजरअमरपदभोगवे निहचेहोवेन्याल॥ऐ
मथरीपूजाकरूं निसदिनलेउंनाम दरसणक
दीदारको सुधीरकुंहरकाम २ यवासांईम्वि
ये जिनमेंमरियेकाज इहनवसुभवांहेइला ५
रनवमुखसमाज २ गुणसमुद्रजिनराजहे अद
तिरवेकुंनाव आपतिरेतारेअवरनेटीजेसुल
नाव ४ कीनेकीव्रतपालना ज्ञूजलकावतिराय

तैसेंनारकुनाथजी चरणरजलपटाय ५ स
वैयांझरसा॥ पदपंकजनाथकैछुआयोमन
मेरौराजजैसेमधुकमलनकैफूलनिचिनदीनोहै
केतकीगुलाबकैसुवासमसतायरह्यौकंटक
कुंजेहियोजायजवरौलयलीनोहै वनमेंवजायें
वीणरीझियेकुरंगसुणिबानदियेचारपांणीरा
गरसलीनोहै मरणकोंजयनांहिमोदियेनसा
वोसुषऐसेंमाहाराजकोऊकांमणकछुकीनोहै
६ हूंतौकंअनाथमाहाराजहोहमारेनाथजेसेंही
उपावियौसुतैसेप्रतपालियै मातकेउदरमांय
कीनीप्रतपालनाहैंनवमासऊर्द्ध ।नं

हालिये संकटअनंतमलमूत्रकीअईहेतापंआ
सरीत्तिहारीहैसुसाहिबसंभालिये कीनेहैअनं
तउहांकीनलमाहाराजजीसेंगाउंगुणतेरानाथ।
गर्भवासराखिये २ नैननवणएजासेंनिरखिये
प्रभुकेमुखबेकंकरजोडसीसमाहिबसेंनमिये।
सुणियेस्रिधनमाहाराजकेअनंतगुणरसनासे
रटोईसइंद्रियकुंदमिये पदकीवंदनासेंटाल
जेअनंतफेरीरमियेगुणांकेसंगअेसेंदीहागमिये
सुज्ञानकरलेऊपारेअेसाहेमारीसीणमूलवं
दकहैताहेनवमेनांहिलमिये २ बालकअवस्थ
वीचसाहिबकीगमनांहिरमियेअपांनसंगबोक

रकहाए है जोबनवयपाईजंदतरुणीकेरंगनी
नौत्रमावधाईधनलेवाकूंधाएहै वृद्धकायत्रा
योतिहांसोचहेकुटंबकेरोमायाकेजालवीच
मोहग्रैबंधाएहै साहिबकूंनज्योनांहिकेग्रैक
सैरैगोकाजेचेतरेत्रप्पानत्रंधपरवानेत्राए
है ॥ काचो है ऊटंबजगवाम्रैकनम्राचोजोए
जोबनत्रथिरहेसुसाहिबकूंजैजियेरागदो
षबोनपारेकूडंकुकपटबोनत्रमाघटायदे
ऊत्रालम्रकूतजिये मनमेविचारलेकुत्रंतर
कुविराजेनाथूंएकचितधारप्पारेकूररहेकजि
ये पावैगोपरमसुषजावैगोदेहडषरम्रनारटं
नोनाथकबकू

केसरकपूरघसकिस्तूरीमेलकरहूजीजेप्रथम
पौरचरणांचितदीजियै अगरकूसुवासषेवो
दीपकनवनेवजलेवोफूलकूकीमालचाढआ
रतीकीजियै गुणगावोनाथजीकेसेवामैसुधर
होमिथ्याबुधबोनपारेचरणामृतपीजियै एरेम
नमूढमेरेकाहूकौविचारकरैवाकुरकीबंदगी
ऐसुकूपदलीजियै ६ ग्यानकरजोवेजदआग
लविराजेनाथसबहीकेबीचदेहजोतअतना
रीहै तिर्थंकरदेवकहेजिनमतकेसावधानओ
रअवतारकहैशिवकेपुजारीहै मुसलमानक
हेपीरमेरीहैपोचजाकीसाहिबतीएकजाकूंह

मजी सिरषर ओं आपनो हिकिण हीकोऊवे
मापैमेरोजोऊवै तोन्नलै किणहीपरनामजी
निसवासरध्याउंजेथीमोकुंसुबुधदीजेजस
कुंवधारोनाथम्मारोसबकामजी स्वेतंबरमू
लचंदहीनऊयदाबे णकीसरणवी
चराबोमे स्वामिजी लिये
दास: हबजी को
नय न वै
नही व
जिन
ती ८

सीसनितमेव ॥३॥ मालतातेत्रातातुमे प्रभुकु
रंबपरवार इहनवमेरीकोकरै आहिबजी
विनंसार ४ आहिबसुगुणनंदरहे केयेक
कुंवलाय परखंतोपातिकझडे अवंतासुष
थाय ५ कुशलतीरकेसेरमे कर्मसोतको
राज बगतावरबधंतीकला दातारांसिरता
ज ६ जाकेध्रुजयद्रिद्रहे श्रीजयरत्नजीसा
र ताहित्रिपप्रभुगुणरटैं मूलचंदमनधार
७ चंदपाडवसुतत्वको एहअवसरजोण
कार्तिकसुदहेनमदिने प्रभुकाकियाबधा
णां ८ श्रेयांगुणजिनराजका सुणेजणेन

नार इलवं ॥ यवांछितो परनवसुषत्रणा
२९ इतिश्रीसुतावरमूलवंदकोलकरुणापू
कासकसंपूर्णम्॥ १ ॥श्रीरस्तु॥ कवित्व
पृथ॥रिषभअजितजिनराज नजो संभवअभि
नंदन सुमतपद्मप्रभु सुपार्श्व वलेचंदाप्रभुवंदन सु
बुधनाथश्री सुबुध नमुसीतलश्रेयांस वासपु
ज्यअमलविमल अनंतनवजचवदस्मा धर्मनाथ
शांतसंत कुंथुअरिमल्लनमीजे मनसुव्रतनमि
नेम पार्श्वमाहावीरनमीजे चौवीसदेवांवकंग
नहरण सुषदायकांशावंदथके करजोडनमीवं
दनमद मूलचंदकैमनवसे १ वाचमांनाचीरं

॥ ओंम जियां ॥ एक दिन रतरावरी । कपट की रीत गा । ता पजकमाए । एक किन्नर कपट की रहिन वात वरनी । रैन दिन कबूतर एक पखे विहेरवल लायाने नवादर । खूंबरखे । क हे मीर निरखे पन यो तन टा । टीक एक । जीवन सुग अध्रंउ वत हेल हिरा एक । ॥ १ ॥ कपटी । को भिला जची काम अरवंयाम सोधे ओएन हेपा । ये सोवे काम पाचे हेय अब किया उदा जो । लीजे रव । कोना भप्री तिउन होत्रे कीजे कहे मीर निरखे र बोस । ब छिज में दपटी । किस्तेक होये जाय पिले सो एवं । होकपटी ॥ २ ॥ जब तुं जीव सरीर में गुन कर आवुं । याम । गुन करतां अव गुन्न करे ताको ना मगुलाम

ताकोंवे कामवाकोवहकरहें हेकारतेरोकाम निम
रखवेहिनिमरहे कहेमीरनिर्दोसवदाइतेरीतबतु।
ओधुनधारेनांह करेतुं।नेकीजबजुं रुपनां रजिन
करो अपनांठोकबुनांह अपनाआतमरांमहे जप
नामनकेमांह जप० रात४ छिनसुरतलगावो आप
नाआपविकारउसामिजायपंनाता।कहेमीर निर्दो।
सकुंचसुषदवेसुपना।सपनाहेजगमांहनहीकछु
दीसेअपना।४८।।मरनाजगमेंमुकरहे ओरमुकर
नहीकोय।तासुनेकीकीजीयें होंनहारसोहोय हो०
उनीमेंलीछनलोर जाकोजीवनअर्कलजिहूंनेसोम्ता
पाईकहेमीरनिर्दोषरहो आहिबकेसरणा।जमना

॥सवैया२४४॥ऐकअलीवणलंकछिमोजुप
राक्रमतोहणमैतजतीकौ माघणयोमरक्रूषवि
वेजनजोननहांरत्रुरांणबतीकौ देषेहैमौनल
कौजुपराक्रमगर्वहसोजुसरणपतीकौ कहवि
न्यौफषक्रूपनिधांनकेएकरतीविनएकरतीकौ१
जुंमतहीणविवेकविनानरआजमतेगजइंधण
ढोवै कंचननाजनधूलनरैसवमूंछुधारसुं
पगधोवै बोहितकागउभावनकारनमारमाह
मिणमूरषरोवै सूंनरदेहछुलेनबनारभिपा
यअजोनअकारिजषोवै २ षेमतमातमतंगष
रेजजीरजुरेमदअबचुचाते तीकुउरंगमनो।
गतचंचलपोनकेगोनकुंतेवनजाते चीतस्वेद
मुषीअविलोकितबाहिरक्रूपषरेनसमाते ओ।

साबयातौकाहातुलसीजपज्ञानकीनाथकेरा
नराते १ उज्जलकारिजकीजैसदयुतध्यानहरी
गुणकैनितगावै २ जाकैपरमेस्वरकीवदपंक
जग्यीपतकैचितलावै तातैहरेडबहानिददीना।
केतायरारिधुसदासिद्ध्यान ३ मधरानितसेवै
बदसनमारे मोटोपदारथपावै ४ मातपिताकु
तबसुसरवीजनमिलहि उस्तुलकौमिणपकै।
सेवकराजमलेगजबाजमहादलसाजरथ र
घनीकै उर्गतजायडबीविललायपरेफिर
आयअव लोहिजीके पषुडुपथगुरुसमजा
वतभौरको।सबस्वारथलीकु ५ उहोलाभ
लोकमजानिय जाकेहिरदैहेन समनसरव
ली प्रगटनैनकेहदै ६ श्रीरस्तु॥

डुहाभृङसैभृङकावैकविन नैदरहैंतयार अलि
कमलनमेवंधियो सोकावैंका हरणहार २ सवघने
हस्यैहरविथे नैदअबरनयनांय अहिपतनीसुत
श्रिमस्युं चाटतहीनबजांय ३ नैनपदकेतालमे सम
दोन्हांधुंजाय रेगसुरंगोवेबियां मनपैलीमिलजाय ४।
नटनसीससावतनई डुंटीसुघनकीपोट छुपकरये
चारीकरत सारीपरतचलोट ५ डुहैविहारीदेषतांमिं
तमिहारीकोन मनहरहै ऐोअतकविन सेहजहरन
हैलौन ६



कहै। रामकथा अघ ध्वंस॥१॥ आजकहु और
नये ठयेन ये विकठेन। चितकेहित के बुंगलयें
नितकेहेठ मैंन॥ वाक्यनायकारो नायक अहो
तदषै दिता॥ नायक वाक्य नायका अतें तदखिन
वारणी २ सखि रो नायका अतें तदखिता २ ना
यकारो सखि प्रतें तद अन्य संजोग न छपतां ४
सूरयन तिलक सुरक गमोती नीगनी जपटच
र कोर विजारी बनाई हैं कैके पिकइके न आ
लापन अलापचारी गोबर्दनि घन मधुर हे रंगन की
गाई हैं पानपिंजर पिंजरी किली समुष की ने सूर
चक्रकन वीन प्रबन नायकान बाई हैं। नवनी
निपटच पंचनी अगट कै फेंकं वनीसी आजमे
घमाला बन आई है १

ऽदिगागाज्ञाचनम ॥ एवंवस्वारूपयाथरहरतको
नकोरदीरजसानागम्पादि रायकहेनदीयांडहाल्ला
कोनाद।मं नरचि पाथयाहे पथानकूपानवा
यास्वः मनजा नमकं उपदेशदयोहे यामग
नीननगारकनीवसापावकमेजरवतनयोहे १
कपातरकोज्ञानीलविनंथतजयमोहबतवि
नमे अवितशनच्छा नये भरटविनमरदसील
विनमार मेंये अर्थविनकोविचारकेवशकरजा
नायतोकविनतोजलकहाहज्ञीविनताहेजये
होलतविनदानदेव नारमानीये कहतादीवा
नांहनसुणास्सु नंनसनेमानसकालोलमा
कुंबोलेमेंपुचा नना।श।श्रोताचारप्रकारके
श्रुकवायंसेवकरिस आदिअंतविनजिन

येंगतें वायो हाथ आयें उर नारी होत जैसें नरनारि
होत वीर के आयें तें सुपनाके हाथी आगें देर २
थाक जात ऐसें नर थाक जात आज के दवायें तें
कहत कवि निहाल ऐसें तान कैसी हरकत है बरक
तन होत हे उअहेरे आंन पायें तें रिनसो न पावता दें
चंदे विधु को सोलापके उतारें आपके सहूत हुन्न
जायेते ।।। अबो मुख नामनको लेवो सुखपावन
को गावन मजार अखरान हों के जोरें की हूजत
सक्कल देषक जत मयंक मुखबी मूरे चितवदोहूं
पयो वनमरोरे की चूरें कों चंमक नकवे परूफ मके
न४ हूंघरे क्रो घमंक पेंद मंक तन गोरे की । कवक्का ।।
उचकपरें
मचकहीं निरेकी ।।२०।। ३।।

ऊटिकमानजैसीवेसरसोअंगकिधुंअंगओ
पदीजियै।कैसरसोगातमानुचीरमैंबिपायजा
तचेरीऊकैसंगकिधुंनैंनरसलिंजीयै।सोधे
कीलपटमांफकरतफपटसोलीजाकीअनो
पमबिवृदेषरजीजीयै।कहतबुधरावसबको
मर्थसंभवोफलकैजैसोअलवेलीकेपूरेसघ
रकी।जीयै॥२॥जैसैवानकसांतजतेलवर
सुगंधसकुल दंपरदेसीमित्रको पात्रीजीवउ
मूल।सकलसुरंगरंगआचूषनवसोअंगमो
तनकोहारहीयैसोहतसुषपायोहैं नागरनवे।
लीअलवेलीप्यारीप्रीतमसेंहरेरवानायहबे
सेउतिरातहैं करनकेहेकतसेतीफविपविन
रहिसुनतअवाजगजलबातीप्परागतहैं।एरी

॥श्रीजिनायनमः॥ रागजेजे॥ पावा उरमो हवीर जिनेस
रु वालो वंदणजावां पाॅ० दिलरंजण सहु दरसण देवी
थंग निआणंदपावां परम उलम उदसो समपेवी पात
क दूर पंजावां १ पाॅ० न्हाई धोई पहिर धोतीया वलि मुख
कोस बणावां केसर चंदन मृगमद घोली विधिसुं
अंगीयां रचावां २ पाॅ० मतरने दसजा अतिसुंदर
कर कैसु कतक मावां कंचनथालं जरी मुकता क
ल विनयसुं मनलेख आवां ३ पाॅ० संत उअरनज
गन्धाधारन ध्यानसहि निसध्यावां श्रीजिनचंद्रसू
रि जयकारी जिनवर जि विन त्पावां ४ पाॅ० इतिपद
रागसारंग॥ नीकी मूरति पासजिणंदकी नीॅ० हरिहर
ब्रह्मादिक सब देखे सूरत ऐसी इंदकी १ नीॅ० सुंदर
सीस मुगटकी सोभा ज्योति जागे जिणंदकी २ नीॅ०
रतनजडित टिलक कमल सोहे मुख बिउ पमा चंदकी
२ नीॅ० रसना आज सफल मेरी स्तवना कीनी वामानं
दकी नीॅ० श्रीधरक हित चरणयुग सेवो दाता परमा।

।।श्रीजिनायनमः।।रागभैरुं।।पावाउरमोहवीरजिनेस
रवाजोवंदणजावां पा० दिलरंजणदुखदलणदेवी
अंगसिआणंदपावां परमउछवउरंगसोसमपेषी पात
कछुरपजावां १ पा० न्हाईधोईपहिरधोतीया वलिमुख
कोसवणावां केसरचंदनमृगमदघोली विधिसुं
अंगीयांरचावां २ पा० भ्रतरसेदूसजाअति सुंदर
कारकेसुकातकमावां कंचनथालभरीमुकताफ
ल विनयसुंसनमुखआवां ३ पा० संतअमरनज
गमाधारन श्रीमानपहोनिमळावां श्रीजिनचंदस
दाजयकारी जिनचरणेंचितल्यावां ४ पा० इतिपद
रागसारंग।। नीकी मूरतिपासजिणंदकी नी० हरिहर
ब्रह्मादिकसब देखे सूरत ऐसीइंदकी १ नी० सुंदर
सीसमुगटकीसोभा ज्योतिजागेजिणंदकी २ नी०
रतनजडितदेखुं कांनउमाहे मुखछविउपमाचंदकी
३ नी० रसनाआजसफलमेरीभावना कीनीचाम
दकी नी० श्रीधरकहतचरणजुगसेवो दालापरमा।

नंदकी ५ नीं० इतिपदं॥ मेडतीयानमरजीरोकरहलो
पदेखी॥ कुरस्यो दांणी हिपायजी थेगोदीनदयाल
जी म्हांरी वंदनाप्रभुजी अवधारज्यो नितरसु।
त्रिणकालजी २ म्हां० धनवारकारदेखडो धनरो
डीगामजी म्हां० धनहरीयालीछेजाउडी नेटीजेजि
हेस्यांमजी २ म्हां० जिण२ मुखद्रुमज्यस्युलेपो ह
वेदेवाधिदेवजी म्हां० नंदरुरणोनाहरो जीयो धा
रीताहरी सेवजी २ म्हां० तुमुजनें साहिब मिस्यो कि
णहिके जापप्रमांणजी म्हां० म्हारे प्रभुह्रदयारहो।
म्हारे कोमकस्यांणजी ४ म्हां० मेदीयवेनाला ह
रे निरख्यो कंतो नूरजी म्हां० निणदिनथी हिजम
हरो मनफीरस्यो ब्रेहजूरजी म्हां० ला हरे तो येक्के
घणा तुं साहिबसु विहाणजी म्हां० म्हारेतो ठेठाप
धणी नासेजाणामजाणजी ६ म्हां० रूपसेवगनाह
वानती ८ कवे छाडवधारजी म्हां० उमचरणन
हिचाकरी देज्योवारंवारजी म्हां० ७ इतिपदं॥

गणकेश्वरो॥१॥श्लोक॥यंकितंजीतंमधुपृष्टं मत्तक
मधुनास्तिकं काकस्वरमिरमिगतं स्तथाथानविवर्जि
तं१किम्करंविस्येवेव वि॥८॥स्तिष्टंविषमाहृतंमाक्क
लंतालहीनंच गीतदेवमाश्रुत्वार गुजाकोटिस्तमेको
त्रं स्तोत्रकोटिसमोजपं जपकोटिसमंध्यानं उत्सर्गंल
यलीनाश्च ध्यानंध्यायंतिमध्यमा अधमाहृत्तंजमा।
गुजावर्धिमधमाधमा२वोवाम्बझानमार्गमोपरउलेश्च
तिगुरोनंभूता विद्यायांमननात्पुयोपितिरति:लोका
पवापञ्चयं नक्ति:स्तलनिस्वक्तिरात्मदमनेसंसर्ग:
मुक्तिषले: एतेयेतुवर्पतिनिमत्तगुणस्कोस्मोनस्मो
नम:१ नमुक्तिनामिमात्रेण आत्मबोधोदयंविना
मुपंनमिष्टतांयाति वहनेवहिम्मकरा१॥श्रीपरमे
श्वरायनम:॥ मञ्जरमादेवलोकेरविशाशिनवनेमं
तराणांनिकाये

काणं विमाने पाताले पन्नगेंद्रैः स्फुटमणिकरणे
ध्वस्तध्वांधकारे श्रीमत्तीर्थंकराणां प्रतिदिवस
महं तत्र चैत्यानुवन्दे १ वैताढ्ये मेरुशृंगे रुचिकनक
नरे कुंडले हस्तिदंते वक्षारे कूटनंदीश्वरकनक
गिरौ नैषधे नीलवंते चैत्रे शैले विचित्रे यमकगिर
वरे चित्रवाले हिमाद्रौ श्री० २ श्रीशैले मेरुशृंगे
विमलगिरिवरे अर्बुदे पावके वा सम्मेते तारके वा
कलिगिरिशिखरे श्रीपदे स्वर्णशैले सह्याद्रौ वै
जयंते विपुलगिरिवरे उज्जरिरोहणाद्रौ ३ श्री० श्री
घाटे मेदपाटे क्षततटमुगटे चित्रकोटे त्रिकूटे ला
टे नाटे च घाटे विटपघनतटे देवकूटे विराटे कर्ण
टे हेमकूटे विकटतरकटे चक्रकूटे च भोटे ४ श्री
श्रीमाले मालवे वा मलयनि निषले मेखले नैषले
वा नेपाले नाहले वा कुवलयतिलके सिंहले के
रले वा डाहले कोशले वा विगलितसलिले जं

लेवालमाले ५ श्री० चंपायां १२ पुहांगनपुरमथु
रापत्तनेवीजायान्मो कोम्पाआंकीम्पलायां कनक
उरवरे देवगिरयविकाम्यां नासक्येराजगेहे द्म्नपुर
नगरे चड्लेतांमलक्षां ६ श्री० ओगेवंगे तिलंगे पुम
तिजनपदेम्न गियोगे तिलंगे गोडे चोडे पुरि देवरतर
ड्वडेतकियांलेचवंई अर्धेमाड्वे लेद्वविलकवे
लयेकम्पक्के पुराद्वे ७ श्री० स्वर्गमृत्युसतरिप्ने गिर।
मिपरन्हेस्वर्लहानीरतरि शेलांके नागलोके जल
निधिपुलनेसूरि हाणांनिकंजे। थांमेरलेवनेवा स्व
लजल विषमे डुर्गमध्ये त्रिसंध्यं ८ श्री० श्रीमत्मेरौ।
कलैशेरूचकन कवरेत्रा न्मलजे हूहटके सुसारेवे
द्वरवीरतिकरर चितेकुंडले मानुषांगे १ ष्वाकारेजि
नाले दधिमुख मिषरेअंतरे स्वर्गलोके ज्योतिःलो।
केपिवेदे भुवनमहितले यानि तेष्वेजयानि ९ श्री०
१ऋष्यंश्रीजैनचैत्यं त्रिभुवनमतिसं चक्रिनाजोत्रिस्वे

थ्यं श्रीइष्टकल्याणहेतोः कलिमलहरणं ज्ञेजपे तिव
शिष्टा तेषांश्च तीर्थयात्रा फलमतुलतुलं जायते
मानवानां कार्यसिद्धिर्लाधो चैः स्तूत्यपतते विर
मानंदकारैः श्रीमत्तीर्थंकराणां ० इतिश्रीतीर्थमाला
॥ मस्त्रिगुरु स्त्रिलघुश्चनकारो भादिगुरुस्तत
आदिलघुर्यः जोगुरुमध्यगतोरलमध्यः सोंतगु
रुः कथितोंतलघुस्तः १ मेरु मिः क्रियमातनो
तियजलं सोरमंरवह्निरिति सोवायुः परदेशाइर
गमनंतमोनाशरमंफलं जसूर्योरुजमाददाति
विमलंत्रेंऽयश्शो निमत्तं नोनाकः सुखमभुतंप
करुतेषा स्वर्गणानांफलंदः॥२॥ प्रथमोभैरवोरा
गः द्वितीयोमालकोसकः तृतीयरागहिंडोलश्च
तुर्थदीपकस्तथा पंचमरागश्रीरागः षष्ठोमेयम
ल्हारक एंकरागेवधुपंच पुत्राष्टप्रकाशिता॥२

॥रामकलिगौरीललित सिंधूरीगंधार वडहिंसोल
मल्हार नैरउकीवरनारि २ कामदकरात्रुआसा
वरी टोडी निंवपलाश मालूमालवकउयकि एवह
पिंह विलायाग्ने विलावलबंकहंस्पिंनी।कर्नाटीका
स्मोल केदारउक्तिनास्रोकों नारिहिंदिलरूपानि ४ वं
गलनीवधारविंद वयराडीमल्हार सूहउचरसवि
हागडउ दीपकजानआश्वार ५ मालीगउडउगुनक
रि देवकुंपंचमनाम मधमाधवीधनासरी मेघरा
ग हिंडोलमरु ६ नटनारायण गूजरी देसाख बरवा
ग आसावरीसारंगवयंत वामनाग श्रीराम ६ इति
श्रीरामसागर बहरागमा●लीरागगण। समाप्तोयम्
परिहृर्लिचितनागे काकः कूंनोदकं पिबति स्वाधीनेव
कजत्रे मूर्खः परदारे भूरमति १ सुनाहितस्यस्वाद
द स्वर्गस्यालजितासुधा शात्मेकवितम्नीता हण
नृहकांतिस्वकरा १ इतिश्रुत्वाब्धिवमृमितिवेस्म २

॥ छप्पय ॥ प्रणवत्ति विधि जिन पास ताप तर पाप
हरन तन गहन गमत जिह गलिंन सुमनन जकरन
अमर असम दलिद गहन दुख दमन हरन तम जिह उ
रथ गहे कमव दलन दुग्ग डर आनन मउमे चर
आगहे सुख करन करन अंतन सुजय चरन यु
गल जिनवर संचित त्रय हरन अष्ट मन तज भ्रम
न कोष्ट्री मलिन रोग हसु कित १ दुहा रोग सुकित
जल जलण हर तस्कर पिलऊ ताप वन हरि एण
अहि रिण अवधि जिनवर करऊ रजाप १ छप्प
यः करि निरोग तन कलित चलित असक नन ह
बिनचित सीस खल दुष असहत पीन कठमाल र
गत पित्त कोष्ट गलित हियऊ कक सुक तन उरप
रस्मासीय सोफज लोदर सीत धरन बिसउरम
कध्मीय तन त्रिय लग लित कुयरु धिरतप
विवधवात गंठ जगबलन तिहे वारज पतवा मा
चुतन मदत गमत रोग हम जिन १ गुहि रउदधि

गंभीर वनकधनपीतलोलवस्त्र सक लनरलधनश्य
न करनमंगलकहपोलकच्छ चडलस्यकलपस्वपल.
विडलतिहेवाउस्तुवजिय ग जियउदधिगंभीर पीत
मऊलमरसुंपजिय घनघोरस्म घनजलधरघररक
रस्वपलवादलफेरे तिहवारजप लवामासुतन त्रि
विधपोलजलनिधिलरे~ दावानलवनदहलै लप
ट विऊं तरवरु लगाह कपटस्वपलखगकपत दप।
।~टहरी तक अदगाह चमलमृगास्तुरलगत बथमृ
गयजगजनश्रह चीतांकं फ हतुकत करतजीयब
ऊकरकफह सरसुक तलणतजलथलस्तुपल
कथलदाहदरविकरिय तिहवाउं कपतदाहस्तुजल
लकरियउं करियदेषवनहिरन इगाविकरालवप
नदह ष्टुंबकेरवपकज गुंजहच्यलधरपटगह गण
णजेमघनगगनं सघनघोरस्म करस्पाजिय जरड।
फाडजबाड नरडदेमृग बागनजिय तिहवारकाल
सांकणउर तनरहवाटक्रूलतनिपट तिहवारजप१०

॥स्याल व्याल विकराल रोक्रं अंबर छब कं दिय ३२४

६ कैंस्नीत वार हैं विकट ४ वन अरण्य दिन वाट क्षत्र
घन तरु अरु वंगिरू भुजकने ऊरजल बलल गह
कत हांवीर सुगजीय च १ लस घन घनच मक ओप
कंकाच छवजीय हियहोत गिथल कर सुकनक
तस्कर वल विकं अरत कह तिहवा ० हाक होतत
रहकह ५ मैंगलम दकर मले रतल गविकट अस्र।
झिय पहांमद्कर प्रगट सुंम बऊच पलसु ८ ।
देस्पलजुज देह पेषतन गिरवंर प्पि हरह फिल
तरुपर फुकत करतगल विकट सुखिलह: ति
दषनरनध्रस चपलतिह करनकोन करुनहक
न: तिहवा ७ सुनाल नजयह स्मरनदु प्रबलमा।
लविषडेज: गुंजकुण अभरसु अगह अभिग
लगातप अकर मकर कर खितम गह चपल
हतनच पल ध्रसल जिहितर खरधु जाह ज्वलह
लजलजंत गुहि रना स्वांसुर ऊजाह करकोध ल्गा
नरपर विकल अभिग वाट मजाह अरे तिहवा०
हमंत मंत अहिफर हरें ७ समरजुह द्कुरुस घन

उद्दघननालखुगज्ञीय मज्ञीयसुनहस्थीर विक
टरिलतालखुवज्ञीय ध्रुज्ञीयघरहरअरन षदगकर
तनषलपहह हुहस्परलोहडीकत नमकवहस्थ
स्पुमहह मिलघोरमघनपंकापलंमवह ववहके
मनरघटविकट तिहवाठ नमलहोततनखुषनिकट
टकलमानमलहोलखुषनिकट विकटवखुनीत।
निवारनः तारननिजजिनसंत संतकारनेजखुष
मरन जणवतेवीयमपास आनंवामाखुतंअम
ह अथयेनकुलइंडःजपतनहआपतजमह।
सुषदेनसवजनयनिवजयखुः याकुलखुन जिन
वरअवन सुषमदाक्षाविजेमयनः कुलकृपा
अजेविनकवन८ इतिश्रीपार्श्वनाथजीछंदसंपूर्ण ॥ रे=
हृग॥ आदयुगाद्य ईश्वरी अनहदमवहदेपाहः सं अ=
ताकुंतमिलसांमली विरदवान ईवाह विपुरनिवुज
नतारणी जगमेंकलाउजाम्यः परातषपरवाहरवे
आईसरणआपर कविता आमहरअंबाय से

वयुगम्वरणञ्जधरि: कंटकनांजकपाल: तहतस्वंतां। निजतारै स्थावहियक्सिवाय्य ध्यांनत्रुअनिरमजधरे वाटघाटविकराज विषमक्सिहथंनिवारै निजविर दमायगमियेनही अकलतारनहजाइये करकृपा यंतनिजकालिका आईस्थाद्रि आइये १ हृहाय्याद्दह आवेयोमणी वीस्महथिवाहखेग्ग योतियुगदेजाल पा तपतत्रुहारितेग४ गंगप्रवाहकवियांगुली देणी। भुवस्थदेव अलयुमतीत्रजनहलपे नगतांकोछिक्र नेव४ योगणजोतअगमजग: नोजणयोकनगत स्थिनवेन्धिरीळवै:यत्रांदेटस्पगत:५ छंदत्रोटक । सत्रदेटस्थवालीयरवगस्पद: हहतेजतुजालिय वष्पहत नवरंगनवेरतध्यायनरा: पजपिंनवक्के बजऐनपरा १ अणपारप्रवाह अगम्म अर्घा प रवालियक्षेकाहरपबां अस्पहतजतीप्रिथत्र। लअघे: रगतालीयंजगविरदरषे २ घनचंदन। केसरधूपघण वरणालियसगतरंगवण वपदं

गअषलसुविथपलां जसजावकसीहतरंगजलां क
सकंचनजेहडनंगकणां घणलटीयसुघरघोरघणां ४
डगविंदसकोमलकेलदलां वहदेषतनजडरंगवलां
नहविंदसवालीयरंगवलं नलरतहिंडलसुवटनलंप
कदलीमजसुंदसजेघकहं लडलछिरसमओपम
लहा घणहरनिलेबसमंपघलं जलतिछवकेहर
लंकनलं तहनिवलओपतवटलही जमुनाजलगं।
गबलकजही सयनमलचकबिसुघाटसही कंठजे
मकपीतसुकवकही७ अकलेकवदनमयंकसषां
चरतांलीयहह६करार'चषां नरचूंहरभमरगुंजन
'ली अदनूतथवुपचूकट अली८ नलसीससचेण
चयलनलां मकुरलीयमोगनरीसमलां फबअल
कवासिगरंगफबे: थरकंफलकांनसजोतधबें ९
फबचीरसुवेगसरंनफबी नववनमदधिसुतपोयन
बी जहकंचुकजपरनगजहै अबीयसहुजपसहर
अडे१० गलहारथसिजिरगंगभरा लहसोह

तमीतिलरा जगमगीयजीतजमावजगै जपटेन
जतारनवृंदजगै ५९ वपयेवनवेममरेगवणी कणी
यावजमोजतजेमकणी: मदमत्रेमवालियजोर
मह चरवाचरबेलणचूंपचहा ६० वरबाचनवीर
महाकवके: बणलटीय चोमटजोगवके: जरण
जाईमदमहजरे: कजमजाकंकालीयकेजकें
६१ मतवालणमदमुगंधमहे वरमाइवमीरजुंम
दवहै घणनेवजचावर मेम घणा: मदजपरनुक्म
जमुधमणा ६२ महचोमवियोगणवीरमबे: हक
हकककरंतहळकहबे: फरगटकरंतनीरतफजी:
कहमेरवनावतमीरकजी ६३ ॥ मीरकजी
नावतमहा: जोगणजाजीजोत चोमविजोगण
वीरवह: ईलिमकहोतउद्योत ६४ मुरमाजेमा
ऐमकज महमायंदियमाम: अमरचिंतकहै
आपमुरव त्रितुराकोपेतांम ६५ माकणदेतांम
जमकज: वपराजीमगहवे वेकहजअक

विकटवप मारणदैतांमझ १८ भ्रूमलोचनधरधाफ वी।
नाहसुलदसनूर वेषसुराणीपरगटा करज्गन्नूकट
कंरूर १९ बंदत्रोटक॥कैरवगवंककटाटकरीः ध्ड
दैत्यपगाफणस्तलधरी चक विहरकायरहियवणेः वी
रहथअसुरसजुधवणेः २० थहथाटदरगहभ्रोण॥
थहे गयघूमरवा जमराजगहे अनहदसबदसु।
फोजअगे नृकटालचपूं अगदेतननेगेः २१ महताज
नेर्बलनाचहे धरहाकथडहठेमेरमहेः घणनाल
अगाजगगन घुरेः जमनोभ्यमहाबजनदजुरे २२ म
चमासकयंत किलकमवेः रहचकविकदसदेवी।
रवेः हकहककलहचदेसहके वहजोधबराबरर
गंबके रुवपरिंठषडहडरदवजे गरलैघणघोल
करीसगजेः उरठठतफालविहंगउडे पस्यांकनिड
अपर्तापडे २३ पगफाटनियरअफगवहे गरजंता
मयंगलमोणगहे वकजाफजबाफदवो   रु

मुंस थ पाळ त्रिनाम थडा २५ ततकार त्रिहूर तस्सूलतकै
धधकास्नवांतीय देसथके: षगषेलस्किंदंज अथगष
पे: कटचीस्तमाकरीमंगकपे २६ कज़क्क तरबीतंस
सजाकबांण वहेतिरबक्क बुगद जवांण वरक्किकहअ
वधवासवेपे: हदहथत्रिपुरस्यदेसहपे: २७ बहषाय
उबाल्लीयकचषडा क्क लगावायतवि त्रुंमवडा ह
यहिंसहणकीयत्रूहहकां धमरोलधमक्कपमंतधकां
२८ करभूमरलोवनहम्कक्हे: गरजावमविजल
बागगहे म्बमकरस्येलत्रिनागमहे मतवालअे
राक अथगमहे २९ नषरालसुमहाजिकेनिकंय।
वमहथजस्येलग्रहलां क्किरा रणतालवसंतजबे।
तरमे जमकेफपतंगजूंदीपल्लमे ३० गटकाजियेंदे
सकरेगटका बमग्रीफणमंसमेरबटका चडसूंज
तनजसजुजल्ली तरंवारफडीकडजायतवी ३१
पुडपीस्तुपिंमदयरपडे अरलोटतरेरमेंउरअ
मे: रलजेममतीराईकंमरडे: करहक्कोलाहक्को

नकन्हे ३२ मचक्काऽरवमाम्पमैमद्यामदं नमकंतघलक्की
नीरनदं मचघोरऽअंधारअथगामचै. नहनककजा
लदेवबहे ३३ घटमोहमहम्मनम्मत्रघरा: पजकंगस
ोटकरंतपरा गलफाँजरलबरलगोले नषराल
ाडैंलजब गाहले ३४ चमकै घेनहांमणघृगाचला वा
ऽबाहतलो हविकटवला गजऽनारपगाहऽअपाहगु
हे रणमफ असुरकाणलहडे: ३५ जयबपनगना।
पयोगिलुटे घणऽवाबियलोहदहगघुटे करम्मायक
ारऽअपीम्पकड्डे पगभ्रम्मविकटकुलटपके ३६ पा।
उक्कगलयीटवोध्वारपड्डे थकरं कंटलहम्मोलधडे
फटफिंफरजेमकपाम्पफटै: घृणतफ्फुरंपतहेस
घटे ३७ करहक्कोयनारदऽसकरै बिलकारतघेत
रपालबरे पथरे ऽअमराजयदेलपरे नषक्कोग्र
टजोगणपत्रऽरै ३८ करकोनहजोगणऽसकरै प
ऽरेजमम्मातमगुडपरे अलवाचविरहहवेदवा।
के: धरहेस अगमपवाहधके ३९ हजम्मिंननि।

संनवजोध अणां नमनपर घालकरंतनबां रतरा
तबीज अबीजरषै चरवापुंनपुंनमचकवषै ८०
घण अग्रुरनांजकपारघडाः दहविदनमगषमग
मदडा अमराल उथेल अलग अप धणयां
सुरपत अप्पधरा ८१ प्रतपालहसंतकरे अपणाः
करकोमकसोंणनहीकमणाः डुषदाटदरदहदुय
दहेःगणसंतउरांमफरंगगहे ८२ कजस्या। गह
कसंतसुरांजा कांजस्याफणकंका।जी धूमरजे
चुनक्षाद त्रिपटरिणतोमणताली चाव्रीमूत्रवां
मुंहःडुष्टधर अस्रुरांदजीया: संतनिवाजणसुम
तमांणसुररंगांमिलिया: सुषदयणसदा संतां।
सरस्र धालियांलीनितध्याइये करजोमपदम
विजयकहे प्रबलबुद्धिरिद्धपाइये ८२ इतिश्री
माताजीरोबंदसंपूरणम्।लिखुजावविजयेन।।
श्रीकः जीवंतमेशत्रुगणासदैव जेषांप्रशान्तिनवि
चिद्ग लोहं यदा २ मांनजते विकार तदा २ मांप्रति।

बोधयंति ३ वक्तामोह्यतेविद्वान् दंतीछादनमस्म
ना अधमाअष्टहास्येन नह्यंतिमुनिश्वरा:४ जो।
जामेनिसदिनरहे सोतामेपरवीन गजमुखसरि
तालेचले सनमुखचालेमीन ५ विग्रहस्तंतिसूरा:
वैद्यास्त्वमाधिपीडितालोका: पुस्तकव्यग्रा विप्रा:
तेमस्मुनिस्तुंवनिर्ग्रंथा: ६ आदरकेनूंबेप्यारकेपा
यदारउर्जनकेउपरांईमजानकेंप्यारहे चाहेतामें
वेरमचाहेताकेबांतीशालेंवाछुरकेचाकर ठंरमीत
परप्यारहे चाकरकेचाकरसूबअसूरंतकेनफरव्या
वीनीकीवातनकेरसिकरिझवारहे कहेतकरीमह
मदपताकेवागीसुंबकेपमाई एयेनीकेकिरत
रहे ७ आदरकेनूंबेनिठुरसुरहतरहे वेहसजगकोनि
बुंकफिरेमनमुलेहे पताकंआसीमदेतसूबकोन
वांमलेतजिनसुंगरजनांहिसोतोमनमलेहे वहेहे।।
तोआपनकं

तोगुनिजोकलनलैहै कहाएकदेसगाउ कहाएक
रांणाराउएकदरमुंदेतो हजारदरसुलैहै २ फूलेफलै
नवेनयद्यपिघनवसैस्फधा मूरखहृदयअचेतजोगु
रुमिलैविरंचिसत १ यस्यनास्तिस्वयंप्रज्ञा शास्त्रं
तस्यकरोतिकिं लोचनाभ्यांविहीनस्यदर्पणंकिंक
रिष्यति १ कवित्त॥ देषैअनदेषैउपदार्थनिए
मुषदानसूक तनआंम्हमुषधोयवोतरंपस्यो पं
निपांननीजनंस्यज्ञानउकजननसूलेदेवउजनजो
कउरतबरंपसौ लाजकोनपापकलपरतनै
पलएकहरणयोनैहनयोनैहनोरंपस्यो होतो
कोअजांनतोनजांनतोएतिम्मथाएरेजीयजा
नस्पारोजांनवोगरेंपस्यो २ धीरजमोचनलोच
नलोलविलोककेजोवकोजीकविहूटी सूटग
दस्मुतपानकेकेअवस्थापअनेकविमेषकोस्य
टी वोहदईमिउतान्नवकांममनोरथकेरथ

कीगंतछुटी कौंन करें करताइकनारयो वित
योजिहांवार विछुटी २ एकहाक्रों चितचाहायें
तुरलोवीचहगाकोपरेंवोह्नाको मानकयोतन।
वेचकेंप्यारेकीरकहापरभावनोनाक्रो कहेंवा
ऊरकोमनहीमबकोवहांलाषहें एकमबीनहे में
ताको मीतकहाकरवैमें लगें करकेंइकउरनि
निजर
नावनोवांको २ वदनमूनाकहेकवनकवन
जापिताकेहावे वहयोगासनकवनअकीगठ
कवनछहावे टपदमकोकहानोम रुकमकहे
कवनपरबें कहाहैठलकुकहेत होतकहामयन
तुरमें ओहहचैकें अंतपरहरपवर भ्मान।
ररलमक भ्मावला कविलासकहे मंगलबु
ननयो पामजी एवला २ एकममेंमवहोपत
दीनिजपीहरजानकीसुधलियें वाहनसिंघ
ढिउमया अवलाषपितामिल २

[illegible] ज्याने केया वयपान दार्यान स्टेटह
मग जानन [illegible] सुना [illegible] घव पोगज
ऐ नवलाक हेमि असुजो न सुना [illegible] प्राणकानरज
कुम्पा [illegible] सुजि [illegible] जीनको सवा
[illegible] करनग देय [illegible] सवाद [illegible]
[illegible] संपतिको सवाद [illegible] मनको [illegible]
[illegible] सवाद मवको मन [illegible]
[illegible] निरामपास्रा [illegible]
[illegible] सवाद [illegible] पानको सवाद [illegible]
सवादको [illegible] पटठ [illegible]
उरनके [illegible] ताकटेवटाकमारी [illegible]
कक [illegible] गारस [illegible]
की [illegible] वरस [illegible] नतकोकि
[illegible] वीज [illegible] नजावनकाजो
[illegible] ताकवीजा [illegible]
राजेका [illegible] कनमारकं [illegible]

× दहिकेष्टालतवसीमदीमव रेगी। मेराकलोमानेरी ऽ जगाजाणे
हियनार ×२×

करकी १ पाइहैं सूरनताकाहरनकरगातआवे
तेरेताइदेष्यांकोउकेसेधीरयरेगो दवकीसूणर
प्याराद्या ऊनआवेतोयं मानवके मारेतेरो कौन
काजसरेगो कहेकविजुअवंतरायऽनरापसारजे
जेवेटऊंऊंणकलाजेवेटऊकेदेषाकोउपेटसान्
मरेगो॥१॥ यामुषपाणीमांगीये तामुषकणीहोय
पाणीमांणीवाहिरे पायनमकेकोय १ नेणकेरीवी
नगति किणहिलषीनहिजाय लाषलोककोंनेह
कर सबनेहपेजाय २ जैसेंनांहनेहिरणीये जे
चीनांहनीद्वव वडेधासकटजातहे धीवरु
वकोरव १ मनेडया॥ मूरषकों हितवातइमीमु
रषमुषमांहिसुभारसदीनो कालरमेंजल।
ज्योंवरषेहरषेनहीकूं आतेहपीवो ग्यानविना

अवयौतनओषतसूर विनांअंगरामकोकी
लो ज्योंबधिराककेवीनवीजेद्रिगहीनकेंआ
गेज्योंनाटनटीकोर १॥ छप्पय॥ ५२ ओगनप
रिहरिगुनवंतगुनओई चित्तकोमलनितर
रूवजाकेनहीकोई यसवचनमुखकहै -
गुनआपनबोजे सुउक्तवचनपरतीत वि
सथेकबेनफोले बोलेसुवेनपरनिष्ठसुन
हवेंनअवस्रुषकरै कोऐवंदवमतजगफै
ले ऐंसुनावजज्ञानधरै १ यरनांवजेसुठो
नाजजगलोपेनही बोधांऊपरबांण
नेंगमियेंनही १ नादवटकेकाकरो टलो
टकेनेंण क्वनषटकेंवावरो गयोषटकें
यंण

॥नन्नलालीवालीनिस्रा चटकालीधुनिकान रि
तपालीआलीऽनंत आघेवनमाजीन१ कोचाहलहे
विहुरवी कलेहहरकोसाथ सजान विहुरनफिरमि
लन अलोहकके हाथ१ वीछडतांमयणांथकी भा
स्मयलज्यंदोह परमेस्वरपाडेरषे वाल्हांतणा वि।
छोह२ नीरवारतरवारतिम नेत्रंतुषारंनेरिस। एतावो
लेजिमवले वालणहारविरोष३ मेंजोयोघनवर।
स्म्मी डुंगरजाम्बीरल चांवविक्रंणे कागले चूंपी।
नागरवेल१ मंतंश्वंपुश्वश्वविरक्तचित्ता विप्राः ऋषि
श्रांअपिराजकीया किंकिंकिमिछंति तथेवयंवेनिछं।
तिकिं माधवदाघयानं१ कः खेनाति हतो निस्याचरपतिः
केनंबुधीनिष्ठितः कः कीदृश२ तस्यणी विलास्यगमनं कोना
मराज्ञाप्रियः किंपत्रंटपतेः कि पक्ष

र मद्गस्मोत्तरमध्ममात्तरपर्द दस्तेनवाशीर्ष्वि १ हेझंबे
गन्दनिगन्द गदमध्मेनझीवेयणाकिंचि भत्तीएह्सुलावो
चेषेतस्सवेयणाहोई १ विदितंननुकंदगतेहृदयं दयि
ताधरचुंबनलुब्धश्च वनिताकरतामरसाविहतः पति
तपतिवउनरोसतति १ अपिस्पकाश्चिकस्क्ररी पामरैः
पेकस्मकया अजेखेदेनन्द्रपाला किंनसंविमहातले २
डिगजरक्षतदृटतऊटंब जुरतवुउरचितमीत परतगी
ठउजनहीयेदरस्नईइहरीत १ अनुपमपंडितको
वचन ओप्यरविननसुहात राजयीतविनझ
गनिको तिजतपन्नसोनजात १ येनपस्रो ही
जानिये विगरीलेतसुधार यरयक्रुणकीहारमे
नीबूकोरयमार २ ओपीवेवुधऊपजे योपहि
लाहिजहोय कारजसुधरेआपणो कुऊनह
येनकोयर कविता॥ अहिपयालमृग

जकुहरगिर मृग अरुणवर कमलसलिल
भृंगी मृनाल गज सिंग भुराल सिर अलगम।
धवषवदनाश्रीं हकें चगावनवलगिय श्रि।
याललितलोंवलत दिलअंतर गलनगिय।
रूपमान तवित अधिकाइ इह कालबनक
हियेंवंरन चतहुरचमान बंकननथे गम
नहर अपथवा मरन १॥ मधुर ववननतें जातमि
ट उतपजत अभिमान तनक मीन जलके
मिलै. जैसें दूध उपान १ दुष्टन को हि उष्टता।
कैसें कं मिष देत भोएकं सोवेर के काजरही
तनसेत २ जिह अस्पंग दुबनलगे तजिये।
ताको साथ मदिरा मांनत है जगत दुधक.
सिछ्या १

अतहीसरलनजाजिये देषोज्यूंवनराय।
सीधे२बैठीये वांकैतेक्वजाय४उद्यमक
छुटनबढिये परआयाकैमोर गागरके
अंफोरिये उद्योदेषपयोर५कारज।
धीरेहोतहै काहैहोतअधीर समेपा।
यतरवरफलै केतोसीचोनीर६स्येयो
बोटौंहीलजो जासोगरजसराय कोजै
कहापयोधरकूं जातेप्यासनजाय ७
कहियेंवातप्रमांनकी जातेसुधरैका
ज फीकोथोरकूंनते अधिकोषारोन
जप क्रतप्रेमकीराषीये अपनेमन

हिंमाहिं जैसेमायाकूपकी बाहिरनिकसें।
नांहि ९ नलिकरलागेविलंब विलंबन।
तुरेविचार सुवनवनावतदिनलगे बहुत
नलगे वार १० विनसतवारनलागहि ज्ञैन
रकोप्रीत अंबरडंबर प्रातके सुपनूकोभै
व ११ कूवरु ऐसोबोजाये सांचबरावेरहि
य जूंगुरीतस्नेतपर चंदवतावेकोय १२
अंतर अंगुरीप्यारको सांचकूवपेहोय सब
मानेदेवीकेहे सुनीनमानेकोय १३ निवहेसो
हकीजाये पनअपनेउनमान कैसेहीनगर
बपेराजाकोसोदीन १४ डेरक हीले हीले हैका

रजसिकनि रांन चढिधनुषकुनांचले किनां
वजाएबांन ५ हीयेहु ढकेकरनतें मधुरन
निकस्येंवात जैयेंकरवी।वेजतें कोमीगे
फजषात १६ टूटेक्वन मिलापमें कहत
तरस्पन्नेग वानवजतस्योंतारके टटेरहत
नश्रेग ७ पंदितअरु वनिताजती सो
नितश्राश्रयपाय हैंमानिकबकंमाल
को हेमजटितछिबबाय १८ आयांआ
रतांकरे पीबिजेतमनाय घरआयेहूजे
नऽही वांईहूजनजाय १९ अपनेस्पमय
पर सबकोआदरहोय जोजनप्यारोनृष
में तिसमेंप्यारोतोय २० सबकुंआजेहोयके

कबहूंनकरियेंबात सुधरेकाजसमानकाज। किरिगारीबात २१ सज्जनकेंप्रीयवचनतें मन संताप मिटजाय जैसेंचंदनतीरतें तापहोतन। कोजाय २२ प्रभुकोंचिंतासबनकी आप। ककरीयेंनांहिं जनमअगावकरतेंहे दूधप्र लयनमांहिं २३ सज्जनकोईजांनीये रहेविप तकेसंग तनछायाज्यूंधूपमें रहेंसाथइकरंग २४ जठरनरकेपेटमें रहेनमोटीबात आधसेर केपात्रमें केसेंसेरसमात २५ गुरुमंत्रगिरु वेविनाकोनकरावसर्वकेन ध्यातपात्रविनहेम। केवाघनहुभरहेन २६ कवकप्रीतनजोरि यें जोरतोरीयेंनांहिं जोतोरेंजो० ८

परतगुनमांहि२७ जबैनरकेचित्तमैं प्रेमन
स्योजाय जैसैंसागरकोसलिल गागरमैन।
समाय२८ गुनिहोयश्रमकष्टकरि जहेरा
दरबार वेधबंधमुकतायहै तउउरहार।
२२९ अगमपंथहेप्रेमको जहांवक्रताह्नै
नांहि जोपनकेपावेफिरे त्रिभुवनपतिवनमां
हि३० कबक्रूकूवीवातको जेकरिहैपष
पात कूवेसंगकूवीपरत फिरपीवेपिवतो
न३१ विगरनहारीवस्तको कहोसुधारे
कोन नारपयरुजरायकें मिस्रीजोरे८
सुनियेसबहाकाकरी कारियेसुहित
ट यरवलोकराजीरहै योनकरोउपचार२
जनमतहोपावतनहीं नजावुरिकोऊवात:

चूकतरपाईयें सोंसौंसफलजात ३४ प्यारी।
अनप्यारीजगें सबैंपायसबवात सुपसुहावे
सीतमें श्री बनमेंनसुहात ३५ सरस्वतिकेंनें
मारकी बनी अधरखवात ज्योंबरखें सोंसोंव
षै बिनबरखेंघटजात ३६ विरहपीरआकुल
सबैं आयोपीतमगेह जैसेंआवतनागतें आ
गजगीपरमेह ३७ ढेबनकें सुंदरलगें उरमेंक।
पटविषाद ईंधयनकेंफलनसम नौलरमटक।
सवाद ३८ एक अभेरपढे ज्योंनेग्रंथविचार
पगहिरवाजतां डुंहचेंवोसहजार ३९ जलेकुं
कुंसोकरत उपगारीउपगार तरुवरछायाकर
तहे नीकेंवनविचार ४० एक रसुंलगरहे

अलौकिक सनबंध चौज़ी हौंवन ज्यूँ रसो ज
गत जंकौ राबंध ४१ करियें सजा सुहावतो
सुषतें वचन प्रकास विन सपकें सिसुपाल
कें वचन तजयो विनास ४२ तन धन कुल
लाज के जतन करत जे धीर टकरकै गिर
तपें मुँह फेर तन ही धीर ४३ कहो कहो वि
कौऽवधि जू जे परम प्रवीन मूरष कैं सप
हूई पंडित संपति हीन ४४ वहू संपत कि
कांम की जन काकूं पे होय नाव कमावे
करि विजयें उरकू कोय ४५ यो निवाहय
जगत की रसरिस हेत ऽहेत एक रूपें लेत
एक रूपें देत ४६ जे बुरा है तें हरैं रामौ वा
सो हू जांनत है पें उ छ्के ओउनकहैं न

देषतहैजगजानेहै तउमनतासुं मेलजा
नतहीयाजगतको देषतन्रची देज
निमन्नि षटकनतनक विनु परेन्तु
ओषनिमेहि लिनमेंमनजानसपिय औ
नहषटकतजाहि ८८ जिनुंननहि नि
हारत चनरसनआय निरत
गोरी मेनकी बोरी ... ८९ मन
मनकें करपीज विं ... मोहि
कार ... ओपाय
किया ... नान
एकपीन्र ...
पानकहे ...

चारियें होयजुलिछोनम्रीव चलगुल
काचकथीरस्यों हूरतरलीगरीव ५२
ष्याजोगसबमिलतहे जोविधलिष्यो
रूर चलगुलजोगगवारिनी रोनपो
हूर ५४ तोतनगरविसुमम्यो सुज
जोरणतोय लेगोरीअपकीलकी तोल
अहलकोहोय ५५ रसियांसुंरसियामिलि
केवलतिहांगुणगोर होयेन
कहणनावेहोव ५६ फेजांम्योज्यमरजिर
हि तवमेकीयीजसंग एकवारके
वनेउरगायेरंगपतंग १

श्रो रसिक विद्या बल बुध मन हरिय ८ रस विनोद किकथा वचन सुलसु लाउ जग वसिकरिय २ जाचक लघु पद लहे उरक लंक पद लोली कर जस लहे अयस। लाज बीज हैं गद उलत लहे निपात उछपर। दोष लहैं तक उमनविकलता लहे लहैं सं। सै जुर है चकि अपमान लहे निरधन कुरूप कारी बकर संकर लहे जो कहे सहज कर कस वचन सो जग अप्रियता लहे ४ सि थिल मूल दिढ करै ढ़ लखूंटें जल सिंचे ऊ रध फरनवाइं चूपि गत कर घसिंचै जेम

डा

लीनपुरमाहि टेकदे तिन्हें है सुधारइ
कुमांकंटकगलितपत्रबाढिसुनिमारइ
लघुहद्धकरे थेदेथुगलकाडियंवारिफल
लेषे मालीसमांनजोहपचतुरसोविलये
संपतिञ्जेषे ५ मूलतपश्रीमस्तकतीड।
इमालीशहस्थनर नरनायकआलस्य
बिउलधनवंतरूपनकर धरमीउस्थह
सुनाउवैहपावीअधरमर नपराधीन।
सुविवंतद्रविपालकनिरदेयहतरो
गीदारिद्रपीडितउफबद्धना।
दचित एतेविंबसंस्फारमाहि–

ऊंधि:कारनित ९ आतधर्मचिंतवेमदजा
दितमंत्रविचारे चरचजाइकउंओरदेश।
उरव्रजामंजारे रागदेषहियगो ए
मृत्यमनबोलें यमिंवोरपहिचांनकरिन
कोमलगुनबोलें निजजतनकेस्यंवेर
न न्यायमित्रअरियपगिणें रनमहि
कहियसंचरेयोनरिदरउदजहेनें ७ ऊ
पनभुजिजमहेनें कोपादिप्रीतिविगोर
हीं विधंयेस्पस चकभामयादितोरें
मनधनक्षयकेरें विपदथिरतापदगार
मोहमरोरेज्ञान विषयसुखध्यानविमोरे
अतिमानविछेदेविनयगुन पिस्तुनक।

का

मंदन अखलमुरख मतिमंदनकविक ।
साधुमंदनसमाधिछष चुजबलसमस्त
मंदनस्त्री शहपतिमंदनवित्तलछन
न सिधंतरूविर्यंतकहे कायामंदनलव
नघन १० ध्यानवंतहतगहे निधनपरिवार
वधावे विधवाकरेयुमानधनीसेवकहो
इआवे द्वजनसमकेधर्मनारिनरताअ
पुत्रानें पंडितकिरियाहीनराजरबुधि
वाने कुलवंतकुरूपकुलविषितजेबं
धुनमानेबंधुहित सम्पासधारिधनसंग
हे एजगमेमूरखबहित ॥११॥ सं १८८६
पोषवदि ७ लि गुजानविजयेन ।श्री

।। मनरज्ञानअज्ञानघण मअजत।
स्वामिसअनेक जायेंविपताकार्डाय
सोलाभतमेंएक १हिणलाभजीवनम
रण नरकायरभतहेय हपसुपर्यव
तवेवसु करताकरैयोनिय॰ [illegible]
हतमच्चाहि गरजरण [illegible]
[illegible]

राध्रतोपिनृपतिःपरित्यंकनीया अंकग
तापितस्मणिपरिरक्षणीया शास्त्रेनृपैव
युक्तोवक्तःस्थिरत्वद् १ ६गाथाजद्
लोनमे बोलेवीरकबोण वीद्दतलट
२ रीतानमे बोलेवचनप्रमाण १ ॥
॥ अथज्रुकमांनहकीप्रतक्तंन
पद्तकरतहै॥ ज्रुबा।परदांनीका
वहनक्तंण।कत्यामारपके अस्
नमारे।२।ज्रुबाजलाडक्तंण।कहा
आगलाबुराहोयलोआपबुराहै

नांकरे।२॥ पुछा। जीवतत्वमेंहथाको
ण। कह्या। नलाइकरमको। अमनो।
करीये।२। पुछा। किलनेंज्ञकप।
मानीये। कह्या। इतराज्ञकम॥ पहि
लानोश्रीपरमेश्वरको: दुजोअया
नाको: तीजोमातापिताको।८। पु
छा। मोतसुंबुराक्या। कह्या। दालिद्र
।५॥ पुछा। कोणवात: लोगांऊंब
राबकरे: कह्या। अन

बो। अथवा क्र दियाबकोजरवो। ६।
उक्ता। भुवारिकुणवातसुंहोय। कल्य
कलहसुं। अथवा फियादसुं॥ ७॥
उक्ता। फिकरकोनवातसें होय। क
ल्या। अकेलाइसें। ८। उक्ता। कुबुद्व
कीनिसांणीकोण: कल्या विद्यरमी॥ ९॥
उक्ता। बुद्धिताइकोनकाटे। कल्या।
लालच॥ १०॥ उक्ता। संस्यारसेंजली
वस्तकोण: कल्या। विनामतलबसु
नरमाई॥ ११॥ उक्ता। मस्लतकुण

कंइलीयें। कह्या। जिनमैंतीनगुण
य: पेहलीक्षमा॥१॥ दुजेनलेन
अंगीर तीजेमक लगुणसंइलो॥२
उब्राराजाकणर्कं इरराषे। कह्या
अकलीकों। अमफ्दवेकां। अम
चुगलकों। अथवानवीवातचनावे
तिकों॥३॥ उब्राजलाइकोंणवा
तयेहाथत्रावे। पहिलीविनाला।
आदरदेण। दुजेदेणेविनांन



तीजेविनाघृतलवएरकिस्यीकाकां
मकरणा॥१४॥ ऊषाक्रणवातइस्य
रेविनानवैणे।कल्या।दिलतवंतकौ।
मम्लेतः पहिलीवाणकः दावबं।
जः अथवाधरमात्माधर्मः १५ ऊष
कोणवातजासुंप्पारकीयोकाहि।
ये।कप्पातीनवाता।पहिलीनीनपे
अनीतनकीजे१ इजेकोलंठीकर
बणः२ तीजेंग्यबयेंपिताबोलणा
३॥१६॥ ऊषा।विद्याग्यीबेतीक्या

णः कलावदा हो [illegible]
आवै ॥ ७॥ ब्रह्मा: [illegible]
बोटे होयतो निज [illegible]
ब्रह्मबैसें दील [illegible]
लाबुद्धिवंत ॥१९॥ [illegible]
निसांणी कौंण वा [illegible]
सूर्य्याणकर [illegible] ॥२०॥ [illegible]
ण आगलगा वण [illegible]
कलाक्रदकाबि [illegible] सुगनी
णः २१॥ सु [illegible] णा।

नांमजोकदेहिदिसेनहीकल्यामाव
स्यो॥२३॥ञुब्रावहकमवाइकोण
निदांनमीवी।कल्याधीरजा।२३॥ञु।
ब्रावहवातकोण:कदेहीञुरांणिन
होय:कल्याकीरतअथवाजस्य।२४
ञुब्रावहकांमकोणजोमबहोस्यो।
प्यारोलागे:कल्याइस्त्रीमोवस्त्रहोणे वै
॥२५॥ञुप्पावहकोणरोगजिसको
इजाजनहोय:कल्यावेअकलीको
२६॥ञुब्रावहकोणवलाईजिस

ओं। आरमीनाजेनही: कल्याणग
नगी: ३७॥ उब्रावहकोणनिकं।
चाईनीवतेनीनीवकलागुमान।
२७। उब्रावयतकोणजोमरह।
अथवा मेहरियोनापावे।कला।
यतशीलमीरा बोलणा॥
।जिनै

९॥ उब्रावहको..
कला

कलाक्वनवदांके॥३०॥तुम्राव
हकोंणवातमें।आपरजियपेनल
रन हीकलागरीबकपरजोरावरी॥
करली:३१॥सुकमानहकीपअप
नेउत्कैनय्य हतकरैहे।पुत्रपेहि
जातोआपरमेश्वरकुंपहिवांनोय
वजीवआपणीआत्माकरमानो
॥३२॥सुषडुषऋूषरपायबकीजा
नो:पारकोधनसुवर्णठगलवरार
रकरमानो॥: एतीनलछणउरूप

मेंहीय:परअस्त्रीमातासमानकर
जांणेसोजांणेसोपरमेस्वरजांणे:
जोकांमकरेसोनसीहतमाफक
करे: उरथोमाबोलो:उरलोकां
कोतोलसमझो: सबकाअंतक
रणवहिचोनो: अपणामनकीवा
तकिंणीसुंनकहणा: मित्र:तोटे:
लाहे: अटकजो: वेअकजीसुं
कबुधिसुंदूररहणा: बलगुल
:हचोनो: एकवांमसुधारे:।

एकविगाडेसोपहिचांनना: मस्त
तस्ययानांसुंकरो: अस्त्रीकोनेढ
नदेंण: वातवणयकरकलाक
रोमति: पिताकीजक्तिकरो: उरा
जावेघरजावोतोहाथजीज
टीविकोणेराषो: आदमीसुंपि
त्राइकरोतोपारषकरकरो: वि
नोपारषमित्राइकरतां
जे: कपडादेहपवित्रराषो: बेटा
ऊंपजवो: अप्टजस्त्रिषावो:।

बेटाकीसंगतिकुसंगतिहै।
परबो: निजररावो: जोमतो
कुसंगसीषि: बेटाकेलक्ष
बेजहांतांइगाफलमतोरा।
रमपरलोककेवास्तेसिव।
धरमकरो: इसइसलोकके।
लेकरो: मोक्षपावपोस
मावेपगपहरो जीमलेप
लेजतारो पहेलीमावोपग
लोकोमङ्कुरमावो: जि

या आप्मी होयतिय ऊंतिया कुर
पावो: उररात ऊं आसतें बोलो: दि
न ऊं मार तरफ जोयकर बोलो:
ए थ्योपा बोलीयें: जो वात आपऊं
न जीन लागे यो आगले ऊं नीनव
न लागे: कोप बुध सुपमलत मुंऊ
जे: बाजक सुं मित्राइ न कीजे: कि
यी की बेरा यत पर विस्तनरा वीजे
बरा पर ऐवाकी रोटी ऊपर विसरा
वीयें: नूंदस्यूं नलाइ न कीजे:

बिगरकांमकियांकांमकियांइम्र
मक्केनही: वदासुंवदावचनकही।
येनही: काजकोआसंगोकीजेन
ही: आयवालेकुंनिरायंकीजेन
ही: परघरबिनांपुलजबजाव
णानही: बीतिलदाईयाद्की
जेनही: आपणीवस्तकउरकी
वस्तसुंमिलाइयेनही: महरीम
स्दविवद्तपणांकीजेनही: अ

पणोमानशत्रुमित्रहिनदिषाइयें
कान्ह्रकीनिंदानकीजे: रातउघाडा
नस्तृइये: स्रूरजऊगेतेस्तृवेन
स्नुवाञ्जा (हिदेविसनीकीसंगत
सीजेनही: सोहोकरणोकृवेनो।
दिनञाथमंतेकीजेनही: ब
षपमापारपहिलीपांगीयोघो
घणोवेवीयें: नकेहीतो
बुवेवीयें: उरलमाइतोकांन

रमेनघातीये: बायाम्हइये: एआ
कोपनकीजे जिनपेआपसुवारी हो
य: गुमांनबोलीये: कोपपेवांमाफ
ककीजे: उरसबकीईजतराषी
ये: आपणीईजतरहे: उरकोई
कीहिमायतकयजेनही: जीम्यां
ऊपरस्नूंणकीबलषाइये: त्तो।
जनआदरविनांजीमीयेनही: जी
मतांपांणीपिजे: रातिअबाराषीयेन
हि

ट्वाराबेतोरोगऊपजे: अपणाउ
मत्रिपाइयें किसीसूं देषाइयेने
ही: बेटासुं पिणत्रिपाइये; नहीतर
बेटापरलहोयजावे: ऊंनरसीबे
नहीं: इसदेषनिजरऊंचीराषे:
ऊस्येगतसीषे: जिणवास्तेइस
कमावाकीराषवाकीपोहचहोय
तबउनकूं इसदेषाइये: जदि
नेदिजे: लुकमानहकीमअ
पणाबेटासुंकहताहे: बेटासु।

णा: कलयुगआवताहै: इसजीव
केरबवारिसुंण: स्याव:शील:जं
नर: इस:उद्यम: मीताबोलणा
शत्रुमित्रकामनपछिानना: इ
तैनेंअपणेंजीवकेरबवारेहै: ए
नयीहैनसुकमानएकीमअप
णाबेटासुंकहि जोनयीहैन
फककामकरयीयो·
जीतहोय:

॥सवइये॥ बरषारुतुआयअबां
नसबीकत्तोपीतमगोनकीयोअबह
सुनप्यारीअबेतयीहोयरहीसकुबे
नहवाजनयोरीदई विरहानलज्वाल।
उविरटैतैतनकेंतपेतेजईरीतनई बि
रकैोनगयोउनकोअंगनोबरषाअ
बीचहीसृकगई॥२॥ धनदेजीवक्केर
नीयें जीवदेरबीयेंलाज: जाणलाजपै
यदीजीयें एकप्रेमकेकाज॥२॥ दूरता
मेरेमित्रकीचपीरहतहिविरकहम
योअंतरपाछो मनमिजआवेनिर

विरहोजाघटचसतहे साघटकेसा
मांस हतनोहिउबस्लोबकान हादचं
मञ्रफसास १

૧	૬	૩	૧૦	૧૩	૧૬	૨૩	૨૦
૪	૧૧	૮	૧૫	૨૨	૧૯	૬૪	૧૭
૭	૨	૫	૧૨	૯	૧૪	૨૧	૨૪
૨૮	૫૧	૫૬	૪૫	૨૬	૩૫	૨૮	૬૩
૫૭	૪૪	૨૭	૫૦	૫૫	૪૨	૨૫	૩૪
૫૨	૨૯	૪૬	૪૩	૩૬	૩૯	૬૨	૪૧
૪૭	૫૮	૩૧	૫૪	૪૯	૬૦	૩૩	૩૮
૩૦	૫૩	૪૮	૫૯	૩૨	૩૭	૪૦	૬૧

पनापजकनवीरअट् वीतागंछिन।
रात:२मकरतांकुमयाकरोतोप्राप्त
हारिवात१जिहांर२अधिकअनेछ ति
हांर२कुषब्जेवीगुणी।एछनोत्रोपथ्यएछे
हूजअनेछनकीजीयैर२ ।।अधकरण
हारसुजांण नरअवअरसूके नहीं ऽव
यररोऽवस्यांण रहेउंमरलगराजिया र
साबेनअमयोउरअको अपानएकोसा
र तिणहूबेपाहणतिरे ऽपनि२वाहर४
अपेनहूकेसुघरनर कविकहतहैंकर
वउरनकेषटकेयघ अमेहूककोकक

॥विजियाकुंभंगायनिंजोयकांग्येचोट।
नमेंगुलाबकेनीरमेंतिरायधोयलीजीयें
केसरकिस्तूरिमिश्रिपतास्याजुंगमेना।
जायफलंनागरबेलरसदीजीयें।चंदन
कोघोराकबोटामकरानेकाकेंचनको
प्यालाचरणारियहिलपीजीये विजि।
याघोट२मार२चानीमोटवार२स्येक
रपेंवार२पीजीये १ मारतंहिबरतिड
फस्यांगजेहि८रतहिजबलेतपरोइ।
जोलमहिजगताकेसबीनिरषेविवउ
रस्योजातमरोइ।मानस्यकोमरनोहप

स्यो उमरांमकुं कोम्हरनो हकरोइ जहाँ
निहरत हो यकर मारत नैन कि धुंतरध
र फिरो ६९ सांवन मास जयो विसवा
कल हत २ अपनि फल पें वचजना।
रिकें हाथ सरसो तब कात वनाय कि।
योग तचे। बिपियारे गरेज की आंचल
हो ओ बिया फिट कार सहि मिक ले य
तनो ऊघ पाय जयो कपरा तब क्यूं तब्रि
लो लकरे कुवपो २॥ हरिजो महरीय
रुपावस अरुत आइ बोर रुगेर ततार ज्ञो
ले सार मध्यो वन में घमटा गहरा नि।

नमंगरपडिपोनीनपलांकेचमक२घ
रुजातघनमें पपियाकरतपीव२
।२८हेजीवकोकिलाकीकुकसुन
कुकउवीतनमें सावनकोरेंनमनमा
वनकेमेंवसुंघाकर१जलऊं२केली
स्याचुवनमें४।जैसेजलऊंकमल
चाहेकमलजऊंजपरचाहेमीनजोम
जचाहेस्यौताचाहेरामऊं
कनियाचाहेपावसऊंपपियाद
पतंगचाहेकामनिजोकामऊं।गिरव
रऊंमोरचाहेवंदऊं

रत्कैजमरस्वोहैपरदेशीज्योनांप्रऊं।जो
वजेंयेतनवोहेस्रूरक्तजोरणवोहेएस्ये
मरामनवोहेस्रादवेंद्रस्रूरक्तै १कवित्त
लंग्यकोवरईयाकहाजांनेवातराजकोघा
यकेकटईयाकहाजांनेकरदांनमे घोरे
कोघसईयाकहाजांनेतरबांधगधेको।।
जदईयाकहाजांनेसुरगपांनमे हलको
हकईयाकहाजांनेदरयांवबालीकोउ
हईयाकहाजांनेफूलपांनमे ऊंटसु
वहियतोप्यांनलअनेकविधनीवकह

॥कवित्त॥जईये जापा प्रजा के मानना वधाई कछु व
धत विचार प्रबनां तमह नोपरे उनैकी दुकान अब
दिक विन कौं कलेन कामजू कहै ताको मान गह नों
परे कांम नगनीसपैनदेत नगसीसकव
करावे विन चादर हनोपरे मंधत घटे सुठौ कीतन
ग्रोके शोदा प्रवमें स्त्री तीयनयैवत्र रकहनोपरे॥
मांन विन ज बॅपजू के जहां लोग फेनूतजे मांनस्न
तवत तथरू रैनगआ कहै मांन विन जरज्ञाधन के
वाकंकं दत्याजे मांन विन जीमे जो विदलडु कौसा
हो मांन विन रजगजराज सन वान जे ये मांन
तत्यारकं वानों वमैपा कहै जब लगर है देहत
लग हमनेवी वारनही मांन विन काफुयै मीलवे
हीतलाकहे॥२॥ आबीयह्ववकुत सुणि।
केमिटेनदगा।संगतसेंसुधरैनही।ताके वहे०
गर

मालमथिवद्दीनली बांधीतमसुंदरस्नू। केपिणमूंकेनह।उसमतणमनेह।२। उज मिएनसुहाय।अमृतपीवोमानविण।जी। विषदेतबुलाय।पांनमहितमरवुंनजुं २ प्रभुताकोंसबकोनजे।प्रभुर्ऊनजेनकोय: तजिप्रभुताप्रभुर्ऊनजे।प्रभुताप्रहीय ४ परऊपसहअंतरीसुरहीमपांजोय ६ कषदघायोपयकवे। पयपियीविसहो य १ सुलायितेनगीतेन।युवतीनांचली। लया।मनोनपिद्यतेयस्म।मयोगी६थवा पसु२ चिंताकीधिकवणगुण जिणशनको जोतिय।मतआपटरसंतोषधरा।जिष्योन। फिटेकोय•

जोणसुजांणाजोमिले। तोउपजेमनरीक
णंजोप्पोसुगीरमो ऽद्गार२ द्विज१ सकुरमी॥
विअक्तकहे तेहथीमोगिद्द्व मोवीवात्सय
णंतणी आवाकहेमनसुद्द २ सलांविगा॥
कणगुणगमण।उपुर्नकै जंदार जेनलागमुष
बोलेनहीं सबजगेलजेगिंवार ३ जोपिहेत
लिखिवेसमें तेपिउपजतसुद्द होंगहारछिये
वोमे मिटतजातसबसुद्द ४ सोक॥ नहोस
त्यान्स्वराजयाहीं विटराजमनेनहलार
हो एकंधनंसर्वधनंप्रधानं विद्याधनं:
पावहेले २ उत्तमआदरीयांहे।
उलगेनहीं हराजिमधसूरांहे
चेनहीं२

छन्दनामादि=

सर्वत्र तद्विभ्रमा" ८" कोऽस्तुंब तिक्तलडस
बो ...पाधरपल्लवं मनोज्ञमपि चारु
... ...रक नटविटनिष्ठीवनचारा
वं ... महत्स्वं पादिसं कुलीनत्वं
विवे... यावज्जीवविनाशेषु हते पं
... ...क: "१०"तमत्र प्रेमसंस्मा ह
...येयशंगना तत्रपस्तू हमाधावं भ्रा
...पिखलु कातर:" ११ "कुंकुमपंक
कलंकितदेह गौरपयोधरकंपितहा
...हसरहंसरणसदम्या कुर्वन्त्री
...कतेषु विरामा" १२" स्त्रंहितेकविब

जाण सुजांण जो मिले। तो उपजे मन रीझ
नजो ल्पा सुंगीर मी ऽ द्हार २ द्विज १ सुकूरमी॥
विस्रक्तकहे तेहथी भंगि हथ मारे
लातणी आवा कहे मन सुध २ सतां विगा।
रुणगुणगमण। उपुन्के नंदार जैवेला
नोलेनही तब जो मले गिंवार २ जे थि छत
लिखि रहमें ते थि उपजत बुध होण हार छि
वये मिटत जात सब बुध ४ सोक॥ नमोसु
सयान्विराज याहि विटराग मने
हा एकं धनं सर्व धनं प्रधानं विद्या धनं जे
पावहेलि २ उत्तम आदरीयांह। उत्तमले
उत्तगेनही हरजिमध्यत्र राह रावे पिव
चैनही २

गरुनावादि=

सर्वत्र तथ्यि ५ ८ कांश्रुवतिजलङस
बो [illegible]पाधस्पदद्ववं मनोज्ञमपि चाव
म [illegible] एक नटविटनिष्ठीवनन्नाय
वं ६ [illegible] महत्त्वं पादिसं कलीनल
विवे [illegible] यावज्जीवविनागेषु हते
वृ [illegible] क १० उन्मत्त प्रेमसंरंभा दा
[illegible] यं गता तत्रमस्य हमाधाव श्र
[illegible] णि स्तुकातरः ११ कुंकुमपंक
कलंकितदेह गौरपयो धरकंपितद
[illegible] र है [illegible] कं वरा
१२ [illegible] तिकविव

रां विपरीतबोधः ये नित्यमाङ्गारवलार
तिकामिनीम्: यान्निर्विलोलतः तारका
दृष्टिपातैः शाक्ताव्योपिविजि... व।
ता: कथ्यंतां ॥२॥ धिक्काव्य... कु
कवेः कवित्वं यः स्त्रीपुरुषं ... निश्च
त्रमंकरोति चूर्णांगवीक्षणकं ... विलो
कितानि कोपप्रसादहसितानि ... त:श्रा
न्तांके ॥२॥ उरसि निपतितानां ...
... कानां मुकुलितनयनानां ...
लितानां उपरिसुरतखेदखिन्नगंड
लीनां मधरमधुवधूनां उत्पन्न... ति

कठिया॥ याचक छनकौ टेव है जिके न बो
लि कहूर कहनो सो यन्त्रु धक है पणै नहीं पू
रष्ट्र पूर्णनहीं॰ रषैनहीं रावरंक की वात
वात यिरुवात नात है विना यंक की कहै द
नप्रवेश सुनि जे शास्त्र श्रेणकी छस्यमरन
कहैतु लेतु है याचक छणको (छमतो फ्
लफकीर है निरगुणरूप नियंक अपने
दिललाल एक है कोन राव कुण रंक कौ
नैरहै॥ मनक मनयाचक छतकुं हृकुं ना
कुं कम विशंनेर क्रकम वहतकौं . ५
पनप्रवेश। जकुरी परषत हीरा

जिववतीत दीनदयालफकीरा ॥२५॥

ग्यांनकटारीकमरपें।यब्बहाथयमये
र। श्रीरजहदीनलकर कीयाकालक्कंज
र कीया॰ पकनकरगरहनमाऱ्या मार
दूरमगद्दूरजातयेयांमसुखयाऱ्या। कह
दीनदरबेरा।आपकी रहस्यअटारीयब
दहाथसमयेरा।कमरमेग्यानकटारी
छूटांकूरीजहोतहेजानतसकलाजह
न मेदेवेरीकीईजतगईगएरावलकेयां
॰९॰ नेदब्लीबलहीनो यबछिकटबप
रिवार नाशरांवणकोकीनोकहेगिरधर
कविरायजेकाळकेयेहटे पडेउसमां

हियगएयारस्यगए गएउरांनेवाव गीधेट:
हजेंबुकरहे खुंआवेवनराय खुंग्यार
विमंसुधनहिर रवांजनमतिहीण अंग्याा
आंगलीकहैंकबोई कहेगिरधरक विराइ
या। मनी मनंवांभूयंया घरजावोअन्ब्र
पनेनहींयारयंनहां हिया ५॥ हेरी॥आ
ंमामकैअंगलपुगा कजगजगैती लगोटेरंवं
कलपावितछितनरजागा घरमांदुजगेतोज
मे न्या॰क्रीनसगोकूलनेमदगोरी जऊंत
तेभूगी रमकनाथहरंजनहुंभकूये॰
रंतौपंदगैंतोदगोरी हेरी॥५॥६॥२॥रंतै॥

॥कवित॥ कहांगए करणतीनयुग। जीतलए फजरङ्गके वेरनामवाङ्गके रहगए कहांगए विक्रमभूपद्रव्यजेन ङ्गके परउपकापन विरदजांपरहगए कहांगए राजाभोजबवदेववद्यानिधि तकवियनकीरतमुषङ्गयेकहगए रहगए रूपधरकेंगा लङ्गसयुगभाऊ मरगए चरमधरवेपरपरहगए ९

॥श्लोकं॥सकिलकलुषंनीतेना [illegible]
लोकं अवलविहगस्तिदिपके [illegible]
पर॥कृपणतनुगःस्तस्यदोषं [illegible]
कृतघ्नराहू त्यजतिप्रकृतिं [illegible]
कारनोतेःरपि॥॥विप्राःस्तिं [illegible]
वानंकथयंताताडङुमाणे [illegible]
दानारंजकोददातिवस्तिनां [illegible]
हीत्वानिशी: कोदत्वोप [illegible]
दरणेसर्वेपिदक्षाजना: [illegible]

वितदेसखेविषकमीस्मायेनजीवाम्प
हं ॥२॥ योत्वेचांस्पसिमूर्खत्वे. यामेव
सतिसर्वदा. अन्पविद्यागमेनास्ति
प्रर्वोधीतेविनश्यति ॥३॥ हवजिके
रहूजणा अरिगंजणातेहउ हवजहा
थाऊपरे बीजाहवऽहवे१ गाथा॥ पवन
राय१स्मावो स्पलिलितगाहाणसुंदरी
यणं तसहणेनग हीयाउ पच्छाउर्त
होई२ कारजज्यांरा सिज्जास्ति ज्यारा
सजबेल जंगलहूतनजनमसि हाक
नहिसियावेहउ१ उलबिस्पापीए

घर घरधेरेदस्मर्उर निकलेवे हरेमिल
नकें करीनरकर्कंगेर १ मरबाम्पोजेघर
मिले तेंघरबांदनचित घरबाम्पां घर २
फिरे ते घरमतबांधिकेंत २ स ७ । हम्यव
रवीहंस्मजांनेकपराकीस्के सजां नेस्मग
पतनी ाधजांनेमहिर्जेको मानवो राग।
तोबतीस्मजांनेलबनबतीस्मजांनेस्मा।
दकुनिवेरजांनेअरथद्रकोआंनवो।
सुबीकयबोहिजांनेदूंपवरराईजांने
ओरविधसबेजांनेराजरीतरहवो रत
नोजांणीतोकहस्नयोदेरबीजनरूप

नाथ जांण्यां बिन कुण
सब जांनवो २

।।अथअर्बुदाचलछंद।।दुहा।।उत्रगवरी
समरूंजयम सारदेदेयसुमत अकल
समपोईश्वरी कीरतालडीमतर आपवदा
बोईश्वरी सुधबुधदेउसवाय गुणअरब
दरागावसुं जिणतिणआगळजाय२
अवलजगदअरबदसो जोणेसेक
संसार तेतीसक्रोडदेवततवे पगरनावे
पार२ वनस्पतिवापांणजे भारअवरि
मांत दीपअमोलकदेहरा छबकोरणी

वात ४ अर्बुदमाताईश्वरी वर्षेपाहं।
जांवीच उजेरवदीयपावती पकभैपां
णवयीम ५ तीनलोकमेंताहरी जोपेनह
कीइलीह महिषासुरतेमारीयो वजक
रग्रहीयोमेंह ६ लंदजातरेडकी।।वल
कारतीसींह विलोलेमगतीहेयअमवो
रांईहाली जनमिलियांदेतपरवदाज
वा पवेनरहकिणरीपाली ईश्वरीमेम।
वाढियाअसुरांदेटरमंत ७ कि ज्ञ
मराभरस्वर्गजितेगजअर्बुदमार्बुदि

मेंस्त्रिबजीइस्लदी२ दीवीअतिपांतअ
मोलकदेहरातवेजगोफीधणीतठेचं
दणाबडकाककेस्परांचाटिआविडनियां
जातउठे महकेंअतिकमजयोजती
सूरतगिरंदनेटजेघदी२ अमरापु०२
रस्नियानेवालमस्परिवारावत अठा।
नीबजपोरस्नइस्पडा बारेजिणवाज
रातमेंबांधीतवांनीमहफमंततिस्पडा।
नेणस्परीषाऊरस्पवस्पेउणजांगन्हारी
कांमजलियांतिनिदी२ अमरापुरस्पकी

इस्रकिमिवनाथअचलि...
ममारजिणरहकीया...
पज्योरावणदेशलंका...
गूगीउविस्रजावेईश्वरका
किस्रकी ४ अन्नरा...
ऊणजायगाऊँ...
गोपुववेस्रस्वेश्वर...
रानामजे६ इस्रका...
जायगाउरामिस्र...

बंधवांधेपकोपास्रतांबारेअंजस्रकर
नफवाआया नोलेस्रिवनाथप्रेलिय:
नमराखूंटर उवांरापिंफवाया लोते
जपालअनेस्याहविमलेंकीयावंधज
फीरकफी अम०६ नबीतलावलीलि
याजेनरपिंफरापापजगयापरायरुथ
नेंपांनरजकनेंगायांषरेहेतसुंदीया
वरा उंणनायांवायबितकटेउतमेंके
कायालेवातेरवजीफकस्रि ७

जिणमेंजोगेंद्र अतीत जटालां केइ बेव
रूप साहकरे आप्पनइठ स्याक बाहिर
नहि आ ते ध्यांन ग्यांन जप जाप धरे पीहि
कांवी वेस बद स्युं सरे स्व टनम केर्पं बी
झिमी श्री ० वेपेलो अनेकेतकावें पा
खांबाणेडमरायणइक्षि बीजो राजेबु
ऊवेडावेंऊलाज्यां जेमो जिहांवस्माजि
म्हि नार्वेत्राजायकेलअतिजाणीत
विपुलाबीऊवेतिस्मही ९

पयोधर [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] तिर्यग्गिरयो [illegible]
[illegible] दिक्कच्छ्वधवना [illegible]
[illegible] नयत ४ नामृतंनविर [illegible]
[illegible] मुस्लानितंबिनी सेवामृतल [illegible]
[illegible] धिरस्काविवव धरी ५ [illegible]
[illegible] वितांस्ताकटाक्षा:
[illegible] नाश्चहाया:
[illegible] तैयसं [illegible]

वरिहितच स्त्रीणामेतेन्दूषण: श्रायुरञ्ज
५ स्मृतात्रवतितांपाय इत्यावोक्त्ये
न्तो स्पृष्टान्नवतियोऽयं सानायदलित
कथम् ६ का मिलीकायकांतारे
वतडगति मास्यंवरभन: पांप। दंसस्त्रे
स्मरतस्कार: ७) ईष्टमेवाकिंतुसमंदग
ट्टरा: प्रेमजलं दुख प्रीतमेधु कि
तदास्यपवन: श्रामेश्च किंतवच: कि
स्वाद्येष्टतदोष्टपल्लवस्य: स्मरेणकि
तस्तु: ... किंनवयोवतेसुहृत्ये।

॥भी॥ द्विजराजमुखी मृगराजकटी॥ जविराजत विराजत [illegible] यदि
राजमिला हृदये वसति कजपंकज
पच्च्यमालिनि रतिरसं॥

गिरुपहिला नीपकी त्वाषोतरवरतक्ष
उणकी बीधीनितरा छेउमारेपत्य

॥छलीमेरणी॥ बीजावतजे बोज अमियरं
माणानवेरे मांणसताकेमोल जिण२सुरुड
जेनही॥१॥ कातिवसंत समयेव२ किलस
किंत्रीयते रीहिता मृगाः किमेहि किंकृत
मधुकरामधुपान मत्ता: कीहग्वनं मृगगणः
त्वरिततजेयुः॥१६॥विकच